हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe
Koylanchal samvad news
www.koylanchalsamvad.com

रांची, रविवार, 29 सितंबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 137

हरियाणा में अवैध पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्टः बच्चे समेत 3 जिंदा जले... | हरियाणा विधानसभा चुनाव में सच और झूठ की लड़ाई? | पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के बढ़ते अवसर

मूल्य : 2 रुपए

सीएम हेमंत ने 444 प्रशिक्षण अधिकारियों को सौंपा नियुक्ति पत्र, बोले- हजार चुनौतियां आई लेकिन कभी हार नहीं माना

जेएसएससी सीजीएल पर बोले हेमंत सोरेनः वास्तविकता का पता नहीं सरकार पर कालिख पोतने में लगे हैं लोग

रांचीः झारखंड में जेएसएससी की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा पास करने वाले 527 लोगों के बाद आज 444 प्रशिक्षण अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को इन 444 प्रशिक्षण अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया. कार्यक्रम का आयोजन श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से किया गया था. राजधानी रांची के डोरंडा स्थित जैप-1 के शौर्य सभागार में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कुछ प्रशिक्षण अधिकारियों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र दिया. नियुक्ति पत्र पाकर प्रशिक्षण अधिकारियों के चेहरे खिल उठे. सरकारी नौकरी मिलने की खुशी उनके चेहरे पर साफ झलक रही थी. नवचयनित 444 प्रशिक्षण अधिकारियों में कृषि पदाधिकारी समेत कई पदों पर झारखंड राज्य के गठन के बाद पहली बार नियुक्ति हुई है. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनके कार्यकाल में विभिन्न विभागों में हजारों युवाओं की नियुक्ति की गई है.

हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि इस वित्तीय वर्ष में 5,403 स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों एवं 539 लैब सहायकों की नियुक्ति की गई है. इस दौरान हेमंत सोरेन ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को भी टीचर, इंजीनियर और टेक्नीशियन जैसे अलग-अलग पदों के लिए 527 कैंडिडेट्स को भी नियुक्ति पत्र बांटा गया है। सीएम ने कहा मैं आपको बधाई देना चाहूंगा। आज आप सरकार के द्वारा चलाए जा रहे पॉलटेक्निक केंद्रों में अपने को तराशकर अपने लिए एक दिशा बनाई है। सरकार की नीतियों के अनुसार आपको राज्य के विभिन्न और देश के अन्य कंपनियों में काम करने का मौका मिलेगा। बल्कि अभी आप सरकार के द्वारा चालए जा रहे पॉलिटेकनिक केंद्रों में अपना प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे थे। अब आप बड़े स्केल में पॉलिटेकनिक के क्षेत्र में जाएंगे जहां आपको और निखरने का मौका मिलेगा। आज आप आईटीआई के क्षेत्र से निकले है ये आपका पहला पड़ाव है जहां मुझे बताया गया है कि टाटा ग्रुप, जिंदल, मेकॉन, सीसीएल जैसी कंपनियों में निजी और सरकारी क्षेत्रों में भी जाने का मौका मिलेगा। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह कार्यक्रम में सीएम के अलावे मंत्री बन्ना गुप्ता भी शामिल थे. सीएमने कहा कि कल भी हमलोग यहां जुटे थे.500से ऊपर लोगों को नियुक्तियां मिली. आज फिर यहां जुटे हैं. आज भी नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है. आज बहुत खुशी का दिन है. सीएम ने सबको बधाई दी.

अब समय खोजने से नहीं मिलता हैः हेमंत सोरेन

वर्तमान समय में अब तकनीक की दुनिया है। इसमें कहीं ना कहीं हर व्यक्ति के पास दक्षता होना आवश्यक है। हुनरमंद होना आवश्यक है। लोगो की रफ्तार बढ़ी हुई है। अब समय खोजने से नहीं मिलता है। आज समय का घोर अभाव है। अब आपलोग एक ऐसे समय में प्रवेश करने जा रहे हैं जहां आप अपने सुझबूझ से आगे बढेंगे। आप पर निर्भर करता है कि आप अपने जीवन को कितना रफ्तार दे सकते हैं। राज्य बनने के बाद पहला या दूसरा बार आटीआई प्रशिक्षण अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। ये कहा जाए कि नौजवानों के लिए और सरकार के लिए भी रोजगार के रास्ते पर नौजावनों को दिशा देने का अथक प्रयास सरकार की तरफ से हुआ है।

सरकार बनते ही कोरोना काल आ गया

हम नहीं कह सकते हैं कि हमने शत प्रतिशत सारे काम को पूरा किया। हमने सरकार बनाई तो दो साल तक कोरोना का उठा पटक था। आपको पता है कि साल में कितने दिन तक कार्यालय चलते हैं। इतने कम समय में चाहे जेपीएससी के माध्यम से हो, जेएसएससी के माध्यम से हो, चाहे अलग-अलग विभागों के नियुक्ति पत्र वितरण हो, या एग्जाम कंडक्ट करने की प्रक्रियो चल रही हो, ये सारी प्रक्रिया तेजी से चल रही है। ये सब करने के लिए जो उसके आवश्यक विषय थे उन सभी को जोड़ना पड़ा। पता चला कि किसी संवर्ग में किसी की नियुक्ति होनी है लेकिन नियुक्ति नियमावली ही नहीं है। उन सभी नियुक्ति नियमावली को बनाया गया। जेपीएससी की नियुक्ति नियमावली बनी।

औचक निरीक्षण करने पहुंचे सीएमः मेकॉन चौक के पास निर्माणाधीन फ्लाईओवर का लिया जायजा, दिए कई निर्देश

डोरंडा स्थित जैप वन के शौर्य सभागार में नव चयनित 444 प्रशिक्षण अधिकारियों को नियुक्ति पत्र देने के बाद वापस निकले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने डोरंडा इलाके मेकॉन चौक के पास निर्माणाधीन फ्लाई ओवर जायजा लेने पहुंच गए। वे खुद सर में हेलमेट पहन निर्माण कार्य का पूरा जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी थे। मौके पर उन्होंने खुद घूम-घूम कर कार्य के प्रगति की जांच की। इस दौरान वहां मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों से कई जानकारियां ली। वहीं कार्य को लेकर कई निर्देश भी दिए।

संक्षिप्त खबरें

स्टालिन ने तमिलनाडु में टाटा मोटर्स के 9,000 करोड़ रुपये के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की आधारशिला रखी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को यहां प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स की एक नई विनिर्माण सुविधा की आधारशिला रखी। इस संयंत्र पर 9,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इस परियोजना का भूमिपूजन समारोह चेन्नई से लगभग 115 किलोमीटर दूर इस जिले के पनपक्कम में आयोजित किया गया। इस सुविधा से 5,000 नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री के अलावा, द्रमुक के वरिष्ठ मंत्री दुरई मुरुगन, टीआरबी राजा, मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने भूमिपूजन समारोह में भाग लिया। इस मौके पर स्टालिन ने टाटा मोटर्स की तमिलनाडु में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना पर प्रसन्नता जताई। स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु न केवल भारत में काम करने वाली बड़ी कंपनियों के लिए बल्कि बहुराष्ट्रीय निगमों के लिए भी पहला निवेश गंतव्य है। हम इस कार्यक्रम में चंद्रशेखरन की उपस्थिति से प्रसन्न हैं। नमक्कल जिले से आने वाले और विश्वस्तर पर प्रसिद्ध कंपनी का नेतृत्व करने वाले चंद्रशेखरन राज्य के लिए गौरव की बात हैं। टाटा मोटर्स ने संयंत्र स्थापित करने के लिए मार्च में सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

अब मौसम विभाग लोगों को देगा नमी की भी जानकारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। गर्मी, सर्दी और बारिश की जानकारी देना वाले मौसम विभाग (आईएमडी) अब नमी स्तर की जानकारी भी लोगों को देगा। नमी का महत्व आमतौर पर बारिश के सीजन में ज्यादा होता है। नमी बढ़ने से इंसान इस मौसम में खुद को असहज महसूस करता है और उसके बीमार पड़ने की संभावना बनी रहती है। अब आईएमडी ने यह सुविधा आम लोगों के लिए शुरू की है। सात दिनों की न्यूनतम और अधिकतम नमी का फॉरकास्ट लोग जान सकेंगे। एक ही जगह उन्हें दिल्ली ही नहीं बल्कि देश के सभी हिस्सों की नमी की जानकारी मिल सकेगी। लोगों को इसके लिए मौसम विभाग की वेबसाइट पर जाना होगा। इस पेज पर जाकर उन्हें उस शहर को क्लिक करना होगा, जिसकी नमी के स्तर का हाल जानना चाहते हैं। इसके बाद उनके सामने मौसम की पूरी जानकारी आ जाएगी। यहां उन्हें अगले सात दिनों के अधिकतम तापमान, न्यूनतम तापमान, बारिश या बादलों की कितनी संभावना है, मौसम संबंधित वॉर्निंग जारी की गई है या नहीं और नमी के स्तर की जानकारी मिल सकेगी।

त्योहार सीजन में आतंकी हमले की आशंका के चलते सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

मुंबई,(ईएमएस)। खुफिया एजेंसियों ने त्योहार सीजन के मौके पर हमले की आशंका जताई है। इस संभावित खतरे को देखते हुए मुंबई शहर की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया जा रहा है। खास स्थानों पर सुरक्षा की कड़ी जांच की जा रही है। खुफिया एजेंसियों के इनपुट पर शहर में भीड़भाड़ वाले स्थानों और धार्मिक स्थलों पर मॉकड्रिल की जा रही है और सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को अपने-अपने इलाके में खास ध्यान रखने के निर्देश दिए गए है। हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मॉल्स और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सुरक्षा बलों ने इन जगहों की जांच-पड़ताल तेज कर दी है। एडवांस टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। मुंबई पुलिस ने कहा कि भीड़भाड़ वाले स्थानों और धार्मिक स्थलों पर मॉकड्रिल की जा रही है। सभी डीसीपी को अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। क्राइम ब्रांच, एटीसी और स्थानीय पुलिस एक साथ मिलकर इस चुनौती का सामना कर रहे हैं। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में कड़े सुरक्षा उपाय किए हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही, कई सुरक्षा एजेंसियां भी शहर में सक्रिय हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। त्योहारों के समय सार्वजनिक जगह पर ज्यादा भीड़ जुटती है, ऐसे में लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

6,73,06,700 रुपए से डैवलप होगा पहाड़ी मंदिरः 31 मार्च 2026 तक पूरा होगा काम

रांचीः रांची के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर के डैवलपमेंट पर 6,73,06,700 रुपए खर्च किए जाएंगे। इसकी मरम्मती और रिडैवलपमेंट पर होने वाले खर्च की प्रशासनिक स्वीकृति डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने दे दी है। दी गई स्वीकृति में बताया गया है कि 4 करोड़ 24 लाख 54 हजार 300 रुपए से गार्ड वॉल तथा बाउंड्री वॉल निर्माण पर 2 करोड़ 48 लाख 52 हजार 400 रुपए खर्च किए जाएंगे। इस काम के लिए कार्यपालक अभियंता, एनआरईपी-1, रांची को कार्यकारी एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है। वहीं इस प्रोजेक्ट को 31 मार्च 2026 तक पूरा कर लेने को कहा है।

सात दिनों के भीतर निकलेगा टेंडर

जानकारी के मुताबिक इस काम के लिए सात दिनों के भीतर टेंडर निकाला जाएगा। टेंडर मिलने के अगले पांच दिनों के भीतर टेंडर क्लियर करा लिया जाएगा। कहा गया है कि टेंडर में किसी तरह की दिक्कत होने पर कार्यकारी एजेंसी को तत्काल सूचना देने का आदेश दिया गया है। डीसी ने अपने आदेश में साफ कहा है कि तय मानक के अनुसार ही काम होगा।

कार्यकारी एजेंसी को दिए गए आदेश

- काम करने के लिए चयनीत एजेंसी के पास धार्मिक स्थल कार्य से संबंधित कार्यानुभव होना अनिवार्य है। योजना का कार्यान्वयन प्रशासनिक स्वीकृति की राशि के अंतर्गत तकनीकी स्वीकृति प्रदत्त प्राक्कलन के अनुरूप एवं निर्धारित समय-सीमा में ही कराया जाएगा। विभाग के अनुमोदन के बाद ही प्रशासनिक स्वीकृति की राशि से अधिक का कार्य कराया जाएगा।
- यदि प्रश्नगत योजना का कार्य किसी अन्य मद की राशि से स्वीकृत की गई है या इस कार्य पर किसी अन्य मद से राशि का व्यय किया गया है तो इस प्रशासनिक स्वीकृति के आलोक में प्राप्त आवंटन की राशि का व्यय नहीं किया जायेगा।
- योजनाओं का निरीक्षण संबंधित कार्यकारी एजेंसी द्वारा नियमित रूप से किया जाएगा। अभिलेख में तिथि के साथ निरीक्षण टिप्पणी अंकित किया जायेगा।
- एजेंसी समय-समय पर योजना का फिजिकल वैरिफिकेशन करेगी। यह वैरिफिकेशन प्रत्येक माह होगा। इसका मंथली डेवलपमेंट रिपोर्ट (भौतिक एवं वित्तीय) जिला खेल पदाधिकारी सह पर्यटन, संस्कृति नोडल पदाधिकारी को उपलब्ध कराएंगे।
- पहाड़ी मंदिर के मूल संरचना में किसी भी प्रकार का कार्य नहीं किया जाएगा।
- काम करने वाली एजेंसी यह तय करेगी कि दिव्यांगों को पहुंचने में किसी तरह की दिक्कत न हो।

10 लाख के इनामी नक्सली रामदयाल उर्फ बच्चन दा ने किया आत्मसमर्पण

रांची/गिरिडीहः 10 लाख रुपए के इनामी नक्सली रामदयाल महतो उर्फ बच्चन दा ने सरेंडर कर दिया है. वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहा था. गिरिडीह जिले की पुलिस की पहल पर रामदयाल महतो ने आत्मसमर्पण करने का फैसला किया. इसी दौरान शनिवार को गिरिडीह के पपरवाटांड स्थित पुलिस कार्यालय में डीआईजी सुनील भास्कर, एसपी विमल कुमार के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया. मौके पर 154 वी सीआरपीएफ बटालियन के सेकंड इन कमांडर दलजीत सिंह भाटी, 35वी वाहनी एसएसबी के कमांडेंट संजीव कुमार समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे. डीआईजी सुनील भास्कर ने बताया कि झारखंड सरकार के आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति नयी दिशा एक नयी पहल से प्रभावित होकर भाकपा माओवादी के कुख्यात नक्सली रामदयाल महतो उर्फ बच्चन दा उर्फ अमर दा ने आत्मसमर्पण किया है. इन्हें इनाम की राशि दस लाख रुपये दिये जायेंगे. साथ ही घोषित पुनर्वास नीति का लाभ भी दिया जायेगा. इन्होंने बताया कि इनका अपराधिक इतिहास बहुत बड़ा रहा है. गिरिडीह अलग अलग थानों में 54 मामले दर्ज हैं. वहीं धनबाद जिला में भी 11 मामलों में संलिप्ता है रामदयाल महतो कई बड़े घटनाओं को अंजाम दे चुका है.इनके आत्म समर्पण से नक्सली माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है. गिरिडीह के तत्कालीन एसपी दीपक शर्मा एसपी की पहल के बाद रामदयाल महतो के पुत्र ने अपने पिता को आत्म समर्पण के लिए प्रेरित किया. पीरटांड़ थाना क्षेत्र के पीपराडीह का रहने वाला इनामी और कुख्यात नक्सली रामदयाल महतो उर्फ बच्चन दा पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहा था.

शंकर साव हत्याकांड के सभी आरोपी बरी

रांचीः रांची सिविल कोर्ट ने हत्या के तीन आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है. अपर न्यायमुक्त मनीष रंजन की कोर्ट ने शंकर साव की हत्या के जुर्म में जेल में बंद उमेश साव, कविता देवी और संध्या साव को बरी किया है. शंकर साव की हत्या वर्ष 2022 में की गयी थी. हत्या के बाद शंकर की पत्नी ने उमेश साव, कविता देवी और संध्या साव को नामजद आरोपी बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज करवायी थी. रांची के रातू थाना में तीनों के खिलाफ कांड संख्या 02/2022 दर्ज की गयी थी. हाईकोर्ट के निर्देश के बाद इस मामले का स्पीडी ट्रायल हुआ. अभियोजक पक्ष की ओर से कुल सात गवाह कोर्ट में पेश किये गये. लेकिन गवाह यह साबित नहीं कर पाये कि शंकर की हत्या उमेश साव, कविता देवी और संध्या साव ने की है. आरोपियों की ओर से अधिवक्ता प्रीतांशु सिंह ने बहस की.

झारखंड में चुनाव प्रक्रिया अंतिम चरण पर, सीईसी का निर्देश 15 अक्टूबर तक भेजे राज्य का रिपोर्ट

रांचीः झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग की तैयारियां अंतिम चरण में हैं. भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को चुनाव संबंधी तैयारी को लेकर विशेष निर्देश दिए गए हैं, जिसे हर हाल में 15 अक्टूबर तक पूरा कर रिपोर्ट भेजने को कहा गया है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के अनुसार 5 अक्टूबर तक प्रारंभिक रिपोर्ट जिला निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से राज्य निर्वाचन आयोग के पास जमा करना होगा. विगत 26 सितंबर से शुरू उप निर्वाचन पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतिम चरण में हैं. प्रशिक्षण के दौरान उन्हें मतदान प्रतिशत बढ़ाने के साथ-साथ कदाचार चुनाव संपन्न कराने के लिए आयोग के दिशानिर्देश अनुरूप कार्य को पूरा करने की पहलूओं को भी बताए जा रहे हैं.

त्रुटिरहित चुनाव संपन्न कराना हमारा प्राथमिकता-सीईओ

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि विधानसभा चुनाव त्रुटिरहित संपन्न हो यह हमारा प्राथमिकता है. इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतिम चरण में हैं. पिछले लोकसभा चुनाव से अनुभव लेते हुए आयोग के द्वारा हर बिंदू पर ध्यान दिया जा रहा है. जिससे की एरर फ्री चुनाव संपन्न हो सके. दरअसल, राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में होने की संभावना है. जानकारी के मुताबिक झारखंड विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र के साथ हो सकता है. जिसकी घोषणा 10 अक्टूबर तक होने की संभावना है.

मोदी बोले- 8 साल पहले आज ही सर्जिकल स्ट्राइक हुईःकांग्रेस सबूत मांगती है; इनके समय गोलीबारी के जवाब में सफेद झंडा दिखाते थे

श्रीनगरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के अंतिम फेज के लिए शनिवार, 28 सितंबर को जम्मू में रैली की। उन्होंने एमए स्टेडियम में विजय संकल्प महारैली को संबोधित करते हुए कहा कि 2016 में आज ही की रात सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी। भारत ने दुनिया को बताया था कि ये नया भारत है। ये घर में घुसकर मारता है।' पीएम ने कहा, 'वो दौर याद कीजिए, जब सीमा पार से आए दिन गोले बरसते थे। उधर से गोलियां चलती थीं और कांग्रेस वाले सफेद झंडा दिखाते थे। जब भाजपा सरकार ने गोली का जवाब गोले से दिया तो उधर वालों के होश ठिकाने आ गए। अब आतंक के आकाओं को पता है अगर कुछ भी हिमाकत की तो मोदी पाताल से भी उन्हें खोज निकालेगा। कांग्रेस वो पार्टी है, जिसने सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे थे। कांग्रेस आज भी सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर पाकिस्तान की भाषा बोलती है।' सितंबर में पीएम मोदी की जम्मू-कश्मीर में यह तीसरी और आखिरी चुनावी सभा थी। 1 अक्टूबर को तीसरे और अंतिम चरण में बांदीपोरा, कुपवाड़ा, बारामूला, उधमपुर, जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों की 40 सीटों पर मतदान होगा। 8 अक्टूबर को तीन फेज में 90 सीटों पर हुए मतदान के नतीजे आएंगे।

मोदी बोले- कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी संविधान के सबसे बड़े दुश्मन

मोदी ने कहा, 'आज कांग्रेस पूरी तरह से अर्बन नक्सलियों के कब्जे में है। जब विदेशों से घुसपैठिए यहां आते हैं, तो कांग्रेस को अच्छा लगता है। वो उन्हें अपना वोट बैंक मानती है। उनका स्वागत करती दिखती है, जबकि अपने ही लोगों के दर्द का मजाक उड़ाती है। पीएम ने कहा, 'कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी संविधान के सबसे बड़े दुश्मन हैं। इन्होंने बाबा साहब अंबेडकर के संविधान की आत्मा का गला घोंटा है। कई-कई पीढ़ियों से रह रहे अनेक परिवारों को वोट देने तक का हक नहीं था। भाजपा ने लोगों को वोट का अधिकार दिया।

पीएम मोदी के भाषण की अन्य 4 बड़ी बातें...

1. 8 अक्टूबर को मां के नवरात्रि के दिन नतीजे आएंगे। हम सब माता वैष्णो देवी के साये में पले-बढ़े हैं। 12 अक्टूबर को विजयादशमी है। इस बार की विजयादशमी हम सभी के लिए शुभ शुरुआत वाली होगी। जम्मू हो, सांबा हो, कठुआ हो, चारो तरफ एक ही नारा गूंज रहा है, जम्मू की यही पुकार, आ रही है भाजपा सरकार।
2. जम्मू-कश्मीर के लोग कांग्रेस, पीडीपी और एनसी के तीन खानदानों से त्रस्त हैं। लोग फिर वही निजाम नहीं चाहते, जिसमें भ्रष्टाचार हो। यहां की जनता आतंकवाद, अलगाववाद, खून-खराबा नहीं चाहती। यहां के लोग अमन, शांति चाहते हैं। यहां के लोग अपने बच्चों का बेहतर भविष्य चाहते हैं। इसलिए जम्मू-कश्मीर के लोग भाजपा सरकार चाहते हैं।
3. पिछले दोनों चरणों में भाजपा के पक्ष में जबरदस्त वोटिंग हुई है। अब यहां भाजपा की पूर्ण बहुमत की पहली सरकार बनना तय है। पहली बार जम्मू क्षेत्र के लोगों की इच्छा वाली सरकार बनने जा रही है। ये मंदिरों की नगरी है, इस मौके को छोड़ना नहीं है। जम्मू के साथ दशकों से जो भी भेदभाव हुआ है, उसको भाजपा सरकार ही दूर करेगी।
4. कांग्रेस देश के लिए मर मिटने वालों का कभी सम्मान नहीं कर सकती है। कांग्रेस ने 4 दशक तक फौजी परिवारों को वन रैंक वन पेंशन के लिए तरसाया। कांग्रेस ने हमारे फौजियों से झूठ बोला। ये कहते थे कि वन रैंक वन पेंशन से खजाने पर बोझ पड़ेगा। 2014 में सरकार बनने के बाद हमने वन रैंक वन पेंशन लागू की।

कुलगाम में मुठभेड़, 2 आतंकी ढेरः4 सुरक्षाकर्मी घायल, इनमें 3 सेना के जवान और एक एएसपी

श्रीनगरः कश्मीर में कुलगाम के आदिगाम देवसर इलाके में शनिवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। दोपहर में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। इलाके में दो-तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका थी। सेना के 3 जवान और कुलगाम के एएसपी घायल हुए हैं। चारों को इलाज के लिए श्रीनगर शिफ्ट किया गया है। कश्मीर जोन पुलिस ने शनिवार सुबह 7:05 बजे X पर पोस्ट के जरिए मुठभेड़ की जानकारी दी। बताया कि पुलिस और सेना ने जॉइंट ऑपरेशन के तहत आदिगाम में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान आतंकियों ने उन पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। फिलहाल ऑपरेशन जारी है।

कुलगाम मुठभेड़ में घायल सुरक्षाकर्मियों को इलाज के लिए श्रीनगर के 92 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एएसपी मुमताज अली भट्टी, सिपाही सोहन कुमार, सिपाही योगिंदर और मोहम्मद इसरान शामिल हैं।

पुलवामा में जैश-ए-मोहम्मद के 6 सहयोगी गिरफ्तार

दूसरी तरफ, पुलिस ने शुक्रवार, 27 सितंबर को पुलवामा के अवंतीपोरा में टेरर मॉड्यूल का खुलासा किया। पुलिस ने जैश-ए-मोहम्मद के 6 आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। ये युवाओं को आतंकवाद की ट्रेनिंग देते थे। इनके पास से 5 ईडी, 30 डेटोनेटर, ईडी की 17 बैटरी, 2 पिस्टल, 3 मैगजीन, 25 राउंड, 4 हैंड ग्रेनेड और 20 हजार कैश बरामद हुआ है।

युवाओं की मदद से हमलों को अंजाम देने की साजिश थी : पुलिस ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि जैश-ए-मोहम्मद के पाकिस्तान स्थित कश्मीरी आतंकी उन युवाओं की तलाश में हैं, जिनका ब्रेन वॉश किया जा सकता है। जांच में सामने आया कि आतंकी ने जेल में एक ओवर ग्राउंड वर्कर की मदद से कई युवाओं की पहचान की, जिन्हें अवंतीपोरा के त्राल क्षेत्र में आतंकवाद में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया था।

झारखण्ड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत का अनिश्चितकालीन आमरण अनशन सह धरना प्रदर्शन छठवें दिन भी जारी

रांचीः झारखण्ड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार 6 सूत्री मांगो को लेकर राजभवन(जाकिर हुसैन पार्क के पास) , रांची के समक्ष अनिश्चितकालीन आमरण अनशन सह धरना प्रदर्शन छठवें दिन भी जारी है, जिसकी अध्यक्षता राज्य अध्यक्ष श्री कृष्ण दयाल सिंह ने की और इसका संचालन गोड्डा जिलाध्यक्ष श्री नेमानी पासवान ने किया । आमरण अनशन में राज्य अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह , श्री बालेश्वर महतो, कल से ही आमरण अनशन पर हैं और श्री परमेश्वर पासवान, गिरिडीह जिला और प्रीतम कुमार पसवान ,गोड्डा जिला से और आज पाकुड़ जिला के महेशपुर थाना के सत्य नारायण सरकार और बोकारो जिला के अमलाबाद थाना के निमाईचंद रजवार आमरण अनशन पर हैं । अभी आमरण अनशन में 6 लोग हैऔर साथ में सैकड़ों चौकीदार उपस्थित हैं । आमरण अनशनकारियों की स्थिति नाजुक बनी हुई है ।

श्री सिंह ने कहा कि सेवा विमुक्त चौकीदार, एवजी चौकीदार और अनुकंपा के आधार पर रिक्त बीटों पर झारखंड के सभी जिलों में विज्ञापन प्रकाशित कर नियुक्ति प्रक्रिया जारी है । श्री सिंह ने झारखंड के माननीय मुख्य मंत्री से मांग की है की इस नियुक्ति प्रक्रिया को तत्काल रोक लगावे। क्योंकि चौकीदारों के रिक्त बीटों पर निकाला गया विज्ञापन के अनुसार नियुक्ति प्रक्रिया पर माननीय झारखंड हाई कोर्ट ने सरायकेला खरसावां और गिरिडीह जिला में रोक लगा दी है । इसलिए सेवा विमुक्त चौकीदार, एवजी चौकीदार और और अनुकंपा के आधार पर रिक्त पदों पर जिन जिन जिलों में विज्ञापन निकाला गया है, उसको तत्काल रद्द किया जाय । श्री सिंह ने कहा कि झारखंड चौकीदार संवर्ग नियमावली 2015 की कंडिका 2(9) के आलोक में 100 से 120 आवासीय घरों पर बिना नया बीट सृजित किए विज्ञापन निकालना इस नियमली का उलंघन है ।

श्री सिंह ने झारखंड के माननीय मुख्य मंत्री श्री हेमंत सोरेन जी से मांग की है कि सेवा विमुक्त चौकीदारों को सेवा में पुनः योगदान करने और एवजी चौकीदारों को पूर्व नियुक्ति प्रक्रिया के अनुसार नियुक्त करने हेतु भारतीय संविधान के अनुच्छेद16(4) की भावना के आलोक में तत्काल अध्यादेश जारी करे । आमरण अनशन सह धरना प्रदर्शन की मुख्य मांगो में सेवा विमुक्त चौकीदारों को पुनः सेवा में योगदान करने हेतु सभी उपायुक्तों कोआदेश देना, सेवा विमुक्त, एवजी और अनुकंपा के आधार पर रिक्त पदों पर निकाला गया विज्ञापन रद्द करना, 01 जनवरी,1990 के पूर्व और बाद में सेवा निवृत चौकीदार दफादारो के के आश्रितों की नियुक्ति पूर्व नियुक्ति प्रक्रिया के अनुसार करने का आदेश सभी उपायुक्तो को देना , रामगढ़ जिला में चौकीदारों के रिक्त पदों पर की गई अवैध नियुक्ति तत्काल रद्द करने, सेवा विमुक्त और एवजी चौकीदारों की नियुक्ति करने हेतु अध्यादेश जारी करना, 31 दिसंबर , 1989 को सेवा निवृत चौकीदार दफादारो के आश्रितों की नियुक्ति झारखंड कैबिनेट द्वारा पारित संकल्प के आलोक में करना, अनुकंपा के आधार पर आश्रित में पोता और नाती को जोड़ना और पुलिस की तरह ही चौकीदार दफादारों को भी 13 माह का वेतन देना प्रमुख है ।

एक सत्याग्रह की स्थिति गंभीर बनी हुई है और उन्हें कोई देखने वाला नहीं है। अनिश्चितकालीन आमरण अनशन सह धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से सर्वश्री ,तौहीद आलम, अशोक राय , लक्ष्मण पासवान, rupan पासवान, महादेव पासवान,ओमप्रकाश राय, अनिल कुजूर, मिहिर मॉल, फटीक,वासुदेव पासवान , आकाश कुमार, मॉल, हेदवी मॉल, प्रवीण मॉल, पप्पू कुमार राय, अनुज कुमार राय, कृष्णा यादव, पप्पू पासवान, गुड्डू पासवान, सबिता देवी, कमलेश पासवान, रघुनाथ राम, दिलीप उरांव गोपाल पासवान , राज कुमार उराओं ,नंद किशोर राम आदि प्रमुख थे ।

दुर्गा पूजा महोत्सव को सफल बनाने हेतु कमेटी की हुई बैठक

प्रतिनिधि विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर नगर परिषद अंतर्गत रेहला खुर्द के देवीधाम परिसर स्थित मां अष्टभुजी मन्दिर प्रांगण में दुर्गा पूजा महोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर पूजा कमिटी की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता पूजा कमिटी के अध्यक्ष शशि शेखर मुन्ना व संचालन सचिव टुनटुन दीक्षित ने किया। बैठक में इस बार पूजा महोत्सव को और आकर्षक तथा दर्शनीय बनाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा नवरात्रि पाठ,भजन कीर्तन,सांस्कृतिक कार्यक्रम,भंडारा सहित कई विशेष धार्मिक अनुष्ठान कराने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में उपाध्यक्ष बबन पाठक,कोषाध्यक्ष कृष्णा गिरी,मुख्य संरक्षक रामचंद्र दीक्षित, एस एन एस्ले,रामप्रवेश दीक्षित,रामचंद्रा साव,बनारसी दीक्षित,मुंशी प्रसाद गुप्ता,प्रमोद दीक्षित,दीपक दीक्षित,उमेश चौधरी,अनुज दीक्षित,रितेश दीक्षित,सत्य नारायण तिवारी,आलोक पाठक,श्याम चंद्रवंशी,पारस पति पाल,अशोक तिवारी,प्रियव्रत सिंह,चंदन गिरी,कौशल दीक्षित,गया दीक्षित सहित पूजा कमिटी के सभी पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

कटकमसांडी के बीजेपी कार्यकर्ताओं से सांसद सेवा कार्यालय में किया संवाद

हजारीबाग।हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने सांसद सेवा कार्यालय परिसर में कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं संग पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात और आगामी 02 अक्टूबर को पीएम नरेंद्र मोदी के हजारीबाग आगमन को लेकर विशेष बैठक की। सांसद मनीष जायसवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा की हजारीबाग शहर में कार्यक्रम है तो हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के बीजेपी कार्यकर्ताओं को लीड लेना होगा। उनकी जनसभा में सर्वाधिक भीड़ कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र से सुनिश्चित हो इस बात पर फोकस करके बूथ स्तर पर एक- एक बीजेपी कार्यकर्ता को लगना होगा।

संसद की प्राक्कलन समिति के बाद अब उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण समिति के सदस्य बनें सांसद मनीष जायसवाल

हज़ारीबाग।भारतीय संसद की उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण समिति (2024-25) के लिए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल को सदस्य के रूप में नामित किया गया। इससे पहले उन्हें भारतीय संसद की प्राक्कलन समिति (2024- 25) के लिए सदस्य के रूप में नामित किया जा चुका है। संसद की दूसरी किसी समिति में सदस्य के रूप में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल को नामित किए जाने पर उन्होंने कहा की मुझे लोकसभा की दो महत्वपूर्ण समिति में बतौर सदस्य नामित किया गया इसके लिए अत्यंत गर्व और खुशी की अनुभूति हो रही है। सांसद मनीष जायसवाल ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आभार जताया और धन्यवाद दिया ।इधर सांसद मनीष जायसवाल को सांसद की प्राक्कलन समिति (2024- 25) के लिए सदस्य के रूप में नामित किए जाने पर समस्त हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता, एनडीए कार्यकर्त्ता और उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। पूरे लोकसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग अपने सांसद मनीष जायसवाल को विभिन्न माध्यमों से बधाई और शुभकामनाएं दे रहें हैं ।

नेशनल लोक अदालत में 189248 केस का हुआ निष्पादन

जमशेदपुर । सिविल कोर्ट जमशेदपुर में शनिवार को आय़ोजित नेशनल लोक अदालत में रिकार्ड कुल 189248 मामलों का निष्पादन किया गया. इस दौरान 35 करोड़ 91 लाख 12 हजार 312 रूपये की राजस्व की प्राप्ति हुई. मामलों के निष्पादन के लिए न्यायिक पदाधिकारियों की 13 बेंच का गठन किया गया था. नेशनल लोक अदालत में वाहन दुर्घटना बीमा क्लेम से जुड़े एक मामले में एसबीआई जेनरल इंश्यूरेंस कंपनी की ओर से पीड़ित पक्ष को 60 लाख रुपया मुहैया कराया गया. इससे जुड़ा चेक न्यायिक पदाधिकारी ने उन्हें सौंपा. इससे पहले सुबह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा, कुटुम्ब न्यायालय के न्यायाधीश अजीत कुमार सिंह ने लोक अदालत का उद्घाटन किया. उन्होंने उपस्थित पक्षकारों को लोक अदालत को त्वरित न्याय का माध्यम बताते हुए इसका लाभ लेने की अपील की. इस दौरान उन्होंने एक-एक बेंच का विजिट किया. मौके पर एडीजे-1 विमलेश कुमार सहाय, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, डालसा के सचिव राजेन्द्र प्रसाद आदि मौजूद थे.

मोटरसाइकिल की चपेट में आने से अधेड़ 55 बर्षीय की मौत

तमाड़ - थाना क्षेत्र अन्तर्गत रांची टाटा मार्ग पर जोजोडीह के समीप मोटरसाइकिल की चपेट में आने से एक अधेड़ 55 बर्षीय चामु कुम्हार की मौत हो गई। और मोटरसाइकिल चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना देर शाम 6 बजे की है। घटना के सम्बन्ध में बताया जाता है कि सुंदरडीह निवासी राकेश कुमार महतो (30) वर्ष अपने ससुराल मारधान गुटीबारू जा रहे था। तभी जोजोडीह मोड़ के समीप सड़क पार कर रहे एक अधेड़ व्यक्ति चामु कुम्हार को जोरदार टक्कर मार दी। मृतक अड़की थाना क्षेत्र के कुजीयाम्बा निवासी अपने बेटी के ससुराल विरगांव जा रहे थे। तभी सड़क पार करने के दौरान मोटरसाइकिल के चपेट में आ गया।मृतक के शव को तमाड़ पुलिस ने कब्जे में लिया और रविवार को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा जाएगा। वही मोटर साइकिल चालक घायल राकेश महतो का इलाज तमाड़ अस्पताल में करने के बाद रिम्स भेजा गया।

वादो के निस्तारण में मध्यस्थों व अधिवक्ताओं की भूमिका अहम : दिवाकर पांडे

रांची : माननीय झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यपालक अध्यक्ष माननीय न्यायामूर्ति श्री सुजित नारायण के निर्देश पर व्यवहार न्यायालय, रांची में आज दिनांक 28.09.2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत का उदघाटन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उदघाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय न्यायायुक्त श्री दिवाकर पांडे एवं अन्य अतिथियों में प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, एस. एस. फातमी, सीटी एसपी, राजकुमार मेहता, अध्यक्ष, रांची जिला बार एसोसिएशन रांची, श्री शम्भू प्रसाद अग्रवाल, महासचिव, रांची जिला बार एसोसिएशन, रांची, श्री संजय कुमार विद्रोही, स्टैट बैंक ऑफ इंडिया के डिपूटी जेनरल मैनेजर एवं रांची जोनल मैनेजर श्री देवेश मित्तल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में सभी न्यायिक पदाधिकारी, मध्यस्थ, पैनल अधिवक्ता, पीएलवी एवं अन्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे। मंचासीन सभी गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा के द्वारा दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया। स्वागत भाषण एवं मंच का संचालन डालसा सचिव श्री कमलेश बेहरा ने किया।

दीप प्रज्वलन के बाद माननीय न्यायायुक्त महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि वादों के निस्तारण में मध्यस्थों व अधिवक्ताओं की भूमिका अहम होती है। उन्होंने मध्यस्थों व अधिवक्ताओं को सामंजस्य स्थापित कर अधिक से अधिक वादों के निस्तारण पर जोर दिये।

इस अवसर पर माननीय न्यायायुक्त के हाथों झारखण्ड विक्टिम कंपेशेसन स्कीम के तहत लोस ऑफ लाईफ से संबंधित वादों में रिमन काशी को 5 लाख रूपये का चेक मुआवजा के तौर पर दिया गया, उनके बेटे की हत्या हुई थी। वहीं श्री शंभू प्रसाद अग्रवाल और श्री संजय कुमार विद्रोही के हाथों झारखण्ड विक्टिम कंपेशेसन स्कीम के तहत मुन्नी देवी को 5 लाख रूपये का चेक का वितरण किया गया, मुन्नी देवी की बेटी की हत्या हुई थी। इसके अतिरिक्त श्रीमति संजीता श्रीवास्तव, एडीशनल प्रिंसिपल जज-1, श्री अमित शेखर, एजेसी-15 एवं राजेश कुमार सिंह, एडिशनल प्रिंसिपल जज-2 के हाथों झारखण्ड विक्टिम कंपेंशेसन स्कीम के तहत पीड़ितों को पांच-पांच लाख रूपये का चेक का वितरण भी किया गया।

ज्ञात हो कि माननीय न्यायायुक्त, श्री दिवाकर पांडे के हाथों मोटर वाहन दुर्घटना वाद संख्या 200/2022 में पीड़िता/आश्रित को 1,34,99,738/- (एक करोड़ चौतीस लाख निनाबे हजार सात सौ अड़तीस) रूपये का चेक का वितरण किया गया। एक अन्य मोटर वाहन दुर्घटना वाद संख्या 124/2021 में श्रीमती फोगनी देवी को 13,07,997/- (तेरह लाख सात हजार नौ सौ संतानबे) रूपये का चेक का वितरण माननीय न्यायायुक्त श्री दिवाकर पांडे के द्वारा किया गया

पीएम मोदी के हजारीबाग आगमन को लेकर सांसद मनीष खूब लगा रहें हैं जोर, कई बैठकों में हुए शामिल

संवाददाता सहबाज़ खान

हज़ारीबाग।आगामी 02 अक्तूबर 2024 को हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हजारीबाग आगमन की तैयारी को लेकर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल खूब जोर लगा रहें हैं। शनिवार को सांसद मनीष जायसवाल सुबह से लेकर देर शाम तक क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल हुए। उन्होंने सुबह सबसे पहले हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के कटकमदाग प्रखंड स्थित बानादाग पहाड़ी परिसर अवस्थित सांस्कृतिक भवन में भाजपा द्वारा कटकमदाग प्रखंड के बूथस्तरीय बैठक में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। जिसके बाद बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जुगरा निवास परिसर में आयोजित बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधानसभा स्तरीय भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में बतौर में अतिथि शामिल हुए और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। तत्पश्चात हजारीबाग शहर के फॉरेस्ट कॉलोनी स्थित द फ्लोरेस्टा होटल एंड बैंक्वेट सभागार परिसर में भाजपा के प्रमुख नेताओं के बैठक में शामिल हुए और पीएम मोदी के हजारीबाग यात्रा को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए कई रणनीति बनाई ।

राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष श्यामदास सिंह यादव ने क्षेत्र भ्रमण के बाद विश्रामपुर में किया प्रेसवार्ता, विस क्षेत्र पर ठोका दावा

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष ई• श्यामदास सिंह यादव ने आज विश्रामपुर नगर परिषद क्षेत्र के कई गांवों का भ्रमण किया। क्षेत्र भ्रमण के बाद उन्होंने विश्रामपुर नप मुख्यालय में प्रेसवार्ता का आयोजन भी किया। पत्रकारों से बात करते हुये उन्होंने कहा कि विस चुनाव को लेकर राजद का पलामू प्रमंडलीय एक बैठक है जिसमे कई दिग्गज नेता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन के तहत विश्रामपुर मझिआंव विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस को मिलता रहा,लेकिन कांग्रेस लगातार हार रही है। इसलिए इस बार गठबंधन में राजद यहां से विस चुनाव लेडेगी और जीतेगी भी।

कांग्रेस पार्टी को इस सीट से दावा छोड़कर राजद का मदद करना चाहिए ताकि प्रदेश में अगली सरकार भी इंडिया गठबंधन की बन सके। सरकार बनाने के लिए एक-एक सीट महत्वपूर्ण है। श्री यादव ने कहा कि राजद सुप्रीमो ने सामाजिक न्याय की जो लड़ाई शुरू की थी,उसे तेजस्वी यादव आगे लेकर बढ़ रहे हैं। राजद ने हमेशा दबे कुचले और गरीब गुरबों की आवाज को बुलंद किया है। श्री यादव ने कहा कि विश्रामपुर मे विकास ठहर सा गया है। क्षेत्र के विकास हेतु राजनीतिक परिवर्तन की जरूरत है,जो इस बार होकर रहेगा। इसके लिए राजद कार्यक्रता गठबंधन दलों के नेताओं कार्यक्रताओं से सामंजस्य स्थापित करते हुए चुनावी तैयारी में जुट जाये। मौके पर राजद के जिला महासचिव रमेश चौबे,नगर अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी,नगर उपाध्यक्ष नरेश यादव,विकास यादव,जैनुल अंसारी,इदरीस अंसारी,नागेंद्र यादव,अर्जुन यादव,जगरनाथ यादव, रऊफ अंसारी,गुरुचरण चौधरी,सरयू चौहान,रामस्वरूप यादव सहित कई राजद नेता कार्यक्रता मौजूद थे।

जिला कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती

हजारीबाग। हज़ारीबाग जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 117 वीं जयंती उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि क्रान्तिकारियों के परिवार में जन्म पानेवाले भगत सिंह के हृदय में बचपन से ही अंग्रेजों के अत्याचारों के प्रति घृणा थी । हिन्दुस्तान समाजवादी प्रजातंत्र संघ की स्थापना कर सशस्त्र विद्रोह द्वारा देश को स्वतंत्र करने की शपथ ली गई और फिर वह प्रसिद्ध असेम्बली बम काण्ड हुआ, जिसमें उन्होंने स्वयं होकर गिरफ्तारी दी । क्रांतिकारी की गुंज घर-घर में उठी और परिणाम वही हुआ, जिसकी अपेक्षा थी । भारत का यह वीर सपूत अपने अल्प आयु में अपने दो अन्य साथियों सुखदेव एंव राजगुरू के साथ हंसते हुए फांसी पर झूल गया।मौके पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, लाल बिहारी सिंह, मिथिलेश दुबे, अजय गुप्ता, गोविंद राम, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, सलीम रजा, कजरू साव, नरेश गुप्ता, दिलीप कुमार रवि, जावेद इकबाल, सदरूल होदा, अनिल भुईंयां, बाबर अंसारी, अर्जुन सिंह, देवधारी प्रसाद मेहता, कौशल कुमार सिंह, राम कुमार पटेल, अमृतेष रंजन, अमर सिंह यादव, कृष्णा किशोर प्रसाद, निसार अहमद भोला आदि उपस्थित थे ।

अंजू अभिमन्यु टीम के केंद्रीय नेता ने विस क्षेत्र के कई गांवों का किया दौरा,लोगों की सुनी समस्या

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : अंजू अभिमन्यु टीम के केंद्रीय नेता सह नप अध्यक्ष प्रतिनिधि नईमुद्दीन अंसारी ने आज विश्रामपुर विस क्षेत्र के कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और समाधान हेतु सार्थक प्रयास करने का वादा किया। शेखडीहा गांव में अजय पासवान की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम चौपाल में भी अंजू अभिमन्यु टीम के लोगों ने भाग लिया। नईमुद्दीन अंसारी ने कहा कि विश्रामपुर विस क्षेत्र का अपेक्षित विकास नहीं हुआ है। जिसका मूल कारण राजनीतिक नेतृत्व करने वालों की इच्छाशक्ति का कमजोर रहना है। अब तक के जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र के विकास के बजाए सिर्फ अपना विकास किया। क्षेत्र के पूर्ण विकास हेतु नेतृत्व परिवर्तन की जरूरत है। क्षेत्र में बदलाव की हवा भी चल चुकी है। बदलाव के हवा का रुख समाजसेवी सह राजनेता अभिमन्यु सिंह की ओर ही है। श्री अंसारी ने लोगों से अंजू अभिमन्यु टीम से जुड़कर राजनीतिक परिवर्तन का हिस्सा बनने का आग्रह किया। मौके पर उस्मान अंसारी,पार्षद सलीमुदिन अंसारी,जितेंद्र बहेलिया,इजराइल अंसारी,विनोद साव,ललन चंद्रवंशी,याकूब अंसारी,लाडले हसन,चंदन कुमार,जितेंद्र विश्वकर्मा,विजय रजवार,योगेंद्र रविदास,अमर रजवार,लालबाबू सहित कई लोग मौजूद थे।

विधायक चंद्रवंशी ने हर क्षेत्र में विश्रामपुर का अपेक्षित विकास किया है : ललन प्रसाद पांडेय

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : खैरा विकास मंच के संस्थापक अध्यक्ष सह भाजपा नेता ललन प्रसाद पांडेय ने कहा कि पूर्व मंत्री सह विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने अपने कार्यकाल के दौरान हर क्षेत्र में विश्रामपुर का अपेक्षित विकास किया है। विस क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया व सभी नदी नालों पर पुल पुलिया का निर्माण करवाया। जिससे आज क्षेत्र में यातायात सुगम व सरल हो गया है। श्री पांडेय आज विश्रामपुर मे पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधायक

रामचंद्र चंद्रवंशी को ऐसे ही विकास पुरुष नहीं कहा जाता। उनके अथक प्रयास का ही नतीजा है कि विश्रामपुर शिक्षा का हब बन गया। विकास को गति देने हेतु विस क्षेत्र में पांच प्रखंडों का सृजन कराया। इसके अलावा दो नगर निकाय भी सृजित कराया। श्री पांडेय ने कहा कि आमलोगों को विकास दिखाई पड़ रहा है,इसलिए जनता का समर्थन आज भी विधायक चंद्रवंशी के साथ है।

झारखण्ड सरकार

कार्यपालक अभियंता सह राजमार्ग पदाधिकारी का कार्यालय

पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल,कोडरमा

06534-2227076 Email Id-eercdkoderma-jhr@nic.in

शुद्धि पत्र

PR.No.336941 Road(24-25)#D से अतिअल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना Tender Ref No-RCD/KODERMA/1007/2024 दिनांक–24.09.2024 द्वारा आमंत्रित निविदा के क्रमांक–5 में कार्य पूर्ण करने की अवधि को 2 माह के स्थान पर 45 दिन पढ़ा जाय।

शेष निविदा की शर्तें यथावत् रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता

प०नि०वि०पथ प्रमण्डलकोडरमा

PR 337487 (Road)24-25*D

झारखण्ड सरकार

अधीक्षक, मंडल कारा, सिमडेगा, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग

ई0–निविदा सूचना, (अति अल्पकालीन निविदा)

1.	कारा का नाम	मंडल कारा, सिमडेगा।
2.	विषय	कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादी की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार के खाद्यान्नों, हरी सब्जियों, आलू, फल, मांस, सरसों का तेल, चीनी एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त ई0निविदा का आमत्रण। (1) चतुर्थ त्रैमासिक निविदा दिनांक 01.10.2024 से 31.12.2024 तक (2) वार्षिक निविदा दिनांक 01.04.2024 से 31.03.2025 तक
3.	निविदा प्रपत्र मूल्य (Non refundable) online स्वीकार की जायेगी।	₹ 5000.00(पाँच हजार) मात्र(त्रैमासिक एवं वार्षिक अवधि हेतु अलग– अलग)
4.	Website पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय	तिथि–30.09.2024 को 10.00 बजे पूर्वाहन से 14.10.2024 के अपराह्न 04.00 बजे तक।
5.	निविदा Online upload करने की तिथि	तिथि–30.09.2024 को 10.00 बजे पूर्वाहन से 14.10.2024 के अपराह्न 04.00 बजे तक।
6.	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि	तिथि–15.10.2024 को 10.00 बजे पूर्वाहन से अपराह्न 04.00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7.	अग्रधन राशि (EMD) (₹ 2500/- से अधीक होने पर) जमा करने की तिथि	तिथि–15.10.2024 को 10.00 बजे पूर्वाहन से अपराह्न 04.00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8.	निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान	तिथि– 16.10.2024 को मध्याहन 12.00 बजे मंडल कारा, सिमडेगा के कार्यालय कक्ष में अपर समाहर्ता, सिमडेगा की उपस्थिति में।

नोट:–

1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त /स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, मंडल कारा, सिमडेगा के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Hepline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

–ह0–

अधीक्षक,

मंडल कारा, सिमडेगा

PR 337463 Simdega(24-25)#D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,

भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, कोडरमा

पत्रांक ..../ दिनांक .... /

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 21/2024–25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमंडल, कोडरमा ।
2. परिमाण विपत्र की ब्रिकी की तिथि एवं समय :– 04.10.2024 को 1.00 बजे अपराहन् तक ।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 05.10.2024 को 3.00 बजे अपराहन तक ।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 05.10.2024 को 3.30 बजे अपराहन ।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– क. कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल, कोडरमा का कार्यालय। ख. अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल,हजारीबाग का कार्यालय ।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– क. कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल, कोडरमा का कार्यालय।
7. कार्य की विवरणी :–

Group No.	Name of Work	Estimate Cost	Cost of BOQ	Earnest Money	Time of Completion
1	Renovation of A.C. Office with electrical work and aluminium partition work at Collectorate Builiding Block A Koderma Dist.	8,23,343.00	1250.00	16500.00	2 Month
2	Repair and Tahshil kuchahri Bendi Halka No.10 in Chandwara Block at Koderma Dist.	3,63,223.00	750.00	7300.00	2 Month
3	Renovation of Tahshil Kuchahari Bandachak Halka No.2 in Chandwara Block at Koderma Dist.	6,82,842.00	1250.00	13700.00	2 Month
4	Emergent Repair Work to A.C. Chamber in Collectorate Building Block A at Koderma Dist.	2,48,829.00	500.00	5000.00	1 Month
5	Repair work to C.O. Chamber and Office in Koderma block cum Circle Office at Koderma.	6,90,953.00	1250.00	13900.00	2 Month
6	Renovation of Tahshil kutchahari Majhgawa halka No.3 in chandwara Block at Koderma Dist.	7,50,746.00	1250.00	15100.00	2 Month
7	Renovation of Tahshil kutchahari Chandwara Halka No.9 in Chandwara Block at Koderma.	7,14,824.00	1250.00	14300.00	2 Month

निविदा की शर्तें को www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है ।

कार्यपालक अभियन्ता,

भवन प्रमण्डल, कोडरमा

PR 337479 Building(24-25).D

लोक अदालतों में 14.16 लाख से अधिक मामले निपटाये गये, 13.82 अरब रुपए से ज्यादा का सेटलमेंट

रांची : झालसा के दिशा-निर्देश पर हाईकोर्ट समेत जिला अदालतों में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत लगाई गयी. इसका उद्घाटन हाईकोर्ट के न्यायाधीश सह झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने किया. राष्ट्रीय लोक अदालत में झारखंड में कुल 14,16,114 मामलों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया. वहीं 13,82,76,78,746 रुपए का सेटलमेंट किया गया. हाईकोर्ट से लेकर अनुमंडल न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत लगायी गयी थी. लोक अदालत में अलग अलग कोर्ट में लंबित 1,11,405 मामले और प्री-लिटिगेशन के 13,04,709 मामलों का निष्पादन किया गया. हाईकोर्ट में आयोजित लोक अदालत में कोर्ट में लंबित 26 एवं प्री-लिटिगेशन के 10 मामले कुल 36 मामलों का निष्पादन किया गया.

राजधानी में रविवार को कई फीडरों से बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी

रांची : हटिया ग्रिड के मरम्मत कार्य के कारण रविवार को राजधानी के कई फीडरों से बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी. संचरण निगम के वरीय प्रबंधक राहुल कुमार ने बताया कि 29 सितंबर को 132/33 केवी ग्रिड-स्टेशन हटिया वन की मरम्मत की जायेगी. इस कारण 29 सितंबर (रविवार) को सुबह 11-15 बजे से अपराह्न तीन बजकर 30 मिनट तक धुर्वा, रातू, बेड़ो, अरगोड़ा, आरएंडडी सेल और हाईकोर्ट फीडर से बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी.

सीसीएल में कोल इंडिया कंडक्ट रूल्स पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन

रांची : सतर्कता जागरुकता अभियान 2024 के अंतर्गत सतर्कता विभाग के सहयोग से सीसीएल के मानव संसाधन विकास विभाग में कोल इंडिया कंडक्ट रूल्स पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया. इसमें सीसीएल के सतर्कता विभाग, मानव संसाधन विकास विभाग के अधिकारियों सहित मुख्यालय एवं क्षेत्रों के छत्तीस अधिकारियों ने भाग लिया.इस अवसर पर सीसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार, पूर्व निदेशक (कार्मिक) महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड एल. एन. मिश्रा एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में महाप्रबंधक मानव संसाधन विभाग रमाकांत पांडे ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कोल इंडिया कंडक्ट रूल्स के महत्व एवं अनुपालन पर प्रकाश डाला. सीवीओ पंकज कुमार ने प्रतिभागियों को कोल इंडिया कंडक्ट रूल्स का अध्ययन, अक्षरशः अनुपालन करने और दूसरों को भी इसके अनुपालन के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया. एलएन मिश्रा ने अपने व्याख्यान में कोल इंडिया कंडक्ट रूल्स के सभी प्रावधानों, उनके बारीकियों एवं उनके अनुपालन नहीं होने के परिणाम से प्रतिभागियों को अवगत कराया.

14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरूष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024: पांडिचेरी की टीम को झारखण्ड ने किया परास्त

रांचीः 23 सितम्बर से 03 अक्टूबर तक चंडीगढ़ में आयोजित 14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरूष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 में झारखंड ने लगातार तीसरी जीत हासिल की है और क्वाटर फाइनल मैच के लिए आपनी जगह बनाई है. शनिवार को पुदुचेरी के साथ हुए मैच में हॉकी झारखंड ने 13-00 गोल से इस मैच को जीता. मैच में झारखंड के लिए सबियन किरो (4 गोल, 1ले, 20वें, 46वें एवं 50वें मिनट में) तिन्तुस हेमरोम (4 गोल, 4थे, 11वें, 38वें एवं 58वें मिनट में), गंगा टोपनो (1 गोल, 7वें मिनट में), निकोलस टोप्पो (1 गोल, 18वें मिनट में), आशीष तानी पूर्ती (2 गोल, 36वें, एवं 60वें मिनट में), सुजीत केरकेट्टा (1 गोल, 50वें मिनट में) ने गोल दागे. मैच में हॉकी झारखंड के सबियन किरो को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला. झारखण्ड का क्वार्टर फाइनल मैच उत्तर प्रदेश के साथ 30 सितम्बर को खेला जाएगा.

आइएएस छवि रंजन की पत्नी ने बयान जारी कर कहा, मेरे पति निर्दोष हैं, आरोपों का किया खंडन

रांची : झारखंड कैडर के आइएएस अधिकारी छवि रंजन की पत्नी शीतल झा ने अपना पक्ष रखा है. उन्होंने प्रेस रिलीज जारी कर छवि रंजन पर लगाये जा रहे आरोपों का खंडन किया है. कहा है कि सुप्रीम कोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने का यह मतलब नहीं है कि वे अपराधी हैं. मेरे पति निर्दोष हैं. उन पर लगे सारे आरोप बेबुनियाद हैं. इस समय मेरा परिवार कठिन समय का सामना कर रहा है. हमने हमेशा कानून का सम्मान किया है. हम उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका जल्द ही इस मामले में उचित समाधान निकालेगी. शीतल झा ने कहा कि मेरे पति 15 महीनों से जेल में बंद हैं. ईडी को किसी भी पैसे के लेन-देन या भ्रष्टाचार के सबूत नहीं मिले हैं. न ही ईडी की ओर से इस तरह के आरोपों की पुष्टि मीडिया में की गयी है. जब किसी का कोई अपना मुश्किल में होता है और उसके साथ नहीं होता, तो केवल वही व्यक्ति समझ सकता है कि उस पर और उसके परिवार पर क्या बीत रही है. ऐसे में परिवार को टारगेट करना उचित है. यदि किसी के पास कोई ठोस सबूत है, तो उसे खुलकर सामने आना चाहिए, लेकिन बिना प्रमाण के इस तरह की अफवाहें फैलाना न केवल अनैतिक है बल्कि न्याय व्यवस्था का अपमान भी है. मुझे पूरी उम्मीद है कि ईश्वर और न्यायालय के न्यायाधीश मेरे पति के साथ न्याय करेंगे, और जल्द ही उन्हें जेल से रिहा किया जाएगा. न्यायालय में हमारा विश्वास अडिग है, और हम पूरी तरह से आशान्वित हैं कि सच्चाई की जीत होगी. हमारी लड़ाई न्याय के लिए है, और हम पूरी तरह से विश्वास रखते हैं कि सच्चाई जल्द ही सामने आएगी.

युवा सदन 4.0 में मानव तस्करी विधेयक बिल पेश

रांची : रांची के धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी ऑफिस के सभागार में आयोजित झारखंड युवा सदन 4.0 के दूसरे दिन शनिवार को राज्य के 81 विधानसभा से आये 130 युवाओं ने सदन में अपना परिचय दिया. सत्र की शुरुआत में स्पीकर (सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के अधिवक्ता ऋषिनंद विक्रम सिंह) ने आधे आधे घंटे तक पक्ष व विपक्ष के विभिन्न युवाओं को अपने-अपने क्षेत्र की जन समस्याओं को सदन में रखने का मौका दिया. प्रश्नकाल में विधायकों ने मंत्रियों से राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर सवाल किया. जीरो आवर में राज्य के अतिआवश्यक सार्वजनिक महत्व के मुद्दे पर परिचर्चा हुई. इसके बाद गृह मंत्री ने झारखंड में मानव तस्करी के रोकथाम के लिए सदन में मानव तस्करी विधेयक बिल पेश किया. युवा सदन के अध्यक्ष आकाश पाण्डेय ने बताया कि हमारे राज्य में मानव तस्करी एक ज्वलंत मुद्दा है, जिसपर लोग चर्चा नहीं करते. राज्यवासियों को इस विषय में सचेत और सजग बनाने के उपदेश्य से मानव तस्करी विधेयक बिल को युवा सदन 4.0 मे पेश किया गया है. युवा सदन के निदेशक कृष्णानु आनंद ने बताया कि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पिछले कई वर्षो से राज्य में मानव तस्करी का जंजाल फैला हुआ है. राज्य की अशिक्षित गरीब लोगों को बहला फुसला कर बड़े शहरों में कहीं बंधुआ मजदूर तो कहीं नौकर बनाकर बेच दिया जाता है. मानव तस्करी के इस नेटवर्क में भोले-भाले गरीब लोगों को कई बुरे कामों मे भी झोंक दिया जाता है. नेता प्रतिपक्ष ने मानव तस्करी विधेयक बिल का विरोध किया. स्पीकर के आदेश से दोनों पक्षों ने इस बिल पर विस्तारित परिचर्चा की. कार्यक्रम के तीसरे दिन रविवार को सदन मे बिल पास करने की प्रक्रिया को अंजाम दिया जायेगा. युवा सदन के मीडिया प्रभारी कौशिक ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से राज्य के युवाओं का मनोबल बढ़ता है.

गोलमेज विचार विमर्श सभा में सर्वसम्मति से निर्णय, 30 सितंबर को मुख्य मंत्री आवास के समक्ष धरना-प्रदर्शन सह मांग पत्र सीएम को सौंपा जाएगा

रांची- झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के तत्वाव्धान में झारखंड आंदोलनकारियों का न्यायोचित मांग के विषय में गोल मेज विचार विमर्श सभा अल्बर्ट एक्का चौक,मैन रोड,रांची स्तिथ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के हॉल में संपन्न हुआ। इस सभा का अध्यक्षता कोल्हान से आए हुए जेपी एवम झारखंड आंदोलनकारी व बुद्धिजीवी मुस्ताक अहमद ने की। सर्वप्रथम संघर्ष मोर्चा के प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने विषय प्रवेश किया। उन्होंने उल्लेख किया कि झारखंड अलग राज्य के लिए कई दशकों से संघर्ष करते हुए हजारों झारखंड आंदोलनकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दी हैं। अपने शरीर का अंग प्रत्यंग खोया, जेल गए, कुड़की जब्ती का शिकार हुए ,एकेडमिक केरियर को त्याग करते हुए सर्टिफिकेट जलाया हैं। सांस्कृतिक एवम बौद्धिक रूप से योगदान दिये हैं। पत्रकारिता करते हुए पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से आंदोलन के समाचार,आलेख,फोटो संकलन व छायाकन कर योगदान दिया। झारखंडी समाज को प्रतिनिधित्व करने वाले सभी छोटे -बड़े राजनीतिक संगठन के अलावा झारखंड समन्वय समिति के बैनर तले झारखंड आंदोलनकारी संगठन सह आंदोलन को न्यायोचित ठहराया। जनवादी संगठन एवम व्यक्ति भी कमोवेश आंदोलन में शरीक हुए एवम यथाशक्ति योगदान दिए। झारखंड बनने के उपरांत 24 वर्ष के अंतराल में झारखंड आंदोलनकारियों के हित में सरकारी सामाजिक सुरक्षा मिले। प्रदेश के सभी आंदोलनकारियों को राजकीय मान सम्मान अलग झारखंडी पहचान बेटा बेटियों को सौ प्रतिशत रोजी रोजगार नियोजन के अधिकार की गारंटी, जेल जाने की बाध्यता समाप्त करते हुए राज्य गठन की तिथि से सभी आंदोलनकारी को सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रु. देकर सरकार उनके अस्तित्व एवं अस्मिता की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि हम इस बात से वाकिफ है की जिन्होने शहादत दिया या अपाहिज हुए या अपना सब कुछ निछावर किए उनके परिवारों की मुआवजा सम्मान जनक रूप से नहीं हुआ है उनके परिजनों को मिलना चाहिए । इसके अलावा सभी प्रतिष्ठित आंदोलनकारी पुरोधाओं के मूर्ति , शिलालेख एवम स्मारक विधानसभा एवम जिले के मुख्यालयों में लगाई जाए। राज्य के अधिकारी पदाधिकारी नहीं चाहते हैं कि आंदोलनकारियों को राजकीय मान सम्मान मिले। वर्तमान में जिन्हे सम्मान पेंशन मिल रहा है उसमे बढ़ोतरी हो, एरियर सहित बकाए का भुगतान हो,सभी झारखंड आंदोलनकारियों को निजी एवम सरकारी परिवहन में मुफ्त यातायात की सुविधा, बाल -बच्चों को 10 प्रतिशत आरक्षण,20 लाख का समूह जीवन एवम स्वास्थ्य बीमा के लिए बने। आयोग द्वारा जीवित व मृत आंदोलनकारियों का एक पोर्टल बने। आज गोलमेज विचार विमर्श सभा में आंदोलनकारियों ने झारखंडी एकता, सांझी सांस्कृतिक विरासत एवं अखंडता को खंडित करने संसदीय मर्यादाओं का पालन नहीं करने वाले मंत्रियों एवं सांसदों, विधायकों पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग सरकार से किये। वक्ताओं ने लोकतांत्रिक तरीके से चुने हुए एक आदिवासी मुख्यमंत्री को केंद्र सरकार के इशारे में ईडी/सीबीआई के द्वारा झूठे मुकद्दमा में जेल भेजा गया जिसका सभी ने तीव्र निंदा किए।कैलाशपति मिश्र का मूर्ति हटाने की मांग की गई। केंद्र सरकार अविलंब सारना कोड या आदी धर्म कोड लागू करने की मांग की गई। गया,आदिवासी- सदानों का लूटी गई जमीन को दखल दिहानी देने, अविलंब लेंड बैंक रद्द करने, आसाम के सीएम के हेट स्पीच पर पाबंदी लगाने ,झारखंड में कैसे घुसपैठ हुआ है केंद्र सरकार को जवाब दे। आसाम में रहने वाले झारखंडी आदिवासियों को जनजाति सूची में शामिल करने की मांग की गई। झारखंडी जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा को अन्य आठवीं सूची के भाषा के लिए संथाली भाषा समेत अकादमी गठन करना चाहिए। मौके मौके पर दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल अध्यक्ष रोजलीन तिर्की ने कहा कि झारखंड आंदोलन का मुख्य उद्देश्य रहा कि एक ऐसा झारखंड राज्य होगा जो शोषण विहीन सेकुलर राज्य का मूल सिद्धांत पर हमारी जन व्यवस्था करना। इस मौके पर जितेंद्र सिंह कुशवाहा, सरोजिनी कच्छप, रोजलीन तिर्की,गौतम कुमार बोस,सीताराम उरांव,रवि नंदी, सुबोध कुमार लकड़ा, सुदामा खलखो,रंजन बाडा, इजहार राही,विजय उरांव,अजय कुमार सिंह,संजय महतो,दिनेश महतो,नागेंद्र चौधरी,कुलदीप ठाकुर,हीरा नाथ साहू, प्रो मनोज कुमार, आर के झा,नरेश कुमार साहू,गणेश रवि आदि कई लोग उपस्थित थें ।

मंत्री बन्ना गुप्ता ने आश्वासन को पूरा कर राज्य के जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के चेहरे पर मुस्कान ला दिया : राजेश गुप्ता

रांचीःखाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता जी ने आश्वासन को पूरा कर राज्य के जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के चेहरे पर मुस्कान ला दिया है अब उनके कमीशन में 50% का बढ़ोतरी और लाइसेंस धारी के मृत्यु के बाद दर-दर की ठोकरें खा रहे 700 परिवारों को अनुकंपा पर रोजगार प्राप्त हो जाएगा।

उपरोक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा और जन वितरण प्रणाली विक्रेता संघ ने खाद्य आपूर्ति मंत्री माननीय बन्ना गुप्ता से जन वितरण प्रणाली विक्रेता के मृत्यु के पश्चात अनुकंपा पर दुकान आवंटित करने की आयु सीमा समाप्त करने सहित कमीशन में बढ़ोतरी की मांग की थी।जिसे खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता जी के पहल पर कल कैबिनेट ने इस पर मुहर लगा दी। कैबिनेट में झारखंड लक्षित जन वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2024 को मंजूर कर लिया है। जिसके लिए राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा मंत्री बन्ना गुप्ता जी और हेमंत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता है। ज्ञात हो कि स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के खाद्य आपूर्ति मंत्री बनने पर 13 जुलाई 2024 को राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल मिलकर इसके लिए पहल किया था। साथ में जन वितरण प्रणाली विक्रेता संघ के वरीय उपाध्यक्ष सुरेश प्रसाद एवं संजय कुंडू भी शामिल थे। मंत्री जी ने इसे पूरा करने के लिए आश्वासन दिया था।लगभग 700 सौ परिवार अभी बेरोजगारी झेल रहे थे और वह सड़कों पर आ गए थे। जिन्हें सरकार ने सुधी ली अब उम्र सीमा की बाध्यता समाप्त हो जाने से लगभग 700 परिवारों का इसका सीधा लाभ होगा उन्हें रोजगार मिल जाएगा। और प्रति बोरी कमीशन में 50% की बढ़ोतरी भी हो गई। इसके लिए राष्ट्रीय ओबीसी अधिकारी कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष लाल बिहारी यादव, ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष प्रोफेसर प्रेमनंदन मंडल, विद्याधर प्रसाद, एस एन सिंह, अजय मेहता, सुरेश ठाकुर, राम लखन यादव, रामावतार कश्यप, राम लखन साहू, दीनानाथ प्रसाद, संजय मेहता, केदार राणा, वसीम अकरम, अवध प्रसाद, प्रमोद कुमार, सुग्रीव यादव, जयराम ठाकुर, शुभम विश्वकर्मा, मोहम्मद जुनेद, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका कुमारी, छात्र मोर्चा संयोजक कमलेश चौधरी, प्रवीण कुमार आदि ने आभार व्यक्त करते हुए मंत्री जी को शुभकामना दी है।

विवाह मंडप बनने से आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को होगा सुविधा

रांचीः पहाड़ी मंदिर की मरम्मती एवं पुनर्विकास कार्यो को कराने के लिए पर्यटन कला संस्कृति , खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के माननीय मंत्री श्री मिथलेश कुमार ठाकुर ,सचिव महोदय IAS मनोज कुमार , निदेशक अंजली यादव , उपायुक्त राँची राहुल कुमार सिन्हा , उप विकास आयुक्त दिनेश यादव ,जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी शिवेन्द्र कुमार सिंह एवं कार्यालय कर्मचारी रोशन कुमार, दीपक कुमार,मुकेश कुमार को राँची पहाड़ी मंदिर विकास समिति सहृदय आभार एवं धन्यवाद प्रकट करता हैं वर्षो बाद पहाड़ी मंदिर के विकास के लिए कार्य किया जा रहा हैं जिसे सभी भक्तो में हर्षोल्लास का माहौल हैं। राँची पहाड़ी मंदिर विकास समिति द्वारा योजना कार्य के लिए पूर्ण सहयोग करेगा। समिति के द्वारा विभिन्न कार्यो के लिए लिखित दिया गया था एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र भी विभाग को दिया गया था । समिति सभी भक्तो के बेहतर सुविधा के लिए हमेशा तत्पर हैं।

अस्थमा फेफड़ों की बीमारी है जो हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है- डॉ बिशेश्वरन बी

रांचीः अस्थमा की समस्या इन दिनों बढ़ रही है। अस्थमा फेफड़ों की बीमारी है जो हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। इसके उचित उपचार के लिए हैदराबाद स्थित यशोदा हॉस्पिटल के डॉ बिशेश्वरन बी ने बुधवार को रांची करमटोली स्थित रांची प्रेस क्लब में संवाददाता सम्मेलन कर जानकारी दी। डॉ विशेश्वरन बी ने कहा कि झारखंड की मरीज़ रीता सिन्हा, 70 वर्षीय महिला को सांस लेने में गंभीर कठिनाई और खांसी से पीड़ित थीं। जिससे उनकी दिन-प्रतिदिन की गतिविधिया प्रभावित हुईं। वह ऑक्सीजन पर निर्भर हो गई थी। वह अधिकतम चिकित्सा प्रबंधन के प्रति अनुत्तरदायी थी। मरीज़ का पहले कई डॉक्टरों द्वारा इलाज किया गया था और फिर उसे आगे के मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए हैदराबाद के सोमाजीगुडा में यशोदा अस्पताल में रेफर किया गया था। मरीज़ को डॉ विश्वेश्वरन बालासुब्रमण्यम, एमडी, डीएम (पल्मोनरी और क्रिटिकल केयर- गोल्ड मेडलिस्ट), वरिष्ठ सलाहकार- इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी और स्लीप मेडिसिन विशेषज्ञ के अधीन भर्ती कराया गया था। मरीज़ का बड़े पैमाने पर मूल्यांकन किया गया और पाया गया कि उसे गंभीर अस्थमा और ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया है। उचित दवाओं के साथ आईसीयू में मरीज़ का प्रबंधन करने के बाद, मरीज़ के उपचार को अनुकूलित किया गया और उसे बायोलॉजिक्स जैसी उन्नत दवाएं दी जाने लगीं। डॉ बिशेश्वरन बी ने कहा कि फेफड़े के कैंसर के शुरुआती लक्षणों में खांसी का बढ़ना या सांस लेने में तकलीफ होना शामिल हो सकता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि फेफड़े का कौन सा हिस्सा प्रभावित है और मरीज को किस तरह का फेफड़े का कैंसर है। जैसे-जैसे कैंसर विकसित होता है, ये लक्षण अधिक गंभीर या तीव्र हो सकते हैं। कई अन्य प्रकार के कैंसर की तरह , फेफड़े के कैंसर के कारण भी प्रणालीगत लक्षण हो सकते हैं, जो प्रकृति में अधिक सामान्य होते हैं। इनमें भूख न लगना या सामान्य थकान शामिल हो सकती है। इसकी पहचान कर सही समय पर उचित इलाज से मरीज को बचाया जा सकता है। वहीं मकेश वीपी कॉर्पोरेट ने बताया कि झारखंड से आने वाले सभी मरीजों को पूर्व सूचना पर मुफ्त पिक अप और ड्रॉप की सुविधा दी जाएगी । झारखंड में हमारे समन्वयक हैं जो मरीजों को प्रवेश से लेकर ड्रॉप तक संभालते हैं और मरीजों की सुविधा के अनुसार आवास प्रदान करते हैं।

जेआरजी बैंक द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गयी

रांचीः जे० आर० जी० बैंक के लगभग 100 अधिकारी/कर्मचारियों ने बैंक के अध्यक्ष श्री मदन मोहन बरियार के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा प्रायोजित स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। यह रैली बैंक के प्रधान कार्यालय, रांची से यूनिवर्सिटी चौक, रांची तथा वापस प्रधान कार्यालय, रांची तक निकाली गई । इस वर्ष 'स्वच्छता ही सेवा' 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है, जिसका विषय है 'स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता'। इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय, रांची द्वारा महात्मा गांधी जयंती के शुभ अवसर पर 27 सितंबर से 3 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छ मुद्रा सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसमें जेआरजी बैंक के सभी क्षेत्रीय कार्यालय और शाखाएं सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। इसमें स्वच्छ नोटों का विनिमय, सिक्कों का प्रतिदिन वितरण और नोट एवं सिक्कों का विनिमय मेला आदि शामिल हैं। इस रैली का मुख्य उद्देश्य आम जनों के बीच स्वच्छता के महत्व को फैलाना है। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत जेआरजी बैंक के सभी क्षेत्रीय कार्यालय और शाखाएं इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। इसमें सार्वजनिक स्थलों पर श्रमदान, प्लास्टिक मुक्ति अभियान, कचरा पुनः चक्रण अभियान, सोशल मीडिया अभियान, वृक्षारोपण आदि गतिविधियां शामिल हैं। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय, रांची द्वारा आयोजित स्वच्छ मुद्रा सप्ताह के अंतर्गत स्वच्छ नोटों का विनिमय, सिक्कों का प्रतिदिन वितरण और नोट एवं सिक्कों का विनिमय भी इस रैली के जरिए आम जनों तक फैलाना है। जेआरजी बैंक स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दृढ़ता से बनाए रखते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रयासरत है।

हरमू रोड रोड रहा जाम, वाहन सवार हुए परेशान

रांची . हरमू रोड और मेन रोड समेत शहर की विभिन्न सड़कों पर दिनभर रह-रहकर जाम लगता रहा, इससे वाहन सवार लगातार परेशान रहे।

5 से सभी आंगावड़ी बंद करने का एलान

रांचीः झारखंड प्रदेश समाज कल्याण आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश पाण्डेय ने झारखंड के हेमंत सरकार के 27 सितंबर को हुई कैबिनेट की बैठक को आंगनवाड़ी सेविका/ सहायिका के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने और धोखा देने वाला बैठक करार दिया है,23 सितंबर को आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका के रैली में गिरिडीह के विधायक श्री सुदीव्य कुमार सोनू ने लगभग 20 हजार आंगनवाड़ी महिलाओ को संबोधित करते हुए कहा था की 27 अक्तूबर के कैबिनेट के बैठक में आपलोगो के लिए खुशखबरी मिल जाएगी,परंतु हुआ ढाक के तीन पात,कोई निर्णय नहीं,इस पर संगठन में भारी आक्रोश व्याप्त है और आने वाले विधान सभा चुनाव में सबक सिखाने की तैयारी हो रही है साथ ही 05 अक्टूबर से संपूर्ण राज्य के लगभग 80 हजार सेविका/ सहायिका अपने आंगनवाड़ी केन्द्रों को बंद करने का निर्णय ले लिया है,जब तक वेतनमान नहीं तब तक आंगनवाड़ी केंद्र नहीं। आखिर कब तक झारखंड की सेविका/सहायिकाएं लूट तंत्र के सरकार के चक्की में पिसती रहेगी,बंद का बुरा प्रभाव झारखंड के गर्भवती,धात्री ,कुपोषित बच्चों और नौनिहाल बच्चों पर पड़नेवाला है। सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों को झारखंड की सेविका/ सहायिकाएं 05 अक्तूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली जायेगी,जब तक उनके 08 सूत्री मांगों को सरकार पूरी नही कर देती। सभी जिलाध्यक्ष अपने जिले में बैठक कर 05 अक्तूबर से बंदी का एलान करे और केंद्रों को नियमित जांच भी करे की कोई भी केंद्र खुला नहीं रहना चाहिए। झारखंड सरकार की दोगली नीति अब बर्दास्त नही।

ऊर्जा निगम के हजारों कमी 03 अक्टूबर से करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

रांचीःराज्य के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन आउटसोर्स व्यवस्था से काफी दुखी हैं और वह मानते हैं कि इस व्यवस्था को खत्म किया जाना चाहिए जिसको लेकर सरकार गंभीर है । उक्त जानकारी अपने आवास पर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ग्रामीण विकास मंत्री श्री इरफान अंसारी ने कही। श्री अंसारी झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर उक्त जानकारी दी। इरफान अंसारी ने कहा कि पूरे राज्य के विभिन्न विभागों में आउटसोर्स व्यवस्था से मुख्यमंत्री दुखी हैं और इसके समाधान की दिशा में वह कोई उचित कदम उठाएंगे इस बात का भरोसा दिलाया है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है आउटसोर्स खत्म हो और उसको लेकर हमारा जो भी प्रयास होगा हम करेंगे। इरफान अंसारी ने बताया कि कल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय की वार्ता कराई थी इस दौरान अजय राय ने मुख्यमंत्री श्री सोरेन को लिखित ज्ञापन संघ की ओर से सौपा और उनसे अपने छे सूत्री मांगों पर कारवाई की मांग की । इस अवसर पर अजय राय ने मुख्यमंत्री का ध्यान झारखंड ऊर्जा निगम की ओर आकर्षित करते हुए कहा कि निगम के अंदर विगत 2017 से आउटसोर्स व्यवस्था लागू है जिसके कारण इसमें काम करने वाले विद्युत कर्मियों की हालत बद से बदतर हो गई है और इस पर लगाम लगाया जाना राज्य सरकार का दायित्व बनता है। उन्होंने संगठन के 6 सूत्री मांगों से अवगत कराया। अजय राय प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि 3 अक्टूबर से पूर्व अगर मांगे मांग ली जाती है तो ठीक है नहीं तो आगामी 3 अक्टूबर से झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के हजारों सदस्य अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे जिसकी तैयारी चल रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक की वार्ता सकारात्मक रही है मगर हमारी मांगो पर जब तक लिखित आदेश हो नहीं जाता तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा इस अवसर पर संघ के अमित कुमार शुक्ला सुरेंद्र सिंह मुकेश साहू अनिकेत सिंह मधुकर शुक्ला सहित काफी संख्या में विद्युत कर्मी मौजूद थे।

बंग्लादेशी घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर निकालेगी भाजपा : बाबूलाल

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को पोड़ैयाहाट मैदान में आयोजित परिवर्तन सभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि झारखंड में अगर कोई सबसे ज्यादा कोई प्रभावित हुए हैं तो वो हमारे आदिवासी समाज के लोग हैं. आदिवासी मुख्यमंत्री होते हुए भी सबसे ज्यादा आदिवासियों की जमीन और आदिवासियों की इज्जत लूटी गयी है. सरकार ने 1000 करोड़ का खनन घोटाला किया है. साथ ही सेना की जमीन को भी लूट खाया, हेमंत सरकार ने झारखंड को लूट और झूठ के सिवाय कुछ नहीं दिया है. बंग्लादेशी घुसपैठियों के कारण झारखंड की डेमोग्राफी बदल रही है. अगर यही हाल रहा तो आगामी दिनों में आदिवासियों के लिए खतरा है. बाबूलाल ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी तो बंग्लादेशी घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर निकाला जायेगा.

प्रदेश में बनानी होगी भाजपा की सरकार

भाजपा ही आदिवासियों के माटी, रोटी और बेटी की रक्षा कर सकती है. इसके लिए प्रदेश में भाजपा की सरकार बनानी होगी. 1951 में आदिवासियों की संख्या 36 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 26 प्रतिशत रह गयी है. वहीं संथाल परगना में आदिवासियों की संख्या 44 प्रतिशत थी, जो कम होकर 28 प्रतिशत पहुंच गयी है. झारखंड में आदिवासियों की संख्या लगातार घट रही है. बाबूलाल ने कहा कि झारखंड के बालू को मुंबई, कोलकाता और अन्य शहरों में बेचा जा रहा है. पहाड़ों से पत्थर की खुदाई की जा रही है और उसे बेचा जा रहा है. सेना की जमीनों को भी नहीं छोड़ा गया. झामुमो सीएनटी एक्ट की रक्षा करने का दावा करती है और दूसरी ओर हेमंत सोरेन ने ही सीएनटी एक्ट का सबसे अधिक उल्लंघन किया है. सीएनटी एक्ट में फर्जीवाड़ा कर झारखंड की जमीन बेचने का काम किया है. लोगों की जमीन में गड़बड़ी की है और अब जब लोग जमीन का दस्तावेज ठीक कराने जा रहे हैं तो अफसर उनसे पैसे मांग रहे हैं. मरांडी ने वादा किया कि अगर भाजपा की सरकार बनी तो गांव-गांव में अफसर जाकर लोगों की जमीन के दस्तावेज ठीक करने का काम करेंगे, अगर नहीं करेंगे तो उन्हें जेल भेजा जायेगा. सीएम हेमंत सोरेन मंईंया सम्मान योजना लेकर आये हैं. उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भाजपा सरकार महिलाओं को सम्मान निधि दे रही है, झारखंड में भाजपा की सरकार बनी तो भाजपा ही महिलाओं का सम्मान करेगी. आगे कहा कि अगर हेमंत सोरेन की नीयत ठीक होती तो पहले ही इस योजना को लेकर आते. इस सरकार ने नौकरी तो दी नहीं लेकिन उत्पाद सिपाही बहाली के नाम पर युवाओं को इतना दौड़ाया की उनकी मौत हो गयी. भाजपा ही एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जिसने किसी को ठगने का काम नहीं किया. भाजपा जो वादा करती है, उसे पूरा करती है.

बदले गये 91 अंचल के सीओ, राम प्रवेश बने नामकुम के अंचलाधिकारी

रांची : राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर अंचल अधिकारियों का तबादला किया है. भू-राजस्व विभाग ने 91 अंचल अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग से संबंधित अधिसूचना शुक्रवार देर रात जारी की है. राम प्रवेश कुमार को नामकुम का सीओ बनाया गया है. वहीं मो. अनीस को इटकी, राजेश कुमार को नगड़ी, चंचला कुमार को मांडर, हंस हेंब्रोम को बुंडू, प्रवीण कुमार सिंह को सिल्ली, शिशुपाल आर्य को खूंटी सदर, मनोज कुमार चौरसिया को पतरातू रामगढ़, मनोज कुमार को बड़कागांव (हजारीबाग) और बिजय कुमार महतो को कटकमदाग (हजारीबाग) का सीओ बनाया गया है.

ससुर-बहू के अवैध संबंध का शक, सास ने की खुदकुशीःजमुई में महिला ने सल्फास की गोली खाकर दी जान, बेटी ने लगाया हत्या का आरोप

जमुई. जमुई के झाझा थाना क्षेत्र के बलियोडीह गांव में शनिवार अहले सुबह 4 बजे एक महिला ने सल्फास की गोली खाकर खुदकुशी कर ली। बताया जाता है कि पति का बहू के साथ अवैध संबंध से तंग आकर महिला ने ये कदम उठाया है। मृतक महिला की पहचान संपत्तिया देवी (55) पति बालदेव यादव के रूप में हुई है।संपत्तिया देवी की मौत के बाद पति, बेटा और बहू घर से फरार है। घर में सिर्फ मृतक महिला की पोती बंटी कुमारी मौजूद थी। स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना झाझा पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद झाझा थाने के पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए जमुई सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटना मौके से सल्फास की गोली भी बरामद किया है। घटना को लेकर मृतक महिला की बेटी ललिता देवी बताती है कि पापा-मम्मी से रिश्ता नहीं रखते थे। भाभी और पापा के बीच 10 सालों से अवैध संबंध था। मेरी मम्मी को पापा कुछ नहीं देते थे। खाने-पीने का समान भी मेरी मम्मी गांव में मांग कर खाना खाती थी। कुछ दिन पहले मम्मी मेरे पास थी। तीन-चार महीने से यहां रह रही थी। मेरी मम्मी को पापा, भैया और भाभी तीनों ने मिलकर घर में बंद कर मारपीट कर जहर खिलाकर मार दिया है।मृतक महिला की पोती बंटी कुमारी बताती है कि दादी जहर खा ली। दादी को शक था कि मम्मी और बाबा में गलत संबंध है। दादी इसमें विश्वास करती थी लेकिन यह झूठ था। दादी इस बात को पूरे गांव में हल्ला कर दी थी। हम जहर छीन कर एक बार फेंक दिए थे, फिर वह बाजार से खरीदकर रात में खा ली। दादी और पापा में झगड़ा भी हुआ था।

घटना के बारे में झाझा थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर घटना के जांच कर रही है। फिलहाल, इस मामले में आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मामूली कहासुनी पर बेटे ने पिता की चाकू मारकर की हत्या, शराब के नशे में किए ताबड़तोड़ वार

नवादा. बिहार के नवादा जिले में मामूली विवाद में बेटे ने पिता की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना पकरीबरावां के ओदपुरा गांव की है। मृतक की पहचान ओदपुरा गांव निवासी इंदल मांझी के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि बेटा शराब पीकर आया था। इसी बीच पिता और पत्नी से उसकी लड़ाई हो गई। जिसका उसकी दादी ने भी विरोध किया। इस दौरान किसी बात को लेकर गुस्से में आए पुत्र ने पिता की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। और मामले की जांच में जुटी है।

ट्रक से कुचल कर बाइक सवार युवक की मौत

पूर्णिया । ट्रक से कुचल कर बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना सदर थाना के गुलाबबाग स्थित लोहा पट्टी के समीप रात तकरीबन 9:30 बजे की है। मृतक की पहचान सदर थाना के रहमत नगर निवासी 29 वर्षीय मो मुजाहिद के रूप में की गयी है। बताया जा रहा है कि युवक घर का सामान लेने बाजार गया था। लौटने के दौरान अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार को ठोकर मार दी। जैसे ही वह गिरा कर ट्रक ने उसे कुचल दिया। जब तक लोग वहां पहुंच पाते, चालक ट्रक लेकर भाग निकला। सदर थानाध्यक्ष राजीव कुमार लाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पटना में प्रॉपर्टी डीलर हत्या मामले में एक आरोपी गिरफ्तारःदोनों शूटरों की हुई पहचान

पटना. पटना में 13 सितंबर को फुलवारी थाना क्षेत्र के पटना एम्स गोलंबर के पास प्रॉपर्टी डीलर सुदर्शन वर्मा की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने हत्या में शामिल एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी ही हत्या के दौरान बाइक चला रहा था। पुलिस ने पीछे बैठे दोनों शूटर की भी पहचान कर ली है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान आदित्य राणा के तौर पर हुई है। उसने इस घटना में संलिप्तता स्वीकार की है। दोनों शूटर का भी नाम पुलिस को बताया है। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पटना सिटी एसपी वेस्ट सरथ आरएस ने बताया कि 13 सितंबर को हुई हत्या मामले में पुलिस ने 22 सितंबर को मास्टरमाइंड मुकेश कुमार उर्फ मिक्कू को गिरफ्तार किया था। मुकेश ने बताया था कि उसने ही हत्यारों को बुला कर अपने घर में कई दिनों तक रखा था। मां- बाप ने इसका विरोध किया तो हत्यारों को कुछ दूरी पर अपने एक मित्र के यहां ठहरा दिया। इस हत्या के लिए शूटरों को सुपारी सगुना मोड़ निवासी मुकेश ने दिया था। मुकेश की निशानदेही पर बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही थी। इस दौरान आदित्य को गिरफ्तार किया गया है। दोनों शूटर की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इधर, दूसरे मामले में दानापुर थाने की पुलिस ने बालू के अवैध खनन मामले में शामिल अपराधी मुकेश कुमार को हथियार और गोली के साथ गिरफ्तार किया है। दानापुर पुलिस को सूचना मिली थी कि मुकेश बाजार में देखा गया है। इसके बाद पुलिस ने मुकेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से दो अवैध राइफल और 43 जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने मुकेश कुमार के पिता रामजी राय को भी गिरफ्तार किया है। वहीं, पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही वहां मौजूद कुछ और अपराधी वहां से फरार हो गए। हालांकि, इनके साथ आए फरार अपराधियों की पहचान कर ली गई है। छापेमारी भी जारी है।

पटना सिटी में 4 शराब तस्कर गिरफ्तारःट्रेन से मंगवाते थे विदेशी शराब, फिर घर से करते थे होम डिलीवरी

पटना. पटना सिटी के मालसलामी थाने की पुलिस ने घर से शराब की होम डिलीवरी करने वाले गिरोह के चार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से लाखों रुपए के अवैध विदेशी शराब को बरामद किया है। पुलिस गिरफ्तार शराब तस्करों से यह पता लगाने में जुटी है कि सभी तस्कर ट्रेन के माध्यम से कहां से और कैसे शराब को दूसरे राज्यों से मंगवाते थे। एक महीना पहले ट्रेन से अवैध शराब लाने का विरोध करने पर अपराधियों ने आरपीएफ के दो जवानों की हत्या की गई थी। इसके बाद भी शराब तस्कर खुलेआम शराब की तस्करी दूसरे राज्यों से ट्रेनों से लाकर करते हैं। उत्तर प्रदेश, झारखंड सहित बिहार से सटे पड़ोसी राज्यों से बड़े पैमाने पर शराब की तस्करी हो रही है। इस तस्करी में ट्रेन के भी कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत होने की बात भी सामने आई थी। उत्तर प्रदेश की पुलिस ने शराब तस्करों से पूछताछ के बाद शराब तस्करी में ट्रेन के एक गैंगमैन को शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

पटना के 6 थानों का एसएसपी ने किया निरीक्षण

पटना. पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा ने शनिवार को गर्दनीबाग, बेऊर, जक्कनपुर, गांधी मैदान, कोतवाली और ट्रैफिक थाना का निरीक्षण किया। इन इलाकों में मॉर्निंग पेट्रोलिंग की चेकिंग की। गर्दनीबाग थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग को लेकर थानाध्यक्ष को फटकार लगाई है। साथ ही स्पष्टीकरण भी मांगा है। राजधानी पटना में चेन स्नेचिंग और छिनतई की घटना बढ़ी है। एसएसपी ने पुलिसकर्मियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया। इसके अलावा संबंधित थानेदार को पेट्रोलिंग पर जोर देने का कहा है। निरीक्षण के दौरान लगभग सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस की तैनाती और पेट्रोलिंग संतोषजनक रही। सिर्फ गर्दनीबाग इलाके में पेट्रोलिंग संतोषजनक नहीं थी। जिसके बाद थानेदार से स्पष्टीकरण मांगा गया। एसडीपीओ सचिवालय को अपने क्षेत्र में पेट्रोलिंग को बेहतर करने का निर्देश दिया है। एसएसपी राजीव मिश्रा गांधी मैदान थाना क्षेत्र और अटल पथ भी पहुंचे। अटल पथ पर चेन स्नेचिंग की घटना बढ़ गई है। इस वजह से यहां अतिरिक्त पुलिसबल की तैनाती की गई है। उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की भी चेकिंग की।

स्मार्ट मीटर पर जगदानंद ने सीएम से किए 13 सवालः कहा - बिजली बिल की वजह से दो कमरे के बदले एक में शिफ्ट हुआ हूं

पटना. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की थी। दूसरे ही दिन शनिवार को आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने प्रेस कांफ्रेस कर 13 सवाल किए हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर जनता त्राहिमाम कर रही है। आरेजेडी ने जब स्मार्ट बिजली मीटर से जुड़ा सवाल उठाया तो नीतीश कुमार को सामने आना पड़ा। लेकिन, उन्होंने किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। बिहार का एक व्यक्ति भी स्मार्ट मीटर से संतुष्ट नहीं है।

जगदानंद सिंह ने कहा कि बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड ने 15 सितंबर 2024 को राज्य के जिलाधिकारियों को जारी पत्र को सामने रखते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने 2025 तक स्मार्ट बिजली मीटर लगाने का लक्ष्य दिया है। अब इसको लगाने के लिए कड़े निर्देश दिए जा रहे हैं।

उन्होंने दो दिन पहले ऊर्जा मंत्री के बयान के जवाब में कहा कि अगर मेरा बिजली बिल सही आ रहा है तो क्या पूरे बिहार के लोगों का मीटर ठीक हो गया, बिहार के लोगों की तकलीफें दूर हो गईं। मेरा बिजली बिल कैसे कम हुआ है। इसका भुक्तभोगी हूं मैं। दो कमरे में रहने वाला जगदानंद एक कमरे में जिंदगी गुजार रहा हूं। मेरी इतनी हैसियत नहीं है कि हम इतना बिजली बिल दे सकें, जबकि सरकार से मुझे पेंशन मिलता है। ऊर्जा मंत्री

विजेन्द्र यादव ने कहा था कि जगदानंद सिंह का बिजली बिल पहले से कम आ रहा है।

बिजली बेचने से खेती बर्बाद

जगदानंद सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार में संवेदनशीलता नहीं है। खेती बर्बाद हो रही है। बिजली बेची जा रही है। दो महीने से बारिश नहीं हुई है। समय से बिचड़े नहीं लगाए गए तो खेती बर्बाद हो रही है।

नीतीश कुमार से पूछे ये 13 सवाल

1. जो स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं, उसमें उपभोक्ताओं के समक्ष थर्ड पार्टी की ओर से मीटर की गति पुराने मीटर और स्मार्ट मीटर की गति में कोई फर्क नहीं है, विश्वास में लिया गया है?
2. 5 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से खरीद कर बिजली को 5.85 रुपए से 8 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से क्या बिक्री नहीं की जा रही है? फिक्स्ड चार्ज और विद्युत शुल्क बिजली बिल पर अंकित ये दो चार्ज किसलिए लिये जाते हैं, आप बताएंगे?
3. बिहार सरकार का अपना उत्पादन शून्य है, इससे आम लोगों को बचाया गया है ?
4. किसानों को केवल 8 घंटे की बिजली क्यों?
5. कृषि फीडर लगाने के लिए डेडिकेटेड फीडर का निर्माण खेती के उत्पादन में सहयोग के लिए है, या उन्हें तबाह करने के लिए बन रहा है?
6. भयंकर सूखाड़ के वक्त इस वर्ष भूगर्भीय जल का ही सहारा था। इसके लिए 24 घंटे बिजली के बदले कृषि फीडर में कटौती कर क्या अन्य राज्यों को सस्ते दर पर बिजली नहीं बेची गई?
7. सच है कि 2023-2024 में 2200 करोड़ की बिजली 4 रुपए में 5280 एमयू (मिलियन यूनिट) अन्य राज्यों को बिक्री क्यों? क्या बिहार की खेती को बर्बाद करने के लिए?
8. क्या भारत सरकार ने बिजली के उत्पादन के लिए 80000 करोड़ व्यय नहीं किया है। बिहार की सरकार ने पूर्व से स्थापित बिजली उत्पादन केन्द्रों कांटी और बरौनी की भी बिक्री नहीं कर दी?
9. लालू प्रसाद ने यूपीए की सरकार 2004 में शामिल होते ही केन्द्र द्वारा उपेक्षित बिहार के लिए 4 अप्रैल, 2005 को ग्रामीण विद्युतीकरण की योजना शुरू करती है, तब बिहार के गांवों में बिजली लगाने का कार्य शुरू होता है, क्या यह सच नहीं है?
10. वर्ष 1998 से 2004 तक नीतीश भाजपा की केन्द्रीय सरकार में मंत्री रहते बिहार को बिजली के मद में एक भी पैसे का योगदान करा पाए ?
11. वर्ष 2003 में नया विद्युत एक्ट बना। इसमें यूनिवर्सल विद्युत दर के बदले उत्पादन केन्द्रों द्वारा तय बिजली की दर लागू कराने में अपनी भूमिका के बारे में बताएंगे? उसी समय से बिहार को अधिक कीमत पर बिजली खरीदनी पड़ती है। राज्य सरकार में बिहार की तबाही का रास्ता नीतीश कुमार, आपने तय किया था, क्या यह सही नहीं है?
12. अब बर्बादी के कगार पर खड़े बिहार को स्मार्ट मीटर लगाने के नाम पर पूंजीपतियों के हाथों गिरवी रखने का षड्यंत्र किया है। लूट में यदि आपकी हिस्सेदार नही हैं तो इतने स्मार्ट मीटर लगाने के लिए बेचैन क्यों हैं?
13. नीतीश कुमार, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के पटना के पत्रांक 19/सी. एम.डी. दिनांक 15.09.2024 को जारी कर आपने साबित नहीं कर दिया है कि स्मार्ट मीटर लगाने के लिए ग्रामीण तैयार नहीं हैं। लाठी-डंडे की ताकत की बदौलत आप कार्य करना चाहते हैं। विरोधी पक्ष कोई अफवाह नहीं फैला रहा है। बल्कि, आपके इस अत्याचार के खिलाफ जनता उठ खड़ी हो चुकी है। आप जनता के खिलाफ हैं।

स्मार्ट मीटर को लेकर आप ने भी सवाल उठाए

आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता बबलू प्रकाश ने बिहार सरकार और ऊर्जा विभाग पर तीखे आरोप लगाते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर योजना के नाम पर राज्य में बड़े पैमाने पर काली कमाई की जा रही है। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों और मंत्रियों की मिलीभगत का खुलासा करते हुए बताया कि इस योजना की आड़ में जनता से अवैध वसूली की जा रही है। जबकि, बड़े नेताओं और अधिकारियों के घरों में स्मार्ट मीटर लगाने में जानबूझकर कोताही बरती जा रही है।

उफान पर बिहार की नदियां; 13 जिलों पर आई आफत, सैकड़ों गांव बाढ़ में डूबे, हाई अलर्ट पर प्रशासन

भागलपुर. नेपाल से आए पानी ने कोसी क्षेत्र को बाढ़ की चपेट में ले लिया है। वीरपुर बराज से शनिवार शाम छह बजे तक 5.67 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हुआ। नतीजा यह हुआ कि सुपौल जिले के पांच प्रखंड की 27 पंचायतों के सौ गांव में बाढ़ का पानी फैल चुका है। सहरसा जिले के महिला, सिमरी बख्तियारपुर और सलखुआ प्रखंड की 22 पंचायतों में देर रात बाढ़ का पानी आ गया। जल संसाधन विभाग और संबंधित जिलों का प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। कोसी के अलावा सहायक नदियां भी लगातार बारिश की वजह से उफान पर है। इस वजह से सीमांचल भी बाढ़ की जद में आ गया। अररिया, किशनगंज पूर्णिया व कटिहार में बकरा, महानंदा, परमान के साथ कनकई नदी में पानी बढ़ गया। वीरपुर के चीफ इंजीनियर वरुण कुमार ने बताया कि बराज के सभी 56 फाटक खोल दिए गए गए हैं। राहत की बात है कि नेपाल के बराह क्षेत्र में पानी स्थिर हो गया है। देर रात से कोसी के जलस्तर में कमी आ सकती है। कोसी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी से तटंबध के अंदर के गांवों में पानी फैल गया है। कोसी तटबंध के अंदर स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्रों को अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है। डीएम कौशल कुमार ने बताया कि तटबंध के अंदर रह रहे लोगों को बाहर निकलने के लिए कहा गया है। लगभग तीन लाख लोग तटबंध के अंदर बसे हैं। उधर, एडीएम राशिद कलीम अंसारी ने बताया कि पांच प्रखंड के 27 पंचायत के लगभग 100 गांव पानी में है। सरकारी नाव

से लोगों को बाहर निकालने की व्यवस्था की गई है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

कोसी तटबंध के 16.98, 10, 26.44 और नेपाल प्रभाग के 34 किमी स्पर पानी का दवाब है, वहां बाढ़ संघर्षात्मक कार्य कराए जा रहे हैं। स्थिति नियंत्रण में है। उधर, सहरसा में अधिकारियों ने तटबंध की सुरक्षा लिया। हालात पर नजर है। मधेपुरा में आलमनगर और चौसा प्रखंड में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। मधेपुरा शहर से सटे पूर्वी और पश्चिमी गुमटी नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है। शहर के निचले इलाके में पानी का दबाव बढ़ने लगा है। डीएम तरनजोत सिंह ने बताया कि जलस्तर पर नजर रखी जा रही है।

कटिहार-खगड़िया में विशेष अलर्ट

कटिहार में महानंदा नदी का जलस्तर पिछले 18 घंटे में करीब 60 सेंटीमीटर से अधिक बढ़ा है। हानंदा नदी का पानी निचले इलाके में फैलने लगा है कई बिंदुओं पर खतरे के निशान को पार कर गया है। खगड़िया में कोसी नदी में जलस्तर में वृद्धि को लेकर जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को ऊंचे स्थानों पर आने का निर्देश जारी किया है। जलसंसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता कृपाल चौधरी ने कहा कि संवेदनशील जगहों पर सैंड बैग पर्याप्त मात्रा में है। एडीएम आरती ने बताया कि कोसी नदी में जलवृद्धि की संभावना को देखते हुए बचाव कार्य के लिए निर्देश दिए गए हैं।

पूर्णिया- लोग ऊंचे स्थान की ओर पलायन कर रहे

कोसी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी को देखते हुए पूर्णिया में भी अलर्ट जारी किया गया है। लोग ऊंचे स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। कोसी में बाढ़ की सूचना मिलते ही रूपौली अंचल कार्यालय से एक पत्र जारी कर निचले इलाकों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने की संभावना व्यक्त की गई है। नाविक को मछली मारने के लिए नाव को नदी में नहीं ले जाने की सलाह दी गई है। इस बीच देर शात तक कोसी नदी के बढ़े जलस्तर से भौआ परवल, कोयली सिमरा पूरब और पश्चिम, विजय लालगंज, विजय मोहनपुर, कांप आदि पंचायत फिर से प्रभावित हो गई है। सीओ शिवानी सुरभि ने बताया कि अंचल प्रशासन अलर्ट मोड पर है। वहीं तीन-चार दिनों से नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्र में मूसलाधार बारिश के कारण अररिया क्षेत्र में बकरा, भलुआ, लोहंदरा, परमान, सिंहिया, बरजान, मशना आदि नदियां उफना गई हैं। किशनगंज में भी कनकई उफान पर है। दीघलबैंक प्रखंड का कई हिस्सा बाढ़ के पानी से घिर गया है।

अनुमान से एक लाख कम

पूर्वानुमान था कि शनिवार दोपहर तक 6.81 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज होगा। शाम तक 5.67 लाख क्यूसेक पानी ही आया है। यही वजह रही कि अभी तक सभी बांध सुरक्षित हैं। बता दें कि इससे पहले 5 अक्टूबर 1968 को कोसी नदी का जलस्तर 7 लाख 88 हजार 200 क्यूसेक तक जा पहुंचा था। इस साल 14 अगस्त को 4 लाख 62 हजार 345 क्यूसेक जलस्तर रिकॉर्ड किया गया था। राहत की बात है कि नेपाल क्षेत्र में पानी की रफ्तार थमने की सूचना है। नेपाल के बराह क्षेत्र में पानी स्थिर हो गया है। आपको बता दें गंडक, कोसी, बागमती, महानंदा एवं अन्य नदियों के जलस्तर में वृद्धि होने से राज्य के 13 जिले प्रभावित हुए हैं। 20 प्रखंडों की 140 पंचायतों के गांवों में बाढ़ का पानी फैल गया है। करीब 1.41 लाख आबादी प्रभावित हुई है। आपदा प्रबंधन विभाग ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया है। इन नदियों के जलस्तर में वृद्धि जारी रहने की आशंका को देखते हुए संबंधित जिलाधिकारी को अलर्ट रहने को कहा है।

चिटफंड कंपनी ने की महिलाओं से लाखों की ठगीः फतुहा स्टेशन रोड में बनाया था ऑफिस

पटना. पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में एक चिटफंड कंपनी ने कई महिलाओं से लाखों ठग लिए हैं। इसके बाद महिलाओं ने फतुहा थाने में शिकायत की है। राजेंद्र प्रसाद खुद को स्वतंत्र इंडियन लेबर पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बताते हुए फतुहा स्टेशन रोड में ओम साईं रियल स्टेट नाम से एक फर्जी कंपनी खोली थी। कंपनी के कामकाज को आगे बढ़ाने के लिए मकसूदपुर निवासी रानी कुमारी को 6 हजार मासिक वेतन पर मैनेजर नियुक्त कर दिया। इसके बाद मैनेजर को झांसे में रखकर ग्रामीण महिलाओं से लोन दिलाने के बहाने पैसे ठगने लगा। कंपनी ने महिलाओं से 10 हजार से एक लाख रुपए तक देकर सदस्य बनने पर दस लाख का लोन देने का वादा किया। इसी का झांसा देकर ओम साईं रियल स्टेट कंपनी ने दर्जनों गांवों की सैकड़ों महिलाओं से लाखों की ठगी कर ली। कंपनी का संचालन फतुहा थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड एसबी कॉम्प्लेक्स के पीछे एक मकान में चल रहा था। पीड़ित महिलाओं ने सबसे पहले उस कार्यालय में कार्यरत मकसूदपुर गांव की एक युवती पर पैसे लौटाने का दबाव बनाया। युवती मानसिक रूप से प्रताड़ित होने लगी। इसके बाद युवती ने सभी पीड़ित महिलाओं के साथ शनिवार को फतुहा थाना पहुंची। युवती ने कंपनी के मलिक को नामजद करते हुए लिखित शिकायत थाने में की है। आरोपी राजेंद्र प्रसाद अभी फरार हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सभी महिलाएं थाना पहुंचकर पुलिस से मदद मांगी है। आवेदन मिलने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

कंपनी में काम करने वाली मैनेजर क्या बोली

कंपनी में जॉब कर रही पीड़िता रानी कुमारी ने बताया कि 'मैं पिछले वर्ष जून महीने में स्टेशन रोड एसबी कंपलेक्स के पीछे स्थित ओम साईं रियल स्टेट कार्यालय में काम करती थी, इसका संचालक राजेंद्र प्रसाद हैं। राजेंद्र प्रसाद मेरे माध्यम से लोन दिलाने के बहाने आसपास के गांव की अनपढ़ महिलाओं को जाल में फंसा कर रुपए ऐंठता था। इसका एहसास होने पर पैसा लौटाने के लिए बोलने लगी। इसके बाद इस साल के जून महीने में कंपनी की ओर से हटा दिया गया। बार-बार दबाव बनाने पर ऑफिस बंद कर यहां से फरार हो गया। संपर्क करने की कोशिश की तो पटना आकर काम करने को कहता था।' रानी कुमारी ने यह भी कहा कि 'शनिवार को अखड़िया गांव की कई महिलाएं मेरे पास पहुंची। रुपए की मांग करते हुए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

पिता ने बताया नाबालिग, बेटी ने कहा हम बालिग हैंः जमुई कोर्ट में शादी करने पहुंचा शेखपुरा का प्रेमी युगल

जमुई. जमुई कोर्ट परिसर में शेखपुरा जिले के एक प्रेमी युगल लव मैरिज करने के लिए आए। कोर्ट मैरिज की सूचना पर लड़की के पिता दल बल के साथ पहुंच इस शादी का जमकर विरोध किया। इस दौरान कोर्ट परिसर में एक घंटे से अधिक समय तक हंगामा हुआ। हंगामे की सूचना के बाद डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों प्रेमी जोड़े को अपने साथ थाना ले गई। मामला शेखपुरा जिले के बहुआरा इलाके के गगरी गांव के साजन कुमार और मुस्कान का है। दोनों अलग-अलग जाति के हैं और लड़की के परिजनों को उनका रिश्ता मंजूर नहीं था। दोनों के बीच तीन साल से प्यार है। इस कारण उन्होंने भाग कर शादी कर ली। बता दें कि लकड़ी के पिता पंकज कुमार ने बताया कि मेरी लड़की नाबालिग है। 10 सितंबर को मेरी बेटी को नशा का टैबलेट खिलाकर भगाया था। मेरी बेटी को 17 दिनों से मानसिक टॉर्चर किया गया है। अभी जो लड़का बोल रहा है, वही लड़की बोल रही है। वो पहले बेटी को लेकर तमिलनाडु फिर दिल्ली लेकर भागा। अपनी बेटी को खोजने के लिए एक लाख रुपया खर्च कर चुके हैं। बेटी के घर से भगाने के बाद मां की हालत गंभीर है। एक बार मां से मिल ले नहीं तो वो मर जाएगी।

जैसे वक्फ बोर्ड, वैसे ही हिंदू बोर्ड बनना चाहिए; गया में गरजे बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री

गया. बागेश्वर धाम सरकार धीरेन्द्र शास्त्री 27 सितंबर की रात बोधगया पहुंच गए। तीन दिनों 28, 29 और 30 सितंबर तक बोधगया के संबोधि रिसोर्ट में प्रवचन देंगे। धीरेंद्र शास्त्री के स्वागत में पहले से ही 200 की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। जिनके पूर्वजों का पिंडदान भी कराया जाएगा। बोधगया पहुंचने पर बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू राष्ट्र की बात करते हुए कहा कि जैसे वफ्फ बोर्ड है, वैसे ही हिंदू बोर्ड भी होना चाहिए। ये देश हिंदुओं का है। अगर हालात नहीं सुधरे तो भारत भी बांग्लादेश हो जाएगा। भारत के हिंदुओं के साथ हम अत्याचार नहीं होने देंगे। आगामी

योजना के बारे में बताते हुए बाबा बागेश्वर धाम ने कहा कि 21 नवंबर से 29 नंवबर तक संपूर्ण भारत को एक करने के लिए पदयात्रा करेंगे। जो बागेश्वर धाम से 160 किमी की होगी। जिसका उदेश्य सनातनियों को एकजुट करने का है। उन्होने कहा कि वो मोक्ष और ज्ञान की भूमि गया जी में एक बार फिर से आए हैं। बालाजी की कृपा से बहुत जल्द विष्णुपद मंदिर में कथा सुनाएंगे।

वहीं तिरुपति मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी मिलने के विवाद पर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हर मंदिर में गौशाला होनी चाहिए, मंदिरों की शुद्धता बनाए रखने के लिए सरकार को उन्हें हिंदुओं के अधीन छोड़ देना चाहिए। उन्होने उन खबरों का खंडन किया, जिसमें कहा जा रहा था कि वे केवल वीआईपी लोगों से मिल रहे हैं। पितृपक्ष मेला दौरान तीर्थयात्रियों की अत्यधिक संख्या होने के कारण प्रशासनिक स्वीकृति नहीं मिलने के कारण सार्वजनिक रूप से बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री की कथा का आयोजन और दरबार का भी आयोजन नहीं किया जाएगा। रिसोर्ट के एक हॉल में भागवत कथा और दरबार लगेगा। जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है।

बीजेपी कार्यालय में सांसद और विधायकों की बैठकः राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लिया फीडबैक

पटना. बिहार के एक दिवसीय दौरे पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर बीजेपी नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट से नड्डा सीधे सप्तमूर्ति पहुंचे। माल्यर्पण करने के बाद बीजेपी कार्यालय पहुंचे। पार्टी के सांसद और विधायकों के साथ करीब 45 मिनट तक प्रदेश कार्यालय में बैठक की। मीटिंग के बाद सांसद और विधायकों ने कहा कि सदस्यता अभियान को लेकर समीक्षा की गई। कैसे बिहार में ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाये जाएं, इन बिंदुओं पर चर्चा की गई।

खिलाड़ियों को किया सम्मानित

सेवा सप्ताह के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इंटरनेशनल पैरालंपिक खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एक समय में लोग खेल को प्राथमिकता नहीं देते था। ओलंपिक को भी रूटीन कार्यक्रम माना जाता था। पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने इस पर विशेष ध्यान दिया। ओलंपिक के लिए विशेष योजना बनाई। पैरालंपिक को भी पीएम मोदी ने मुख्यधारा में लाने का काम किया। खुद सभी प्लेयर से मिलते हैं। खिलाडियों को प्रोत्साहित करते हैं। हमेशा खड़े रहते हैं। आज इसका नतीजा है कि ओलंपिक और पैरालंपिक में भारत बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

अश्विनी चौबे भी रहे मौजूद

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, पार्टी के सीनियर नेता अश्विनी चौबे, सांसद रविशंकर प्रसाद, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े समेत कई नेता मौजूद रहे। तय कार्यक्रम के मुताबिक नड्डा 4 घंटे तक बिहार में रहेंगे। अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

1 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य

पार्टी सूत्रों की मानें तो 4 सितंबर से लेकर 26 सितंबर तक बिहार में 25 लाख लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। ये देश भर के अन्य राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा माना जा रहा है। हालांकि इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा फिलहाल पार्टी की ओर से जारी नहीं किया गया है। बिहार में पार्टी को एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है।

7 सितंबर को दो दिवसीय दौरे पर आए थे बिहार

इससे पहले बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष 7 सितंबर को पटना आए थे। इस दौरान वे दो दिनों तक बिहार में रुके थे। दो दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने पटना, भागलपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर में सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन किया था। इसके साथ ही पार्टी के पदाधिकारियों के साथ भी बैठक की थी।

हरियाणा में कांग्रेस का मेनिफेस्टोः ओपीएस बहाली, महिलाओं को हर महीने 2 हजार देने-25 लाख तक फ्री इलाज का वादा

चंडीगढ़: हरियाणा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 40 पन्ने का मेनिफेस्टो जारी कर दिया है। इसे चंडीगढ़ में चुनाव ऑब्जर्वर अशोक गहलोत, पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने जारी किया। मेनिफेस्टो में कांग्रेस ने दावा किया कि 18 से 60 साल की महिलाओं के खाते में हर महीने खटाखट 2 हजार रुपए आएंगे। लोगों को 25 लाख तक फ्री इलाज मिलेगा। महिलाओं को सरकारी नौकरी में 33% आरक्षण देंगे। किसानों की हर पैदावार एमएसपी पर बिकेगी। सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) बहाल करेंगे। 2 लाख सरकारी नौकरी और सरकारी विभागों में ठेके पर भर्ती बंद होगी। पंजाब-हरियाणा के बीच विवादित सतलुज-यमुना लिंक नहर को लेकर रहेंगे। हरियाणा कौशल रोजगार निगम बंद करेंगे। किसानों से जुड़े पोर्टल बंद करेंगे। परिवार पहचान पत्र पोर्टल को रिव्यू करेंगे। सरकारी नौकरी में खेल कोटा बहाल होगा। शहीद परिवारों को 2 करोड़ की राशि दी जाएगी।

हालांकि सबसे खास बात यह है कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में अग्निवीर को लेकर कोई जिक्र नहीं है। कांग्रेस लगातार चुनाव में अग्निवीर को शहीद का दर्जा न देने और पेंशन छीने जाने का विरोध करती रही है।

मेनिफेस्टो में कांग्रेस की घोषणाएं

शिक्षाः शिक्षकों के खाली पद भरेंगे। राज्य शिक्षक चयन आयोग बनाया जाएगा। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और संत रविदास जी के नाम पर विश्वविद्यालय बनाए जाएंगे। मेवात में यूनिवर्सिटी बनाएंगे। हर विधानसभा में एक महिला कॉलेज, हर ब्लॉक में महिला आईटीआई बनाएंगे। राज्य शिक्षक सम्मान वाले शिक्षकों की सेवा में 2 साल की बढ़ोत्तरी होगी।

स्वास्थ्यः हर जिले में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, सरकारी नर्सिंग कॉलेज, पैरा मेडिकल, मेडिकल तकनीशियन संस्थान खोलेंगे। राजस्थान कांग्रेस सरकार की तरह चिरंजीवी योजना की तर्ज पर 25 लाख तक निशुल्क इलाज के लिए कैश लैस बीमा योजना लागू करेंगे। मेडिकल शिक्षा फीस घटाएंगे, बॉन्ड पॉलिसी पर पुनर्विचार के लिए कमेटी गठित होगी। 45 साल से अधिक उम्र के लोगों का हर साल फ्री चेकअप होगा।

महिला सशक्तिकरणः जरूरतमंद बुजुर्ग और विधवा महिलाओं को 6000 रुपए मासिक पेंशन देंगे। 500 रुपए में गैस सिलेंडर देंगे। इंदिरा लाडली बहन सम्मान योजना के तहत 18 से 60 वर्ष की सभी महिलाओं को 2000 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। सरकारी नौकरी में महिलाओं को 33% आरक्षण, पंचायती संस्थाओं, नगर पालिकाओं, निगमों-परिषदों में 50% आरक्षण दिया जाएगा। स्कूल, कॉलेज आने जाने वाली छात्राओं के लिए फ्री पिंक मिनी बस और पिंक ई-रिक्शा की शुरुआत की जाएगी। महिलाओं के मालिकाना हक वाली संपत्ति पर 50% हाउस टैक्स की छूट दी जाएगी। स्वरोजगार के लिए 20 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त कर्ज दिया जाएगा।

कृषि-किसानः किसान आयोग का गठन करेंगे। हर पैदावार एमएसपी पर बिकेगी, इसे कानूनी रूप से सुनिश्चत करेंगे। फसल नुकसान का मुआवजा 30 दिन के भीतर मिलेगा। छोटे और सीमांत किसानों को डीजल पर सब्सिडी दी जाएगी। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन में मरे 736 किसानों की याद में सिंधु या टिकरी बॉर्डर पर शहीद स्मारक बनाएंगे। इन्हें शहीद का दर्जा देकर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

सिंचाईः सुप्रीम कोर्ट एसवाईएल नहर के मामले में हरियाणा के पक्ष में फैसला दिया है, इसे लागू कराएंगे। यमुना नदी का पानी राजस्थान को देने का समझौता रद्द करेंगे। शारदा-यमुना लिंक नहर का निर्माण कराएंगे। मेवात नहर परियोजना को पूरा करेंगे। प्रदेश में पानी के समान बंटवारे के लिए बनाई हांसी-बुटाना लिंक नहर परियोजना के कानूनी पहलुओं को जल्द हल कराएंगे।

युवा-नौकरीः दो लाख सरकारी नौकरी देंगे। सरकारी विभागों में ठेके पर भर्ती बंद होगी। हरियाणा कौशल रोजगार निगम को बंद करेंगे। पेपर लीक के लिए सख्त कानून बना फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएंगे। युवाओं को विदेश में नौकरी के लिए हरियाणा विदेशी रोजगार बोर्ड बनाएंगे।

अनुसूचित जातिः हर गरीब परिवार को 100-100 गज का फ्री प्लॉट, दो कमरों का मकान बनाने के लिए 3.5 लाख रुपए देंगे। एससी वर्ग को विभिन्न योजनाओं के लाभ की 1.80 लाख की आय सीमा को बढ़ाएंगे। अन्य पिछड़ा वर्ग में क्रीमी लेयर की सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 10 लाख करेंगे।

वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग और कर्मचारीः 6000 रुपए प्रति माह बुढ़ापा पेंशन, हर जिले में वृद्धाश्रम, हर वरिष्ठ नागरिक का फ्री हेल्थ चेकअप होगा। दिव्यांगों की पेंशन बढ़ाकर 6000 रुपए करेंगे। कर्मचारियों की ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) बहाल करेंगे।

देश में इस साल जनवरी से जून के दौरान 47.8 लाख विदेशी सैलानी आए

देश में इस साल जनवरी-जून के दौरान लगभग 47.8 लाख विदेशी पर्यटक आएं। पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इसमें सबसे ज्यादा पर्यटक बांग्लादेश और अमेरिका से आए। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार हालांकि देश में आने वाले पर्यटकों की संख्या अभी भी कोविड महामारी से पहले के स्तर से पीछे है। इस साल जून में 7,06,045 विदेशी पर्यटक आए, जबकि जून, 2023 में 6,48,008 और जून, 2019 में 7,26,446 विदेशी पर्यटक आए थे। यह संख्या 2023 से नौ प्रतिशत अधिक जबकि 2019 की तुलना में 2.8 प्रतिशत कम है। मंत्रालय ने कहा, "इस साल की पहली छमाही (जनवरी-जून) के दौरान 47,78,374 विदेशी पर्यटक आए, जबकि पिछले साल समान अवधि में 43,80,239 और कोविड महामारी से पहले 2019 की इसी अवधि में 52,96,025 विदेशी पर्यटक आए थे। इस साल का आंकड़ा 2023 की तुलना में 9.1 प्रतिशत अधिक है जबकि 2019 की तुलना में 9.8 प्रतिशत कम है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2024 की पहली छमाही में विदेशी पर्यटकों में सबसे ज्यादा 21.55 प्रतिशत पर्यटक बांग्लादेश से आए।

भारत ने गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध हटाया, व्यापारियों ने इस कदम की सराहना की

केंद्र ने शुक्रवार को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से हटा दिया। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। सरकार ने जुलाई 2023 में चावल की घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए प्रतिबंध लगाया था। निर्यातकों ने पाबंदी हटाने के फैसले की सराहना की और इसे क्षेत्र के लिए अहम करार दिया। 'राइस विला' के सीईओ सूरज अग्रवाल ने कहा, गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने का भारत का साहसिक फैसला कृषि क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी है। अधिसूचना में कहा गया है कि सरकार ने 'पारबॉयल्ड' चावल पर निर्यात शुल्क भी 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है।

सशस्त्र रिजर्व कांस्टेबल ने खुद को गोली मारी

हैदराबाद (ईएमएस)। तेलंगाना में रंगारेड्डी जिले के कलेक्टरेट परिसर में सशस्त्र रिजर्व (एआर) कांस्टेबल ने शनिवार सुबह खुद को गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान बालकृष्ण (27) के रूप में हुई है। वह 2018 बैच के सशस्त्र रिजर्व कांस्टेबल थे और रंगारेड्डी जिले के मूल निवासी थे। कथित तौर पर उन्होंने कलक्ट्रेट भवन के भूतल पर ड्यूटी के दौरान यह कदम उठाया। कांस्टेबल के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर केंद्र ने 10 निर्वाचित सरकारों को "चुराया"

-केजरीवाल का मोदी सरकार पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर 10 निर्वाचित राज्य सरकारों को ''चुराया'' है। दिल्ली विधानसभा में जांच एजेंसियों के ''दुरुपयोग'' पर चर्चा के दौरान केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया, ''मार्च 2016 से मार्च 2024 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 राज्य सरकारों को 15 बार गिराने की कोशिश की, इसमें से 10 सरकारों को गिराने में सफल रहे। ये सरकारें गिराई नहीं गई, बल्कि ये सरकारें चुराई गई। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि अजित पवार, प्रताप सरनाईक और हसन मुश्रिफ जैसे महाराष्ट्र के नेताओं पर भ्रष्टाचार के मामले दर्ज हैं, लेकिन उनके भाजपा में शामिल होने या अपनी मूल पार्टी से अलग होकर उसकी सरकार का समर्थन करने पर उनके खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के मामले वापस लिए गए। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ संबंधों को लेकर भी भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि संघ प्रचारक अपना पूरा जीवन आरएसएस की विचारधारा को समर्पित कर देते हैं और बदले में उन्हें क्या मिलता है।

आयुष्मान में अब 170 आयुर्वेदिक पैकेज होंगे शामिल

-जन औषधि केंद्रों की तरह आयुष औषधि केंद्र भी किए जाएंगे शुरु

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना में अब आयुर्वेदिक पैकेजों को भी शामिल किया जाएगा। इसके लिए आयुष मंत्रालय ने तैयारी कर ली है। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने बताया कि आयुष उपचार को मेनस्ट्रीम हेल्थकेयर सिस्टम से जोड़ने के लिए यह पहल की जा रही है साथ ही बीमा कंपनियों से भी बातचीत चल रही है। शुरुआत में 170 आयुर्वेदिक पैकेजों को आयुष्मान योजना में शामिल किया जाएगा। जैसे-जैसे मांग बढ़ेगी, पैकेज की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाएगी। इसके अलावा, एलोपैथी दवाओं के लिए शुरू किए गए जन औषधि केंद्रों की तरह आयुष औषधि केंद्र भी शुरू किए जाएंगे। अक्टूबर में दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में आयुष औषधि केंद्र शुरू हो जाएगा। आयुष मंत्रालय की योजना छोटे-छोटे गांवों में भी ऐसे मेडिकल स्टोर खोलने की है। इन स्टोर में लोगों को कम कीमत में आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव का कहना है कि आयुर्वेद, होम्योपैथिक, यूनानी चिकित्सा में प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों के सामने एक समस्या होती है कि जो दवाइयां लिखी जाती हैं, मरीजों को उनमें से कई दवाइयां नहीं मिलती। मेडिकल स्टोर्स पर भी आयुष की कम ही दवाएं होती हैं, लेकिन अब इनके लिए स्पेशल मेडिकल स्टोर खोले जाएंगे। प्राइवेट पार्टनरशिप में ऐसे केंद्र शुरू करना का विकल्प होगा। आयुष मंत्री के मुताबिक जिला स्तर पर 50, 30 और 10 बेड के अस्पताल भी बनाए जाएंगे। मेडिकल सीटों में भी बढ़ोतरी की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने आयुष मंत्रालय के 100 दिनों की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि पांच करोड़ लोगों की स्वास्थ्य जांच की योजना पर काम चल रहा है। जिन लोगों की स्वास्थ्य जांच होगी, उनके लिए ऐप तैयार किया जा रहा है, जहां पर उनको खानपान, बीमारी से बचाव व अन्य अहम जानकारियों के नोटिफिकेशन मिल सकेंगे। प्रकृति परीक्षण अभियान को चलाने के लिए देश के सभी आयुर्वेद कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र, डॉक्टर व फैकल्टी की मदद ली जाएगी।

मोदी बोले-हरियाणा में एमपी-राजस्थान की तरह गुब्बारा फूटेगाः कांग्रेस विधायक ने लोगों को घर छोड़ने की धमकी दी

हिसारः हरियाणा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को हिसार में रैली को संबोधित किया। यहां मोदी ने कहा कि हरियाणा में भी कांग्रेस का सरकार बनाने का गुब्बारा राजस्थान और मध्यप्रदेश की तरह फूटेगा। हिमाचल प्रदेश में भी इन्होंने झूठ बोलकर सरकार बनाई। मोदी ने बिना नाम लिए नूंह के फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान की धमकी से जुड़े मामले का जिक्र किया। मोदी ने कहा- भारत में अगर सबसे बड़ा सांप्रदायिक दल कोई है तो वह कांग्रेस है। कांग्रेस की सांप्रदायिकता की सजा हरियाणा भी भुगत रहा है। कांग्रेस के विधायक की धमकी सुनी होगी, कांग्रेस अगर जीती तो लोगों को घर छोड़ना होगा। सत्ता तो अभी मिली नहीं है, लेकिन ये जनता को भड़काने का काम कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस अर्बन नक्सलियों के चंगुल में फंसी हुई है। इनके नेता विदेश में जाकर भारत विरोधियों से मिलते हैं। पाकिस्तान इनकी नीतियों को पसंद क्यों करता है?।

हरियाणा चुनाव को लेकर मोदी की यह तीसरी रैली है। इससे पहले वे 15 सितंबर को कुरुक्षेत्र और 25 सितंबर को सोनीपत के गोहाना में रैली कर चुके हैं। चुनाव को लेकर फरीदाबाद में उनकी चौथी और आखिरी रैली होगी।

हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनानी है

हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनानी है। अभी जब मैं मंच से नीचे मिल रहा था तो सब पुरानी बातें याद करा रहे थे। एक साथी ने याद कराया, मैं जब यहां चुनाव लड़वाता था, तब एक मंत्र जरूरत देता था सबसे मजबूत हमारा पोलिंग बूथ। हिसार में ये सार्वजनिक रूप से कहता हूं। आप कागज पर पांच परिवार के नाम लिख दीजिए ये तय कीजिए इन पांच परिवारों के सब के सब वोट पड़ेंगे।

हरियाणा चुनाव को लेकर मेरा विश्वास बढ़ा

हरियाणा की जनता और हरियाणा भाजपा के कार्यकर्ता एक साथ मिलकर विकास को नई गति देने के लिए तैयार हैं। ये मेरा सौभाग्य है, बूथ स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत करने का अवसर मिला। दो दिन पहले अनेक साथियों से मेरी चर्चा हुई, उनका आत्मविश्वास देखकर मेरा विश्वास और ज्यादा बढ़ गया है। हमे दिन रात जुटना भी है। बूथ तक के सारे साथी लाने पड़ेंगे।

कांग्रेस सांप्रदायिक पार्टी, इनके नेता ने घर छोड़ने की धमकी दी

मोदी ने कहा- भारत में अगर सबसे बड़ा सांप्रदायिक दल कोई है तो वह कांग्रेस है। कांग्रेस की सांप्रदायिकता की सजा हरियाणा भी भुगत रहा है। कांग्रेस तुष्टिकरण के लिए ऐसी मानसिकता को बढ़ावा दे रही है। जिससे हमारी बहन बेटियों पर हमले हो रहे हैं। कांग्रेस के विधायक की धमकी सुनी होगी, कांग्रेस अगर जीती तो लोगों को घर छोड़ना होगा। सत्ता तो अभी मिली नहीं है, लेकिन ये जनता को भड़काने का काम कर रही है। ये वही कांग्रेस है, जिसने हमारे जवानों को वन रैंक वन पेंशन नहीं दी। कांग्रेस झूठ बोलती थी। मैंने हरियाणा के रेवाड़ी से यह गारंटी दी थी कि ओआरओपी लागू करूंगा। हमारी सरकार एक लाख बीस हजार करोड़ से ज्यादा पूर्व सैनिकों को दे चुकी है। हरियाणा के जवानों के खातों में भी दस हजार करोड़ रुपए से ज्यादा जमा कर चुकी है।

पाक, अफगानिस्तान और बांग्लादेश भी हिंदुस्तान में हो शामिलः रिजवी

- पीएम मोदी व योगी मिलकर कर सकते हैं अखंड भारत का सपना पूरा

बरेली,(ईएमएस)। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रिजवी बरेलवी ने एक वीडियो संदेश जारी किया है। इसमें उन्होंने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के उस बयान का समर्थन किया जो उन्होंने पीओके को लेकर कही थी। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि जम्मू कश्मीर में इस वक्त चुनाव चल रहे हैं। चुनाव के मद्देनजर सीएम योगी ने जम्मू कश्मीर का दौरा किया और वहां भाषण दिया। सीएम योगी ने अपने भाषण में कहा था कि सिंध के बगैर हिन्द मुकम्मल नहीं और चुनाव जीतने के बाद कश्मीर, जो पाकिस्तान के नियंत्रण में है, उसे हिंदुस्तान में शामिल किया जाएगा। सीएम योगी के बयान पर मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि सिंध वह हिस्सा है, जो कल तक हमारे हिंदुस्तान का था और 1947 के बाद यह हिस्सा पाकिस्तान में चला गया। हम तो अखंड भारत की बात करते हैं, अखंड भारत होना चाहिए। बात सिर्फ पीओके की नहीं है, पूरा पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश हमारे हिंदुस्तान का हिस्सा है। यह कल हिंदुस्तान का हिस्सा था तो आज हिंदुस्तान का हिस्सा हो सकता है। मौलाना रिजवी ने कहा कि यह बात बिल्कुल सही है कि पीओके ही नहीं पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश को भी हिंदुस्तान में शामिल कर लेना चाहिए ताकि हमारा अखंड भारत का सपना जल्द पूरा हो। आज का माहौल बहुत अच्छा है। केंद्र में और हमारे राज्य में बीजेपी की सरकार है।

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी हैं, यूपी में योगी आदित्यनाथ हैं। ये दोनों मिलकर अखंड भारत का सपना पूरा कर सकते हैं। अगर ये दोनों मिलकर कोशिश करें, तो इंशाल्लाह, वह वक्त दूर नहीं जब भारतीय मुसलमानों और हिंदू भाइयों का सपना, जो अखंड भारत का है, साकार हो सकता है। इस पर काम किया जाना चाहिए। बता दें कि गुरुवार को जम्मू कश्मीर में एक चुनावी सभी में सीएम योगी ने कहा था कि पीओके जल्द ही भारत का हिस्सा बनने वाला है।

हरियाणा में अवैध पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्टः बच्चे समेत 3 जिंदा जले, 7 बुरी तरह झुलसे

सोनीपतः हरियाणा के सोनीपत में अवैध रूप से चल रही पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस आग में 3 लोगों की मौत हो गई है। अब तक 3 शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें एक शव गांव की महिला का, जबकि दूसरा बच्चे का है, तीसरा एक अन्य महिला का है। फैक्ट्री में जोरदार धमाके के बाद ग्रामीणों को हादसे का पता चला। ब्लास्ट से साथ लगते मकानों की दीवारों में दरारें आ गई। जिस मकान में पटाखे बनाए जा रहे थे, वह ढह गया और काम करने वाले मजदूर मलबे में दब गए। यहां 10-12 मजदूर काम कर रहे थे।

हादसे में करीब 6 महिलाओं समेत 7 व्यक्ति बुरी तरह झुलस गए हैं। झुलसे मजदूरों को रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है। आग गैस सिलेंडर में लीकेज के कारण लगी थी। मकान गांव के बीचों बीच है और इसका मलबा हटाने की कार्रवाई जारी है। कुछ ही देर में आग फैल गई और उसमें काम कर रहे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद गांव में अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने उसमें काम कर रहे लोगों को बाहर निकाला। पुलिस ने मकान मालिक वेदप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है। घायलों में इसकी बेटी भी शामिल है। पुलिस को कुछ संदिग्ध चीजें मिली हैं, जिनकी फोरेंसिक टीम द्वारा जांच की जा रही है।

जांच में जुटी पुलिस

ग्रामीणों के अनुसार, 2 महिलाओं व एक बच्चे की आग में जलने से मौत हो गई है, जबकि 5 अन्य को गंभीर हालत में रोहतक PGI ले जाया गया है। एसडीएम श्वेता सुहाग, पुलिस ACP जीत सिंह बेनीवाल व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई है। एक-दो अन्य के शव भी दबे होने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार उनको नहीं पता था कि यहां मकान में पटाखे बनाए जा रहे हैं। मृतकों में एक महिला गांव की संतरा बताई जा रही है।

घायलों में अधिकतर महिलाएं

पुलिस ने मकान मालिक वेदप्रकाश को हिरासत में ले लिया है। इससे पूछताछ कर पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यहां कब से पटाखे बनाने का काम चल रहा था। घायलों में फरमान (26), इसकी पत्नी यासमीन (23), एकरा (22), सिदरा (18), असरा (21), आशी (28) व अंजली (27) शामिल है। घायल अंजलि मकान मालिक की बेटी बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर पीएम मोदी, शाह और नड्डा ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,(ईएमएस)। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने श्रद्धांजलि दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले अमर शहीद भगत सिंह को जयंती पर शत-शत नमन। पीएम मोदी ने लिखा कि भगत सिंह और उनके क्रांतिकारी साथियों ने साहस का परिचय देते हुए साहसिक कार्य किए, जिनका देश की आजादी में बहुत बड़ा योगदान है। वह जब तक जिए एक मिशन के तहत जिए और उसी के लिए उन्होंने अपना बलिदान दे दिया। वह मिशन था भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजादी दिलाना। हम भले ही भगत सिंह न बन पाएं लेकिन, भगत सिंह जैसा देश प्रेम हमारे दिलों में होना चाहिए। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पोस्ट पोस्ट में लिखा- मां भारती के वीर सपूत, अमर शहीद भगत सिंह के त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति ने स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला को प्रचंड कर दिया था। उनके दृढ़ संकल्प और शौर्य ने विदेशी हुकूमत की जड़ें हिला दी। आज उनकी जयंती पर शत-शत नमन करता हूं।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्लांट में लगी भीषण आग, दूर-दूर तक धुंआ ही धुंआ

- प्लांट में 1500 कर्मचारी कर रहे थे काम, जनहानि की सूचना नहीं

चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु के होसुर स्थित टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्लांट में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। इसमें मोबाइल के स्पेयर पार्ट्स बनाए जाते थे। फैक्ट्री होसुर के पास थिमजेपल्ली पंचायत के अंतर्गत कुथानपल्ली गांव में है। इसमें 20 हजार से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। खबर लिखे जाने तक आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा था। इस हादसे के बाद फैक्ट्री के कर्मचारी व आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। दूर से ही धुआं का गुबार उठता हुआ दिखाई दे रहा था। इससे आग बुझाने में दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। आग से फैक्ट्री का भारी नुकसान होने की बात कही जा रही है। आग के बाद ऊंची उठती लपटों को दिखाता एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें दूर-दूर तक सिर्फ धुएं के काले बादल दिख रहे हैं। इस घटना में फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद रायकोट्टई और डेंकानिकोट्टई इलाके से दमकल की गाड़ियां बुलाई गईं। रायकोट्टई पुलिस केमिकल यूनिट में आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। प्लांट के सभी कर्मचारियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। आग लगने के समय प्लांट में 1500 कर्मचारी काम कर रहे थे। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने बयान जारी कर होसुर स्थित प्लांट में आग लगने की पुष्टि की है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा है कि आग लगने पर आपातकालीन प्रोटोकॉल का पालन किया गया और सभी कर्मचारियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई। पुलिस ने कहा कि राहत एवं बचाव के दौरान तीन कर्मचारियों में सांस संबंधी समस्याएं देखने को मिली।

बेंगलुरु कोर्ट का निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर का आदेशः इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए जबरन वसूली का आरोप; कर्नाटक सीएम ने इस्तीफा मांगा

बेंगलुरुः बेंगलुरु की एक स्पेशल कोर्ट ने 27 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। वित्त मंत्री पर इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए जबरन वसूली का आरोप लगाया गया है। जनाधिकार संघर्ष परिषद के आदर्श अय्यर ने बेंगलुरु में शिकायत दर्ज कर केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देने की मांग की थी। याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। अदालत ने बेंगलुरु के तिलक नगर पुलिस स्टेशन को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। अगली सुनवाई 10 अक्टूबर को होगी।

अप्रैल 2024 में की थी शिकायत

जेपी नड्डा का भी नाम जनाधिकार संघर्ष परिषद ने अप्रैल में 42वीं एसीएमएम कोर्ट में दायर याचिका में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ईडी अधिकारियों, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं, तत्कालीन भाजपा कर्नाटक अध्यक्ष नलिन कुमार कटील, बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ शिकायत की थी। शिकायत में कहा गया है कि अप्रैल 2019 से अगस्त 2022 तक व्यवसायी अनिल अग्रवाल की फर्म से लगभग 230 करोड़ रुपए और अरबिंदो फार्मेसी से 49 करोड़ रुपए चुनावी बॉन्ड के जरिए वसूले गए। इधर, इस खबर के सामने आने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्रीय वित्त मंत्री के इस्तीफे की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- स्कीम असंवैधानिक

15 फरवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक फंडिंग के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- यह स्कीम असंवैधानिक है। बॉन्ड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। कोर्ट ने SBI और चुनाव आयोग को आदेश दिया था कि वह इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ा पूरा डेटा सार्वजनिक करे। 21 मार्च को डेटा सामने आया। इसमें पता चला था कि 2018 से 2023 तक देश की 771 कंपनियों ने 11,484 करोड़ के बॉन्ड खरीदे थे। ट्रेडिंग कंपनियों ने सबसे ज्यादा 2955 करोड़ रुपए सियासी दलों को दिए। डेटा सार्वजनिक होने के बाद जुलाई 2024 में कॉर्पोरेट्स और राजनीतिक दलों के बीच लेन-देन की जांच एसआईटी से करवाने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी।

वित्त मंत्री ने लोकसभा चुनाव से पहले कहा था- स्कीम वापस लाएंगे

लोकसभा चुनाव से पहले वित्त मंत्री ने बॉन्ड स्कीम को दोबारा लाने का संकेत दिया था। निर्मला सीतारमण ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर हम सत्ता में आए तो इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को फिर से वापस लाएंगे। इसके लिए पहले बड़े स्तर पर सुझाव लिए जाएंगे। हालांकि कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने उनके इस बयान पर कहा था - अब बीजेपी लोगों को और कितना लूटना चाहती है।

इलेक्टोरल बॉन्ड की शुरुआत

2017 के बजट में उस वक्त के वित्त मंत्री अरुण जेटली ने चुनावी या इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को पेश किया था। 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने इसे नोटिफाई किया। ये एक तरह का प्रोमिसरी नोट होता है। जिसे बैंक नोट भी कहते हैं। इसे कोई भी भारतीय नागरिक या कंपनी खरीद सकती है। अगर आप इसे खरीदना चाहते हैं तो आपको ये स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की चुनी हुई ब्रांच में मिल जाएगा। इसे खरीदने वाला इस बॉन्ड को अपनी पसंद की पार्टी को डोनेट कर सकता है। इस योजना को 2017 में ही चुनौती दी गई थी, लेकिन सुनवाई 2019 में शुरू हुई। 12 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी पॉलिटिकल पार्टियों को निर्देश दिया कि वे 30 मई, 2019 तक एक लिफाफे में चुनावी बॉन्ड से जुड़ी सभी जानकारी चुनाव आयोग को दें।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में सच और झूठ की लड़ाई?

हरियाणा विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम स्तर पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को हरियाणा के चुनाव प्रचार के लिए कार्यकर्ताओं के साथ ऑनलाइन संवाद किया। इस संवाद पर उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा, कांग्रेस का आधार सिर्फ झूठ बोलने का है। कांग्रेस बड़े-बड़े झूठे दावे कर रही है। कांग्रेस के झूठे दावे का करंट कमजोर हो चुका है। मोदी ने कांग्रेस के ऊपर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस अधिकतर समय गुटबाजी और कांग्रेस नेताओं का हिसाब चुकता करने में बीतता है। कांग्रेस जनता के मुद्दों से दूर हो गईं है। हरियाणा की जनता को कांग्रेस के झूठ पर विश्वास नहीं है। हरियाणा में कांग्रेस यदि धोखे से जीत भी गई, तो यहां गांधी परिवार और उनके जीजा का राज होगा। मोदी जी ने कहा कांग्रेस की आंतरिक कलह से हरियाणा का बच्चा-बच्चा परिचित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को झूठी पार्टी बताते हुए, भाजपा कार्यकर्ताओं से हरियाणा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ युद्ध करने का शंखनाद किया है। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में झूठ को लेकर कांग्रेस और भाजपा एक दूसरे के ऊपर आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैं।उससे ऐसा लगता है, महाभारत की युद्ध भूमि में एक बार फिर से धर्म और अधर्म अर्थात झूठ और सच की लड़ाई लड़ी जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा के चुनाव प्रचार में पहली बार पहुंचे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक-एक झूठ पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी भारत में चीन का माल बेचना चाहते हैं। भारत में माल नहीं बनाना चाहते हैं। जिसके कारण हरियाणा के युवाओं को ना तो नौकरी मिल रही है, नाही रोजगार मिल रहा है। चीनी कंपनियों की लिस्ट देखिए,भारत में उनका पार्टनर कौन है। नरेंद्र मोदी झूठ की मार्केटिंग पिछले कई वर्षों से कर रहे हैं। हरियाणा के युवा चोरी-छिपे भाग कर अवैध रूप से लाखों रुपए खर्च करके विदेश जा रहे हैं। बच्चे अपने माता-पिता से मिलने विदेश में चीख और चिल्ला रहे हैं। हरियाणा में कोई जॉब नहीं है। उन्होंने कहा मैं झूठ नहीं बोलता हूं। झूठ बोलना मोदी जी का काम है।10 साल से हरियाणा में भाजपा की सरकार है। इन्होंने कितना झूठ बोला है, यह हरियाणा की जनता को पता है। राहुल ने कहा कि हम कल जम्मू कश्मीर गए थे। वहां के सेव का व्यापार पूरी तरह से ढप्प हो गया है।कश्मीर के सेव का व्यापार अदाणी को मोदी जी ने दे दिया है। हरियाणा में नशे की गंगा बह रही है। हरियाणा के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। नौकरी नहीं मिल रही है। गुजरात के अदानी पोर्ट से हजारों किलो ड्रग्स भारत में बेचा जा रहा है। हरियाणा के युवा नशे के शिकार हो रहे हैं। राहुल गांधी ने 2013 से 2024 के बीच में बोले गए मोदी जी और भाजपा के झूठ की गिनती कराते हुए, राहुल ने अपने आप को सच बोलने वाला बताया। राहुल गांधी ने मोदी जी को झूठ बोलने वाला नेता बताया। हरियाणा के चुनावी मैदान में सच और झूठ की यह लड़ाई मतदाताओं के सहारे, कांग्रेस और भाजपा द्वारा लड़ी जा रही है। जिस तरह से एक दूसरे के ऊपर झूठ बोलने के आरोप दोनों ही पक्षो द्वारा एक दूसरे के ऊपर लगाए जा रहे हैं। उससे कौरव-पांडवों के बीच हुए युद्ध की यादें ताजा हो जा रही हैं। धर्म और अधर्म की लड़ाई, कौरव और पांडवों के बीच में महाभारत का युद्ध लड़ा गया था। ठीक वैसे ही हरियाणा विधानसभा चुनाव का युद्ध कुरुक्षेत्र की भूमि में होता हुआ दिख रहा है। हरियाणा के चुनाव में कौन सच्चा है, कौन झूठा है। इसका फैसला चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा। राहुल गांधी ने अपने आप को युद्धिष्ठर के रूप में पहचान बनाने की कोशिश की है। हरियाणा की जनता ने पिछले 10 सालों में डबल इंजन की सरकारों का सच और झूठ दोनों का अनुभव किया है। कांग्रेस ने पिछले 10 सालों में क्या किया है। यह भी हरियाणा जनता ने देखा है। चुनाव परिणाम ही हरियाणा के झूठ और सच का फैसला करेंगे। हरियाणा के चुनाव में दोनों ही पार्टियों की विश्वसनीयता को लेकर जनता के मन में क्या है। चुनाव परिणाम के बाद पता लग जाएगा कौन झूठा और कौन सच्चा है।

हैदराबाद का विलयः मुक्ति या राजतंत्र से लोकतंत्र की ओर यात्रा?

सत्रह सितंबर 1948 को हैदराबाद रियासत का भारत में विलय हुआ। हालांकि हैदराबाद को भारत का हिस्सा बनाने की कार्यवाही को पुलिस एक्शन कहा जाता है लेकिन वास्तव में यह काम भारतीय सेना ने किया था। इसे आपरेशन पोलो का नाम दिया गया था और इसे जनरल चौधरी के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। इसकी याद में भाजपा इस दिन को हैदराबाद मुक्ति दिवस के नाम से मनाती है, वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार इसे प्रजा पालन दिवस (लोकतंत्र के आगाज़ के दिन) के रूप में याद करती है। भाजपा नेता किशन रेड्डी ने कहा है कि इसे हैदराबाद मुक्ति दिवस के रूप में न मनाना उन लोगों का अपमान है जिन्होंने सैन्य कार्यवाही के जरिए हुए हैदरबाद के विलय के संघर्ष में अपने जीवन का बलिदान दिया था। कुछ अन्य लोग कहते हैं कि नेहरू और पटेल के इस्लामोफोबिया के चलते हैदराबाद को बलपूर्वक भारत में शामिल किया गया। इनमें से अधिकांश बातें या तो एकपक्षीय हैं या पूर्वाग्रहपूर्ण हैं। क्या एक मुस्लिम शासक वाली रियासत को मुस्लिम राज्य (हैदराबाद) कहना उचित है, जबकि वहां हिंदुओं का बहुमत था। इसी तरह, क्या मुस्लिम-बहुल और हिंदू शासक वाले राज्य (कश्मीर) को हिंदू रियासत कहना ठीक होगा?

हालांकि कई अध्येता हैदराबाद और कश्मीर के भारत के विलय को धार्मिक नज़रिए से देखते हैं। लेकिन इसकी मुख्य वजहों में से एक थी भौगोलिक और दूसरी थी राजशाही से लोकतंत्र की ओर यात्रा। कश्मीर में यह किस हद तक हासिल किया जा सका, यह शंकास्पद है क्योंकि इस इलाके में पड़ोसी पाकिस्तान की दखलअंदाजी एक बड़ा मुद्दा है। पाकिस्तान एक मुस्लिम राष्ट्र बनाना चाहता था और मानता था कि मुस्लिम-बहुल होने के कारण कश्मीर का विलय जिन्ना के 'द्विराष्ट्र सिद्धांत' के अनुरूप पाकिस्तान में होना चाहिए। द्विराष्ट्र सिद्धांत के प्रतिपादक सावरकर थे। तो फिर आखिर क्यों नेहरू ने कश्मीर को भारत में शामिल करवाने में रूचि दिखाई? क्या इसके पीछे सिर्फ भौगोलिक विस्तारवाद था या इसका उद्देश्य सामंतवाद और राजशाही के खिलाफ वहां चल रहे लोकतांत्रिक आंदोलन का समर्थन करना था? शेख अब्दुल्ला ने अपने लोकतांत्रिक नजरिए के चलते अपनी मुस्लिम कान्फ्रेंस का नाम बदलकर नेशनल कान्फ्रेंस किया। वे धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार थे और गाँधी और नेहरु के धर्मनिरपेक्ष-लोकतान्त्रिक मूल्यों के समर्थक थे। पाकिस्तानी सेना के आक्रमण, जिसे कबायलियों का हमला बताया गया, को पर्दे के पीछे से अमरीका और ब्रिटेन द्वारा शह दिए जाने से समस्या और जटिल हो गई। इसके अलावा सार्वभौमिकता का मसला भी था। राजा-नवाब और कई अन्य लोग भी रियासतों पर उनके शासकों के धर्म के आधार पर लेबल चस्पा करते थे। भारतीय राष्ट्रवादी मानते थे कि सार्वभौमिकता जनता में निहित होती है न कि शासकों में। हैदराबाद के भारतीय संघ में विलय के जटिल मसले को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। भारत के स्वतंत्र होने पर उस समय मौजूद 600 से अधिक रियासतों को विकल्प दिया गया था कि वे या तो अपनी रियासत का भारत या पाकिस्तान में विलय कर लें, या फिर स्वतंत्र रहें। अंग्रेजी राज में इन रियासतों को कुछ हद तक स्वायत्ता हासिल थी, लेकिन अब उनके सामने असमंजस की स्थिति थी। उनमें से अधिकतरहे शासक आजाद बने रहना चाहते थे। लार्ड माउंटबेटन ने उन्हें सलाह दी कि उन्हें अपनी रियासत का उस देश में विलय करना चाहिए जो भौगोलिक दृष्टि से उनकी रियासत के निकट हो। ज्यादातर रियासतों का विलय, सरदार पटेल की निगरानी में किआ जा रहा था और माउंटबेटन ने रियासतों के राजाओं-नवाबों को रक्षा, संचार और विदेशी मामलों को छोड़कर ज्यादातर अन्य मामलों में अपेक्षाकृत अधिक स्वायत्ता देने का वायदा किया था। इसके बदले में उन्हें यह आश्वासन दिया गया था कि वे उनकी अकूत संपत्ति और धन के स्वामी बने रहेंगे। अंततः अधिकांश रियासतों ने भारत का हिस्सा बनने का फैसला किया। त्रावणकोर के हिंदू शासक भी काफी हिचकिचाहट के बाद भारत का हिस्सा बनने के लिए राजी हुए। कश्मीर के राजा हरिसिंह ने अपनी रियासत का भारत में विलय करने से इंकार कर दिया और हैदराबाद के निजाम भी इसके लिए राजी नहीं हुए। जैसा कि ऊपर बताया गया है, भारतीय नेता मानते थे कि सार्वभौमिकता राजाओं में नहीं वरन् जनता में निहित है। इन राजाओं में से अधिकांश अंग्रेजों के प्रति वफादार थे और काफी ऐशोआराम की जिंदगी बसर कर रहे थे। जूनागढ़ को सैन्य कार्यवाही के माध्यम से भारत में शामिल किया गया और इसके बाद हुए जनमत संग्रह में जनता ने इस निर्णय की पुष्टि की।

आदिवासीयों को मुख्यधारा में जोड़ने की कोशिश

> टोटोपारा इलाके के टोटो जनजाति के लोग भूटान से आकर उत्तर बंगाल की सीमा पर आकर बस गए। इनमें अनेक ऐसी जनजातियां भी हैं जो एक जमाने में अपराधी जाति के रूप में ही जानी जाती थीं उन्हें भूटान के राजा ने अपने राज्य से निष्कासित कर दिया था। मेंघालय में रहने वाली खासी जनजाति के लोग मूलतः कम्पूचिया के हैं और माइग्रेट होकर कुछ सौ वर्ष पहले ही मेंघालय में आकर बसे हैं। ये खमेंर जनजाति का अंग हैं। देंजोंग भूटिया जनजाति जो सिक्किम की वफादार जनजाति है, वह तिब्बत से आकर बसे हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल के वीरभूम और मिदनापुर जिले से माइग्रेट करके संथाल जनजाति के लोग झारखण्ड के संथाल परगना में जाकर बस गए हैं।

संजय गोस्वामी

आदिवासी शब्द दो शब्दों आदि और वासी से मिल कर निर्मित है और इसका अर्थ है जो आदि काल से वास कर रहा हो अर्थात मूल निवासी।भारत में जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा आदिवासियों का है। लोगों का ध्यान आकर्षित करने और मनोरंजन के लिए ही लोग आदिवासी समाज और सुसंस्कृति की ओर जाते रहे हैं। नतीजा हमारे सामने है उनके जीवन और रीति- रीवाजों के बारे में सनसनीखेज ब्योरे तो खूब मिलते हैं, पर उनके पारिवारिक जीवन की मानवीय व्यथा नहीं। उनके अलौकिक विश्वास, जादू टोने और विलक्षण अनूष्ठानों का आँखों देख हाल तो मिलता है, पर उनकी जिंदगी के हर सिम्त हाड़तोड़ संघर्ष की बहुरूपी और प्रमाणिक तस्वीर नहीं मिलते हैं। वे आज भी आदमी की अलग नस्ल के रूप में पेश किए जाते हैं। पुरातन संस्कृत ग्रंथो में आदिवासियों को अत्विका और वनवासी भी कहा गया है। संविधान में आदिवासियों के लिए अनुसूचित जनजाति पद का उपयोग किया गया है। भारत के प्रमुख आदिवासी समुदायों में संथाल,गोंड, मुंडा, हो, बोडो, भील, खासी, सहरिया, गरासिया, मीणा, उरांव, बिरहोर आदि हैं। महात्मा गांधी ने आदिवासियों को गिरिजन (पहाड़ पर रहने वाले लोग) कह कर संबोधित किया था। इस पर वामपंथी मानविज्ञानियों ने प्रश्न उठाया था कि क्या ये मैदान में रहने वालों को मैदानी कहा जाता है। आदिवासी को दक्षिणपंथी लोग वनवासी या जंगली कहकर पुकारते हैं। इस तरह के नामों के पीछे बुनियादी रूप से यह धारणा काम कर रही होती है कि आदिवासी जंगल में वास करते हैं। वे देश के मूल निवासी हैं या नहीं तथा आर्य यहीं के मूल निवासी हैं या बाहर से आए हैं। भारत के मूलनिवासी कौन हैं, ये तमाम प्रश्न अभी भी भारतीय मानव विज्ञान में उलझा हुआ है। आमतौर पर आदिवासियों को भारत में जनजातीय लोगों के रूप में जाना जाता है। आदिवासी मुख्य रूप से भारतीय राज्यों उड़ीसा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक है जबकि भारतीय पूर्वोत्तर राज्यों में यह बहुसंख्यक हैं, जैसे मिजोरम। भारत सरकार ने इन्हें भारत के संविधान की पांचवी अनुसूची में अनुसूचित जनजातियों के रूप में मान्यता दी है। अक्सर इन्हें अनुसूचित जातियों के साथ एक ही श्रेणी अनुसूचित जातियों और जनजातियों में रखा जाता है जो कुछ सकारात्मक कार्रवाई के उपायों के लिए पात्र है। आदिवासी के अपने जनजातीय संप्रदाय हैं, जो इस्लाम या वैदिक हिंदू धर्म से अलग हैं पर तांत्रिक शैव के अधिक करीब हैं। 19 वीं सदी के दौरान ईसाई मिशनरियों द्वारा इनकी एक बडी-संख्या का परिवर्तन कराकर ईसाई बना दिया गया। माना जाता है कि हिंदुओं के देव भगवान शिव भी मूल रूप से एक आदिवासी देवता थे लेकिन आर्यो ने भी उन्हें देवता के रूप में स्वीकार कर लिया। जब सदानी जातियों की मूल जाती नागवंशियों ने छोटानागपुर में राज्य बनाया था। खुखर राज्य के पहले राजा नागवंशी फणीमुकूट राय थे जिन्होंने मुंडाओं के सहयोग से राज्य की स्थापना की थी। नाग जाति के बारे में अभी तक पर्याप्त शोध नहीं हुए हैं किन्तु डॉ. अम्बेडकर तथा कई अन्य विद्वानों ने जो प्रमाण और साक्ष्य जुटाए हैं वे नाग जाति के इतिहास के अस्तित्व को स्पष्ट स्थापित करते हैं। नाग जाति बहुत सुसंस्कृत, बहादुर और शांतिप्रिय जाति रही हैं इस जाति ने गौतम बुद्ध के नेतृत्व में सैकड़ों वर्षों तक ब्राह्मण धर्म के जातिभेद और छुआ दू छूत के खिलाफ संघर्ष किया था। हिन्दूओं ने अपने बहुत से पर्व दृ त्योहार इस जाती के संस्कृति से लिए हैं प्रसिद्ध राजा शशांक इसी नाग जाति के थे। आदिवासियों का जिक्र रामायण में भी मिलता है, जिसमें राजा गोहु और उनकी प्रजा चित्रकूट में श्रीराम की सहायता करती है। आधुनिक युग में एक आदिवासी बिरसा मुंडा, एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक धार्मिक नेता भी थे। रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि भी एक भील आदिवासी थे। बहुत से छोटे आदिवासी समूह आधुनिकीकरण के कारण हो रहे पारिस्थिति की पतन के प्रति काफी संवेदनशील हैं। व्यवसायिक वानिकी और गहन कृषि दोनों ही उन जंगलों के लिए विनाशकारी साबित हुए हैं जो कई शताब्दियों से आदिवासियों के जीवन यापन का स्रोत रहे थे। आदिवासियों के विशेषज्ञ जे. जे. राय बर्मन के अनुसार आदिवासियों में सभी जातियां मूल आदिवासी जाति की केटेगरी में नहीं आतीं, इसी तरह मूल आदिवासियों में अनेक जनजातियां बाहर से आयी हैं। आज इन जनजातियों के लोग जहां रहते हैं वहां वे मूल रूप से नहीं रहते थे। मसलन मणिपुर के कूकी आदिवासी, मिजोरम के लूसिस जनजाति के लोग मूलतः दक्षिण चीन और चिन पर्वत के निवासी हैं। ये लोग कुछ सौ साल पहले ही स्थानान्तरित होकर भारत में आए हैं। कूकी को ब्रिटिश शासकों ने नागा बहुल इलाकों में बसाया था। जिससे नागा और वैष्णवपंथी मैइती जनजाति के बीच में बफर जॉन पैदा किया जाए। लूसी जनजाति से सैलो का संबंध है इसके मुखिया को ब्रिटिश शासकों ने ठेकेदार के रूप में बढ़ावा दिया जिससे वह मिजोरम में सड़कें बनाए। इस तरह अन्य जगह से लाकर बसाए गए आदिवासियों की बस्तियों का दायरा धीरे-धीरे त्रिपुरा तक फैल गया। जिसे इन दिनों तुइकुक के नाम से जानते हैं। यहा त्रिपुरा के राजा की नीति थी एउसने अपने राज्य में रियांग और चकमा जनजाति के लोगों को बाहर से लाकर बसाया। जिससे कॉटन मिलों के लिए झूम की खेती के जरिए कॉटन का अबाधित प्रवाह बनाए रखा जा सके। बोडो जनजाति के लोग मूलतः भूटान के हैं और बाद में वे असम में आकर बस गए। टोटोपारा इलाके के टोटो जनजाति के लोग भूटान से आकर उत्तर बंगाल की सीमा पर आकर बस गए। इनमें अनेक ऐसी जनजातियां भी हैं जो एक जमाने में अपराधी जाति के रूप में ही जानी जाती थीं उन्हें भूटान के राजा ने अपने राज्य से निष्कासित कर दिया था। मेंघालय में रहने वाली खासी जनजाति के लोग मूलतः कम्पूचिया के हैं और माइग्रेट होकर कुछ सौ वर्ष पहले ही मेंघालय में आकर बसे हैं। ये खमेंर जनजाति का अंग हैं। देंजोंग भूटिया जनजाति जो सिक्किम की वफादार जनजाति है, वह तिब्बत से आकर बसे हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल के वीरभूम और मिदनापुर जिले से माइग्रेट करके संथाल जनजाति के लोग झारखण्ड के संथाल परगना में जाकर बस गए हैं। ये ऐतिहासिक तथ्य हैं। लेकिन इस ऐतिहासिक तथ्य से मनुष्य कहलाने का अधिकार नहीं छीन जाता। जब तक जंगल तथाकथित सभी लोगो को डराता रहा तब तक उसमें निवास करने वाले आदिवासी सुरक्षित थे। प्रकृति की गोद में अलमस्त सी जिन्दगी से इन्हें कोई शिकवा शिकायत भी नहीं थी।

अब अदालत में लहसुन की सुनवाई

> हमारे वैद्य जी कहते हैं कि लहसुन में रासायनिक तौर पर गन्धक की आधिक्य होती है। इसे पीसने पर ऐलिसिन नामक यौगिक प्राप्त होता है जो प्रतिजैविक विशेषताओं से भरा होता है। इसके अलावा इसमें प्रोटीन, एन्ज़ाइम तथा विटामिन बी, सैपोनिन, फ्लैवोनॉइड आदि पदार्थ पाए जाते हैं।अक्सर लहसुन खली पेट खाने की सलाह दी जाती है। लहसुन को लेकर कहावते उतनी नहीं हैं जितनी प्याज को लेकर है। प्याज को काटा जाता है ,लहसुन को छीला जाता है । लहसुन की पैकेजिंग प्रकृति ने मक्के के भुट्टे की तरह बहुत आकर्षक तरीके से की है। जाहिर है कि ये विशेष कंद है अन्यथा इसे धरती के भीतर आलू की तरह उगने के लिए न छोड़ दिया जाता ? कहते हैं कि लहसुन एक दक्षिण यूरोप में उगाई जाने वाली प्रसिद्ध फसल है।

राकेश अचल

मुझे आज लेबनान पर हो रहे हमलों पर लिखना था, लेकिन लिख रहा हूँ लहसुन के बारे में। हमारे देश की अदालतें इतनी दरियादिल हैं कि वे एक और यदि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की नागरिकता के मामले की सुनवाई करतीं हैं तो दूसरी तरफ लहसुन पर आयी याचिका की सुनवाई भी करतीं हैं और वो भी चीनी लहसुन के मामले की। लहसुन को हमारे यहाँ लशुन भी कहते है। लहसुन हालाँकि प्याज जाति का कंद है किन्तु प्याज की गाँठ होती है और लहसुन की कलियाँ। अदालत में विवाद उस लहसुन का है जो हमारा नहीं बल्कि चीन का है ,और चीनी लहसुन पर भारत सरकार ने रोक लगा रखी है ,फिर भी चीन का लहसुन भारतीय बाजारों में इफरात में बिक रहा हैमामला दिलचस्प है इसलिए मैंने दूसरे तमाम विषयों को तिलांजलि देकर लहसुन पर लिखा शुरू कर दिया। प्रतिबंध के बावजूद चीन के खतरनाक लहसुन के धड़ल्ले से देश में आने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने खाद्य सुरक्षा आयुक्त और कलेक्टर को कार्रवाई करने का आदेश दिया है। फरियादी की ओर से पेश किए गए चीन के लहसुन को प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के पेश हुए अफसर से सील करवा दिया। अदालत ने 15 दिन में इसकी जांच रिपोर्ट मांगी है।इलाहबाद का हाईकोर्ट सचमुच सम्वेदनशील है। हर मामले में संवेदनशील है । राहुल गाँधी की नागरिकता के मामले में भी और चीनी लहसुन की बिक्री के मामले में भी। आपको ये जानकर हैरानी होगी की इलाहबाद हाईकोर्ट में लंबित मामलों की संख्या 10.74 लाख है। देश में 25 हाईकोर्ट में से इलाहाबाद हाईकोर्ट इस मामले में सबसे आगे है। ये राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड (एनजेडीजी) के आंकड़े हैं। बहरहाल लहसुन पर लौटते है। इलाहबाद हाईकोर्ट ने कहा कि खाद्य सुरक्षा आयुक्त और लखनऊ के डीएम हेल्पलाइन नंबर जारी करें, जिससे लोग चीन के लहसुन की बिक्री की शिकायत उस पर दर्ज करवा सकें। कोर्ट ने इस नंबर पर मिलने वाली शिकायतों पर सख्त करवाई करने के निर्देश दिए हैं।न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ल की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया। मोतीलाल ने खतरनाक चीनी लहसुन की बिक्री की प्रकाशित खबरों को याचिका के साथ लगाकर इसपर सख्त प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया था। फरियादी का कहना है की देश में 2014 से ही इस लहसुन की बिक्री प्रतिबंधित है, इसके बावजूद बाजारों में यह खुलेआम बिक रहा है।

लहसुन भले ही हमारे यहां औषधीय माना जाता है लेकिन कुछ लोग हैं जो इसे हाथ भी नहीं लगाते ,उनके लिए लहसुन अस्पृश्य है । हमारे वैद्य जी कहते हैं कि लहसुन में रासायनिक तौर पर गन्धक की आधिक्य होती है। इसे पीसने पर ऐलिसिन नामक यौगिक प्राप्त होता है जो प्रतिजैविक विशेषताओं से भरा होता है। इसके अलावा इसमें प्रोटीन, एन्ज़ाइम तथा विटामिन बी, सैपोनिन, फ्लैवोनॉइड आदि पदार्थ पाए जाते हैं।अक्सर लहसुन खली पेट खाने की सलाह दी जाती है। लहसुन को लेकर कहावते उतनी नहीं हैं जितनी प्याज को लेकर है। प्याज को काटा जाता है ,लहसुन को छीला जाता है । लहसुन की पैकेजिंग प्रकृति ने मक्के के भुट्टे की तरह बहुत आकर्षक तरीके से की है। जाहिर है कि ये विशेष कंद है अन्यथा इसे धरती के भीतर आलू की तरह उगने के लिए न छोड़ दिया जाता ? कहते हैं कि लहसुन एक दक्षिण यूरोप में उगाई जाने वाली प्रसिद्ध फसल है। भारत में लहसुन की खेती को ज्यादातर राज्यों में की जाती है लेकिन इसकी मुख्य रूप से खेती गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु में की जाती है। इसका 50 प्रतिशत से भी ज्यादा उत्पादन गुजरात और मध्यप्रदेश राज्यों में किया जाता है। हमारे यहां एग्रीफाउंड वाइट (जी. 41), यमुना वाइट (जी.1), यमुना वाइट (जी.50), जी.51, जी.282, एग्रीफाउंड पार्वती (जी.313) और एच.जी.1 प्रजाति का लहसुन मिलता है ,लेकिन हमारे पड़ौसी देश चीन ने हमारे लहसुन के सामने अपना लहसुन खड़ा कर दिया।

आपको शायद पता हो या न हो लेकिन भारत में साल 2014 से ही प्रतिबंधित किया गया ,लेकिन चाइनीज लहसुन भारतीय मंडियों और खुदरा बाजार में धड़ल्ले से बेचा जा रहा है. जिस लहसुन को देसी समझकर आप अपने घर ले जा रहे हैं और दाल-सब्जी में तड़का मारकर खा रहे हैं, वह सिंथेटिक रूप से खतरनाक कैमिकल्स से बना फंगस वाला चाइनीज लहसुन हो सकता है। चीनी लहसुन का अवैध व्यापार एक लम्बे अरसे से जारी है। चीन अक्सर नेपाल और बांग्लादेश के रास्ते इसकी यहां डंपिंग करता है. इन दोनों ही देशों के साथ भारत लहसुन का ड्यूटी फ्री व्यापार करता है. भारत पहुंचने वाला चीनी लहसुन कई बैक्टीरिया और बीमारियों को साथ लेकर पहुंचता है. ये लोगों की सेहत पर असर डालता है। हाल में एक वायरल वीडियो में दावा किया गया है कि चीन में लहसुन 'सीवर के पानी' में पैदा होता है. इसे सफेद दिखाने के लिए आर्टिफिशियल तरीके से 'ब्लीच' किया जाता ह। आपको शायद पता न हो लेकिन हकीकत ये है KI भारत में करीब 32.7 लाख टन लहसुन का उत्पादन होता है. भारत में सबसे ज्यादा लहसुन का उतपादन मध्य प्रदेश में होता है। हालांकि चीन में उत्पादन गिरने के बावजूद वह दुनिया में नंबर-1 है । चीन में हर साल करीब 2 से 2.5 करोड़ टन लहसुन का उत्पादन होता है, चीन के मुकाबले भारत का लहसुन थोड़ा छोटे आकार का होता है। वहीं इसका रेट चीन के मुकाबले काफी कम है। चीनी लहसुन की ग्लोबल मार्केट में 1250 डॉलर प्रति टन कीमत है, तो वहीं भारतीय लहसुन 450 से 1000 डॉलर प्रति टन तक मिलता है। इसलिए भारत गरीब से लेकर अमीर देशों तक के हिसाब से लहसुन की क्वालिटी उपलब्ध करा पाता है। चीनी लहसुन की मांग अधिकतर अमेंरिका और यूरोपीय देशों में है, जबकि भारत मलेशिया, थाईलैंड, नेपाल और वियतनाम को लहसुन का बड़े पैमाने पर निर्यात करता है। बावजूद इसके भारतीय चमकदार बगुलामुखी रंग की दीवानगी के फेर में पढ़कर चीनी लहसुन खरीद लाते हैं। दुर्भाग्य ये है कि जिस तरह हमारी सरकार चीनी घुसपैठ रोकने में नाकाम है उसी तरह लहसुन की घुसपैठ के मामले में भी नाकाम है।

दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

ललित गर्ग

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेंडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। अमानक पाई गई दवाइयों के ये मामले तो तब आए हैं जब पहले से ही दवाओं की गुणवत्ता तय करने के लिए कई सख्त प्रक्रियाएं होती हैं। इनमें कच्चे माल की जांच और निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण तक शामिल होता है। इसके बावजूद नामी दवा निर्माता कंपनियों के उत्पाद भी मानकों पर खरे नहीं उतरें तो यह माना जाना चाहिए कि कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में ये कंपनियां नैतिकता एवं मानवीयता को ताक पर रखने लगी है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब दवाइयां गुणवत्ता के पैमानों पर खरी नहीं उतरी हैं।

आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। चिंता यह भी कि यदि रैंडम सैम्पलिंग में ये दवाइयां पकड़ी नहीं जाएं तो इनकी खुलेआम बिक्री लोगों की सेहत पर खतरा बन कर मंडराती रहती हैं। एक तरफ सीडीएससीओ ने दवाओं की सुगम आपूर्ति के लिए अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा व यूरोपीय संघ के कुछ चुनिंदा देशों से आयातित दवाओं को नियमित नमूना परीक्षण से छूट दी है, वहीं देश के बाजारों में पहुंची दवा निर्माता कंपनियों की दवाओं में मिलने वाली यह खोट हमारी छवि पर विपरीत असर डालने वाली है। दवा परीक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य ही है क्योंकि दवा कारोबार में हेराफेरी का खेल लोगों की जान का दुश्मन बन सकता है।

जवानी में ध्यान रखेंगे तो बुढ़ापे में नहीं सताएंगी आंखों की बीमारियां

लंबे समय तक मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर और टीवी देखने के कारण हम अपनी पलकें सामान्य से कम झपकते हैं। इस कारण हमारी आई ग्लैंड सूख जाती हैं और आंखों में ऐसा लगने लगता है, जैसे कुछ किरकिरा रहा है। जबकि वास्तव में कुछ होता नहीं है। आंखों में जमा हुए ये आंसू इंफेक्शन की वजह बन सकते हैं, जिस कारण लगातार आंखों से पानी बहते रहने की समस्या हो जाती है। इसका इलाज डॉक्टर से तुरंत कराना चाहिए। यूं ही मेडिकल स्टोर से दवाएं लेकर उपयोग ना करें।

बहुत साधारण-सी बात है कि जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, हमारे आंखें कमजोर होने लगती हैं। इसकी वजह पलकों की झुर्रियां, रेटिना का सिकुड़ना और आंखों की मसल्स का कमजोर होना होते हैं। साथ ही मोतियाबिंद जैसे रोग भी होते हैं, जो बढ़ती उम्र के साथ आंखों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। ये सभी प्राकृतिक कारण हैं। जबकि हम लोग तो टेक्नो वर्ल्ड में जीने के नाम पर अपनी आंखों के खुद ही दुश्मन बन बैठे हैं...बिना पलकें झपकाए देर तक मोबाइल स्क्रीन जो निहारते रहते हैं। ऐसे में बढ़ती उम्र के साथ आंखों की सेहत बहुत तेजी से गिर रही है। यहां जानें बढ़ती उम्र में होनेवाली आंखों से जुड़ी बीमारियों और उनके इलाज के बारे में...

आंखों का सूख जाना

- लंबे समय तक मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर और टीवी देखने के कारण हम अपनी पलकें सामान्य से कम झपकते हैं। इस कारण हमारी आई ग्लैंड सूख जाती हैं और आंखों में ऐसा लगने लगता है, जैसे कुछ किरकिरा रहा है। जबकि वास्तव में कुछ होता नहीं है। आंसू बनानेवाली ग्लैंड के सूख जाने से ये समस्याएं होती हैं...
- आंखों में जलन होना
- धुंधला दिखना
- नजर कमजोर होने से सिर में दर्द रहना
- आखें लाल होना
- तेज रोशनी सहन ना कर पाना
- प्राकृतिक रोशनी में आंखें ना खोल पाना जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

क्यों हो जाती हैं आंखे लाल, जानें कारण

- हमारी आंखों की जिन नलियों में आंसू बनते हैं यदि वहां किसी कारण सूजन आ जाए तो ये आंसू बाहर नहीं निकल पाते हैं। इन नलियों को मेडिकल की भाषा में टियर डक्ट्स कहते हैं। टियर डक्ट्स से बाहर ना निकल पाने की स्थिति में आंसू सेक बैग (एक तरह की थैली) में जमा होने लगते हैं।
- आंखों में जमा हुए ये आंसू इंफेक्शन की वजह बन सकते हैं, जिस कारण लगातार आंखों से पानी बहते रहने की समस्या हो जाती है। इसका इलाज डॉक्टर से तुरंत कराना चाहिए। यूं ही मेडिकल स्टोर से दवाएं लेकर उपयोग ना करें।

बहुत सामान्य है प्रेसबियोपिया की समस्या

- कभी प्रेसबियोपिया की समस्या 40 की उम्र के बाद हुआ करती थी। लेकिन अब यह टीनेजर्स में भी देखने को मिल जाती है। इसके लिए हमारी लाइफस्टाइल, खान-पान और गैजेट्स का सबसे अधिक जिम्मेदार है।
- इस समस्या में व्यक्ति को पढ़ने-लिखने में दिक्कत होती है। किसी को पास की चीजें पढ़ने में दिक्कत आती है तो किसी को दूर की चीजें पढ़ने में। इन समस्याओं को नजर का चश्मा, रीडिंग ग्लासेज़ और अच्छी डायट के जरिए सुधारा जा सकता है।

मोतियाबिंद

- मोतियाबिंद में पेशंट को धुंधला दिखाई देता है और जब समस्या अधिक बढ़ जाती है तो दिखाई देना बिल्कुल बंद हो जाता है। कई बार मोतियाबिंद के कारण अलग-अलग रोशनी में वस्तुओं को देखना और पहचानना मुश्किल होता है। क्योंकि कई बार चीजें एक की जगह दो दिखाई देती हैं तो कई बार इमेज क्लियर नहीं होती है।
- लेकिन एक सामान्य सर्जरी के द्वारा मोतियाबिंद की समस्या का इलाज संभव है। इसलिए आपको इस समस्या के साथ परेशान रहने की जरूरत नहीं है बल्कि आंखों के डॉक्टर से मिलकर आप इस बीमारी का इलाज करा सकते हैं।

ग्लुकोमा की समस्या

- ग्लुकोमा आंखों से संबंधित एक ऐसी बीमारी है, जिसके शुरुआती लक्षणों के बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। यह रोग अनुवांशिक तौर पर भी हो सकता है और शुगर के बढ़े हुए स्तर के कारण भी हो सकता है। कई बार दवाओं के रिऐक्शन के कारण भी ग्लुकोमा की समस्या होती है। रोगी की स्थिति के आधार पर डॉक्टर इसका इलाज करते हैं।

ऐसे बचें इन समस्याओं से

- आंखों की सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से बचने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप अपना स्क्रीन टाइम कम करें।
- इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर काम करते समय पलकें झपकाने का ध्यान रखें, आंखों से निश्चित दूरी पर इन गैजेट्स को रखकर इनका उपयोग करें।
- दिन में दो बार साफ और ठंडे पानी से आंखें धुलें। आंखों में 2 से 3 मिनट तक ठंडे पानी के छींटे दें।
- नहाते समय मुंह में पानी भरकर रखें और मग में पानी लेकर उसमें आंखों को कुछ देर के लिए डुबोंए। इस दौरान लगातार पलकें झपकाते रहें। इससे आंखों की थकान दूर होगी और रोशनी सही बनी रहेगी।
- यदि कई घंटे स्क्रीन पर काम करते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि इस दौरान रोशनी की सही व्यवस्था हो ताकि आंखों पर बुरा असर ना पड़े।
- किसी आई स्पेशलिस्ट से मिलकर एक अच्छी आई ड्रॉप के बारे में बात करें, जो आपकी आंखों पर स्क्रीन से पड़नेवाले बुरे असर को कम करे और आपकी आंखें लंबे समय तक स्वस्थ बनी रहें।

अकेलेपन से घबराए नहीं, उसे आप अपना दोस्त बनाएं

अकेलापन और सामाजिक अलगाव आज के समय महामारी का रूप लेता जा रहा है। तकनीक की इस दुनिया में लोगों का भावनात्मक रूप से जुड़ाव खत्म हो चुका है। लोगों के पास समय की कमी की वजह से मेलजोल भी समाप्त हो चुका है, जिसका सीधा असर हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर दिखाई दे रहा है। ऐसे में हमे अकेलापन दूर करने के उपाय के बारे में जानना होगा। अकेलापन इतनी गंभीर समस्या है कि व्यक्ति तनाव या अवसाद की स्थिति पर चला जाता है।

अकेलापन मानवीय अवस्था का एक पहलु हैं। मानवक्या हर जीव, जंतु, पेड़ पौधे, आदि हमेशा से अकेले रहते हैं। मानव एक सामाजिक प्राणी होने के नाते वह शुरू से अकेला रहता, फिर स्कूल कॉलेज, ऑफिस में संगसाठी मिलते हैं, शादी विवाह करता, परिवार बनता हैं और उनमे रहकर अपना जीवन यापन कर जीवन का अंत कर लेता हैं। जैसे जन्म अकेला होता हैं उसी प्रकार मरणोपरांत उसे अकेले ही यात्रा करनी पड़ती हैं। ये किसी किसी को ही सुखद अनुभूति होती हैं।

अकेलापन वहां होता हैं जहाँ एक विचारधारा के लोग मिल जाते हैं वहां एकांत भी होता हैं और अकेलापन का अहसास मिलता हैं। किसी किस्से की प्रवत्ति अंतरमुखी होने से वे एकाकी जीवन जीने का लुफ्त उठाते हैं और किसी किसी का जीवन साथी/मित्र/सखा अचानक छोड़कर चले जाते हैं जैसे नौकरी में स्थानांतरण होने से या कभी कभी बिछुड़ जाने सेया पति पत्नी में से किसी एक का वियोग और अपनी संतान के न होने से मनुष्य टूट जाता हैं।

अकेलापन और सामाजिक अलगाव आज के समय महामारी का रूप लेता जा रहा है। तकनीक की इस दुनिया में लोगों का भावनात्मक रूप से जुड़ाव खत्म हो चुका है। लोगों के पास समय की कमी की वजह से मेलजोल भी समाप्त हो चुका है, जिसका सीधा असर हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर दिखाई दे रहा है। ऐसे में हमे अकेलापन दूर करने के उपाय के बारे में जानना होगा।

अकेलापन इतनी गंभीर समस्या है कि व्यक्ति तनाव या अवसाद की स्थिति पर चला जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि अकेलापन और सामाजिक अलगाव प्रारंभिक मृत्यु दर के जोखिम के साथ जुड़े हुए हैं। आपको बता दें कि सामाजिक रूप से जुड़े होने से न केवल मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक कल्याण होता है बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

हालांकि अकेलापन आमतौर पर सामाजिक अलगाव के साथ जुड़ा हुआ है, दोनों के बीच भेद करना महत्वपूर्ण है। सामाजिक अलगाव का मतलब है कि दूसरे लोगों के संपर्क में कमी है, जबकि अकेलापन मन की स्थिति दर्शाता है।।

हमे अपनी भावनाओं पर कंट्रोल नहीं है जिसकी वजह से कुछ ऐसी चीजें कर बैठते हैं जिसका पता हमें बहुत समय बाद लगता है। यदि आप भावनाओं पर काबू करना सीख जाते हैं तो आप अकेलेपन की समस्या को दूर कर सकते हैं।

क्रिएटिव चीज करने का बेहतर समय

ऐसा देखा गया है कि अकेलेपन के शिकार लोग अक्सर दूसरों पर निर्भर रहते हैं इसलिए जब उनके साथ कोई नहीं होता तो वह सुस्त तथा उदास दिखाई देने लगते हैं। इसका एक सकारात्मक दृष्टिकोण भी है अगर अकेलेपन का यह मतलब नहीं कि आप हर समय सुस्ती में बिस्त र पर लेटे रहें। बल्कि यही वह समय है जब अपने अंदर की क्रिएटिविटी को बाहर निकालें।

अपने आप से कीजिए प्यार

अकेलेपन की समस्या को दूर करना है तो अपने आप से प्यार करना सीखिए। आप क्या हो उसके बारे में जानने की कोशिश कीजिए। इस तरह आपका लगाव दूसरे चीजों से हटकर खुद को जानने को लेकर होगा। आप खुद से प्यार करना शुरू कर दोगे।

नेचर से जुडने की कोशिश कीजिए

अगर अकेलापन दूर करने के उपाय के बारे सोच रहे हैं तो आप नेचर को दोस्त बनाएं। आप भौतिक चीजों से दूर हटकर नेचर से जुड़ने की कोशिश कीजिए। यह आपके अकेलेपन की समस्या को दूर कर सकता है। आप चाहे तो जानवरों से दोस्ती बढ़ाएं।

प्रियजनों के साथ समय बिताएं

अगर कोई खास दोस्त आपके साथ नहीं है तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप अकेले हैं। खास दोस्तों के अलावा आपके प्रियजन भी आपके लिए महत्वपूर्ण है। अगली बार आपको जब भी अकेलापन लगें तो अपने प्रियजनों को फोन करने में जरा भी संकोच न करें। इससे आपको अच्छा लगेगा और अकेलेपन का एहसास भी नहीं होगा।

संगीत आपकी करेगा मदद

अगर आप संगीत सुनने में रूचि रखते हैं तो यह चीज आपके अकेलेपन की समस्या को दूर कर सकता है। मधुर संगीत को सुनकर आप अपने अकेलेपन से बाहर आ सकते हैं। आपको जिस तरह का संगीत पसंद है आप उस तरह का संगीत सुनिए। पसंदीदा संगीत सुनने से दिमाग में डोपामाइन नामक हार्मोन का स्तर बढ़ता है। डोपामाइन हार्मोन हमें उत्साहित और प्रेरित भी करता है।

हर व्यक्ति का अपना पाना शौक होता हैं। शौक ऐसा होना चाहिए जिससे किसी को कष्ट न पहुंचे। यदि आपको लिखे पढाई का शौक हैं तो उससे उत्तम कोई अन्य विधा नहीं हो सकती। कारण आप अपने समय का सही उपयोग करते हैं। यदि आपको लेखन का शौक हैं तो यह सर्वोत्तम होगा। कारण आपके वर्षो का चिंतन मनन लेखन के माध्यम से दूसरों तक पहुंचाने का काम कर सकते हैं। इसके लिए कोई उम्र की सीमारेखा नहीं होती। जैसे किसी नेकिसी से कहा मै पढ़ते पढ़ते थक गया तो तो दूसरे ने कहा श्वास लेते ! यानि मनुष्य ज्ञान की पिपासा जिंदगी भर मैं पूरा नहीकर सकता। यदि ऐसे रुचिकर शौक पाल ले तो उसे दिन रात का समय कम लगने लगता हैं। निराशा या नीरस जीवन से बचने के लिए अपनी रूचि का विषय का चुनाव करे और प्रत्येक क्षण उपयोगी बनाये। लेखक ने अपनी पत्नी के वियोग के बाद लेखन क्षेत्र मैं उतर कर अल्प समय मैं पांच उपन्यास लिखे और निरंतर लेखन कार्य करते हुए समयाभाव रहता हैं, आज भी उनके लेख पत्र पत्रिकों मैं प्रकाशित हो रहे हैं। और स्वयं की एक समृद्ध पुस्तकालय हैं।

यह सब मनुष्य के मानसिक स्वस्थ्यता का प्रतीक हैं और उसके आधार पर वह शारीरिक स्वास्थ्य रहता हैं और सामाजिक पहलु भी उसे स्वीकारता हैं, आप हमेशा दुखी भाव मैं रहेंगे तब आपसे अन्य लोग कन्नी काटने लगते हैं। क्यों न समय का सही उपयोग कर जीवंत जीवन जिए।

पश्चिम एशिया में टेंशन ऑल टाइम हाई...हिज्बुल्लाह पर 10 दिनों का सबसे भीषण हमला, लेबनान में हेडक्वार्टर को 80 टन बम से उड़ाया, अब टारगेट पर सेंट्रल बेरूत

हिज्बुल्लाह चीफ नसरल्लाह ढेर

बेरूत(ईएमएस)। इजराइली हमले में हिजबुल्लाह का चीफ हसन नसरल्लाह मारा गया है। इजराइल डिफेंस फोर्स ने शनिवार को यह दावा किया है। इजराइल ने 27 सितंबर को लेबनान की राजधानी बेरूत में हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर 80 टन बंकर बस्टर बम से हवाई हमला किया था। तब नसरल्लाह भी यहीं मौजूद था। आईडीएफ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि अब दुनिया को नसरल्लाह से डरने की जरूरत नहीं है। वह आतंक नहीं फैला पाएगा। हालांकि हिजबुल्लाह की तरफ से अब तक नसरल्लाह की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच लड़ाई लगातार भीषण होती जा रही है जिसकी कीमत लेबनान के आम लोग भी चुका रहे हैं. भारतीय समयानुसार शुक्रवार देर शाम इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में एक के बाद एक कई एयरस्ट्राइक कीं. ये हमला यूएनजीसी में नेतन्याहू के भाषण के बाद हुआ है. इसे इजरायल का लेबनान में सबसे भीषण हमला माना जा रहा है. इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच लड़ाई लगातार भीषण होती जा रही है जिसकी कीमत लेबनान के आम लोग भी चुका रहे हैं. भारतीय समयानुसार शुक्रवार देर शाम इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में एक के बाद एक कई एयरस्ट्राइक कीं. ये हमला यूएनजीसी में नेतन्याहू के भाषण के बाद हुआ है. इसे इजरायल का लेबनान में सबसे भीषण हमला माना जा रहा है. इस हमले के बाद आसमान में धुएं के गुबार छा गए. इजरायल ने बेरूत स्थित हिज्बुल्लाह के मुख्यालय पर भी हमला किया. ये मुख्यालय एक रियाशी इमारत के नीचे था. बताया जा रहा है कि इसमें हिज्बुल्लाह चीफ नसरल्लाह ने बंकर बनाया हुआ था. पहले बताया गया था कि बंकर में नरसल्लाह हो सकता है. हालांकि सूत्रों की मानें तो हिज्बुल्लाह की तरफ से इसका खंडन कर दिया गया है. बताया जा रहा है कि हमले से पहले इजरायल ने अमेरिका को भी इसकी जानकारी दी थी. इन हमलों में 6 इमारते पूरी तरह तबाह हो गईं.

नसरल्लाह की बेटी जैनब की मौत का भी दावा

इजराइल ने नसरल्लाह के अलावा उसकी बेटी जैनब की मौत का भी दावा किया है। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक हिजबुल्लाह चीफ की बेटी का शव उस कमांड सेंटर के मलबे में मिला है जिस पर इजराइल ने हमला किया था। उन्होंने कहा कि लेबनान के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। इजराइली सेना ने लेबनान में बेरूत समेत कई इलाकों पर दूसरे दिन भी मिसाइल हमले किए हैं। इजराइल ने बेरूत के दहियाह शहर में रहने वाले लोगों को तुरंत इलाका खाली करने को कहा है। इजराइली सेना का कहना है कि इन जगहों का इस्तेमाल हिजबुल्लाह, इजराइल पर हमले के लिए कर रहा है।

18 सालों में सबसे बड़ी जंग

इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच 2006 के बाद सबसे भयानक लड़ाई छिड़ी है। 2006 में लेबनान पर हुए इजराइली हमले में हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। 17 सितंबर को लेबनान पर पेजर अटैक हुआ था। इसके ठीक एक दिन बाद पेजर और वॉकी-टॉकी में भी विस्फोट हुए थे। हिजबुल्लाह और लेबनान ने इजराइल को इन हमलों का जिम्मेदार माना था। तब से इजराइल लगातार लेबनान में मिसाइल हमले कर रहा है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली मिसाइल हमलों की वजह से लेबनान में 700 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इसके अलावा 5 लाख से ज्यादा लोगों को अपना घर छोडक़र जाना पड़ा है। इजराइल ने लेबनान में चलाए जा रहे ऑपरेशन को नॉर्दर्न एरोज नाम दिया है। इजराइली डिफेंस फोर्स ने 23 सितंबर को लेबनान पर सबसे बड़ा हमला किया था। आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के 1600 ठिकानों को निशाना बनाते हुए एयर स्ट्राइक की थी। इनमें 10 हजार रॉकेट बर्बाद करने का दावा किया गया। इस हमले में 569 लोगों की मौत हुई।

इजरायल के टारगेट पर हिज्बुल्लाह के एंटी-शिप मिसाइल

आईडीएफ का कहना है कि वह वर्तमान में बेरूत के दहियाह उपनगर में तीन इमारतों पर हमला कर रहा है, जहां हिजबुल्लाह ने एंटी-शिप मिसाइलों का भंडारण किया हुआ है। सेना ने कहा कि हमलों के बारे में आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी। इससे पहले, आईडीएफ ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में तीन इमारतों के आस-पास के नागरिकों को चेतावनी दी थी कि उन पर जल्द ही हमला किया जाएगा। आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि नागरिक इमारतों के नीचे भूमिगत भंडारण सुविधाएं हैं, जहां हिज्बुल्लाह ने तट से समुद्र तक मिसाइलें, हथियार रखे हैं जो इजरायल और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए खतरा हैं।

इजरायल ने ब्रॉडकास्ट फ्रीक्वेंसी पर किया कब्जा

इजरायल ने बेरूत हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर की प्रसारण फ्रीक्वेंसी पर कब्जा किया और एक ईरानी विमान को लेबनान में उतरने से रोकने का आदेश दिया है। लेबनान के एमटीवी नेटवर्क ने हाल ही में परिवहन और लोक निर्माण मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया है (जिसका नेतृत्व हिज़्बुल्लाह के मंत्री अली हमिया कर रहे हैं) कि इजरायल ने बेरूत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की प्रसारण फ्रीक्वेंसी पर कब्जा कर लिया है और हवाई अड्डे को आदेश दिया है कि एक ईरानी विमान को उतरने से रोका जाए। यदि इस आदेश का पालन नहीं किया गया, तो बल प्रयोग किया जाएगा। इसके बाद, लेबनान के परिवहन मंत्री (जिनका संबंध हिज्बुल्लाह से है) ने ईरानी विमान को बेरूत में न उतरने का आदेश दिया।

बेरुत में लोगों को घर छोडऩे के दिए निर्देश

इजरायली सेना ने बेरुत के अल-बराजनेह और अल-हदाथ इलाकों के निवासियों को तुरंत अपने घर छोडऩे और 500 मीटर से अधिक दूर जाने का आदेश दिया है, क्योंकि हिज़्बुल्लाह पर इजरायली हमले जारी हैं। इजरायली सेना के अरबी भाषा के प्रवक्ता अवीचाय अद्राई ने शनिवार को एक बयान में कहा, आप हिज़्बुल्लाह के ठिकानों के पास हैं, और अपनी और अपने प्रियजनों की सुरक्षा के लिए आपको तुरंत इमारतों को खाली कर देना चाहिए और 500 मीटर से कम दूरी तक नहीं रुकना चाहिए। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यह आदेश इजरायली हमलों के बढ़ते खतरों के बीच दिया गया है।

बेरूत में अस्पतालों को खाली कराया जा रहा

लेबनान में, विशेषकर अपने शिया समर्थकों के बीच हसन नसरल्लाह सुप्रीम लीडर की साख रखता था। उसे किसी देश के साथ युद्ध छेडऩे या शांति बहाली का निर्णय करने में सक्षम एकमात्र व्यक्ति के रूप में देखा जाता था। साल 2006 में भी लेबनान पर इजरायली हमले में हसन नसरल्लाह के मारे जाने का दावा किया गया था। हालांकि, वह कुछ दिनों बाद सही सलामत सामने आया था। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इजरायली हमले के बढऩे की आशंका को देखते हुए बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में स्थित अस्पतालों को खाली करने का आदेश दिया है। उन मरीजों को भर्ती नहीं करने के लिए कहा गया है, जिनकी स्थिति गंभीर नहीं है।

नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र में लहराए दो मैप.....एक का संबंध भारत से

ईरान को चेतावनी, ऐसी कोई जगह नहीं जहां इजराइल नहीं पहुंच सकता

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। गाजा युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र में अपने पहले संबोधन में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मध्य पूर्व में संघर्ष के लिए ईरान को मुख्य किरदार के रूप में चित्रित किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान दो मैप प्रदर्शित किए, जिसमें देशों के एक समूह को अभिशाप और दूसरे समूह को आशीर्वाद के रूप में दिखाया गया। उनकी यह तस्वीर इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है।

दिलचस्प यह है कि दोनों मानचित्रों में फिलिस्तीनी क्षेत्रों- वेस्ट बैंक और गाजा को इजरायल के हिस्से के रूप में दिखाया गया है। वायरल तस्वीर में नेतन्याहू के दाहिने हाथ के नक्शे में ईरान, इराक, सीरिया और यमन को काले रंग में दिखाया गया है और उन्हें अभिशाप यानी द कर्स करार दिया गया है। जबकि बाएं हाथ के मानचित्र में मिस्र, सूडान, सऊदी अरब और भारत को हरे रंग में चित्रित किया गया है और इन देशों को आशीर्वाद यानी द ब्लेसिंग बताया गया है।

नेतन्याहू द्वारा दिखाए गए मैप में सीरिया के गोलान हाइट्स क्षेत्र को भी इजरायल का हिस्सा दिखाया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रॉप्स का उपयोग करने का इतिहास रखने वाले नेतन्याहू के इस कदम को पड़ोसी अरब देशों के साथ अपने बढ़ते संबंधों पर जोर देने के इजरायल के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 अक्टूबर, 2024 को इजरायल पर हमास के हमले की निंदा करने वाले पहले वैश्विक नेताओं में से एक थे। हालांकि, भारत ने क्षेत्र में पूर्ण युद्धविराम का आह्वान किया है और इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष के स्थायी समाधान लिए टू स्टेट सॉल्यूशन का समर्थन किया है।

नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में द कर्स और द ब्लेसिंग वाले मैप लहराते हुए कहा कि दुनिया को आशीर्वाद और अभिशाप के बीच चयन करना चाहिए। नेतन्याहू ने ईरान पर निशाना साधा और उस पर चरमपंथी संगठनों को हथियार व मदद देने का आरोप लगाया। उन्होंने दुनिया से इसतरह के देशों का तुष्टिकरण बंद करने का आग्रह किया। नेतन्याहू ने कहा, तेहरान के लिए मेरा एक संदेश है, अगर तुम हम पर हमला करते हो, तब हम तुम पर हमला करेंगे। ईरान में ऐसी कोई जगह नहीं है जहां इजरायल न पहुंच सके, और यह पूरे मध्य पूर्व के लिए सच है।

इजरायल द्वारा लेबनान में हिज्बुल्लाह के गढ़ों पर भारी बमबारी के साथ मध्य पूर्व संकट गहरा गया है। नेतन्याहू ने साफ शब्दों में फिलिस्तीन को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इजरायल दुनिया में शांति चाहता है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा, फिलिस्तीनियों को यहूदियों के प्रति घृणा फैलाना बंद करना चाहिए और इजरायल के साथ समझौता करना चाहिए।

ऑस्कर विजेता अभिनेत्री मैगी स्मिथ का निधन

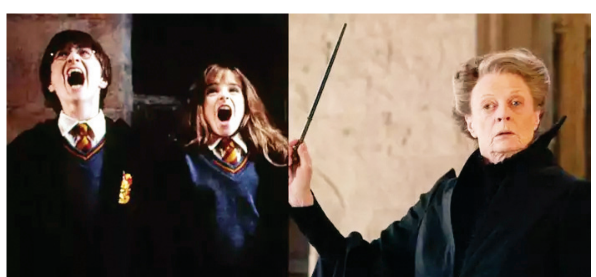

लंदन (ईएमएस)। ऑस्कर विजेता अभिनेत्री मैगी स्मिथ का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। वे हैरी पॉटर फ्रेंचाइजी की फिल्म डाउनटाउन ऐबी में अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री ने लंदन के अस्पताल में अंतिम सांस ली। अभिनेत्री की मौत की खबर उनके दोनों बेटों क्रिस लार्किन और टोबी स्टीफन ने साझा की। हालांकि, उनकी मौत का कारण अभी तक सामने नहीं आया है।

मैगी के दो बेटों द्वारा जारी बयान में कहा गया, हम बहुत दुख के साथ डेम मैगी स्मिथ के निधन की घोषणा कर रहे हैं। 27 सितंबर की सुबह अस्पताल में उनका निधन हो गया। अंतिम समय में वे अपने दोस्तों और परिवार के साथ थीं। उनके दो बेटे और पांच प्यारी पोते-पोतियां हैं, जो अचानक अपनी मां और दादी के चले जाने से बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा, अस्पताल के शानदार स्टाफ ने उनके अंतिम दिनों में उनकी खूब देखभाल की। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि इस समय हमारी निजता का सम्मान करें।

मैगी ने 1952 में ऑक्सफोर्ड प्लेहाउस में एक स्टेज परफॉर्मर के रूप में अपने अभियन की यात्रा शुरू की थी। बाद में, उन्होंने ब्रॉडवे पर न्यू फेसेज ऑफ 56 में अपना पेशेवर डेब्यू किया। अगले दशकों में, उन्होंने नेशनल थिएटर और रॉयल शेक्सपियर कंपनी के लिए काम करते हुए, दिग्गज अभिनेत्री जूडी डेंच के साथ सबसे प्रतिष्ठित ब्रिटिश थिएटर कलाकारों में से एक के रूप में खुद को स्थापित किया।

मैगी को नोएल कावर्ड की प्राइवेट लाइव्स और टॉम स्टॉपर्ड की नाइट एंड डे के लिए टोनी पुरस्कार के लिए नामांकन भी मिला और बाद में वर्ष 1990 में लेटिस एंड लोवेज के लिए एक नाटक में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का टोनी पुरस्कार मिला। उसी वर्ष, मैगी को महारानी एलिजाबेथ द्वारा नाइट की उपाधि दी गई और आधिकारिक तौर पर उन्हें डेम (ब्रिटिश सम्मान प्रणाली और अन्य राष्ट्रमंडल क्षेत्रों में महिलाओं को दी जाने वाली एक सम्मानजनक उपाधि) से नवाजा गया। उन्होंने 1969 में द प्राइम ऑफ मिस जीन ब्रॉडी के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और कैलिफोर्निया स्वीट के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के लिए अकादमी पुरस्कार जीता।

पेरिस, फ्रांस में पेरिस फैशन वीक के हिस्से के रूप में वेटमेंट्स पेरिस वूमेंसवियर स्प्रिंग-समर 2025 शो के दौरान रनवे पर चलती गिगी हदीद।

अमेरिका में हेलेन तूफान से 49 की मौत

न्यूयार्क(ईएमएस)। अमेरिका में हेलेन चक्रवात से 5 राज्यों में अब तक 49 लोगों की मौत हो गई है। तूफान की वजह से आए बवंडर और बाढ़ में कई घर ढह गए। चक्रवात का सबसे ज्यादा असर साउथ कैरोलिना और जॉर्जिया में देखने को मिला जहां कैटेगरी 4 के तूफान से 34 लोगों की मौत हुई है। पांचों राज्यों में तूफान की वजह से कई लोग फंसे हुए हैं, जिन्हें बचाने की कोशिश की जा रही है। नॉर्थ कैरोलिना में कुछ जगहों पर भूस्खलन भी हुआ। यहां लोगों को रेस्क्यू करने के लिए हेलिकॉप्टरों को भेजा गया। इस दौरान करीब 59 लोगों को एक अस्पताल की छत से भी बचाया गया। अमेरिका में तूफान की वजह से 45 लाख लोगों के घरों में बिजली सप्लाई नहीं हो पा रही है। फ्लोरिडा में रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए 4 हजार नेशनल गाड्र्समेन को तैनात किया गया है।

चीन में हुआ घिनौना हादसा.....सड़कों पर फैल गया मानव मल

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के नैनिंग शहर में एक बेहद अजीब और घिनौना हादसा हुआ। जब एक नया इंस्टाल किया गया सीवेज पाइप प्रेशर टेस्ट के दौरान फट गया। इस दुर्घटना ने मानव मल को 33 फुट ऊपर हवा में उछाल दिया, जिससे सड़क पर चलने वाले लोग, कारें और बाइक चालक बुरी तरह प्रभावित हुए। घटना का वीडियो फुटेज डैशकैम पर कैद हुआ, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि किस तरह से मल का फव्वारा सड़क पर गिरा। विस्फोट की तीव्रता इतनी थी कि एक कार का शीशा करीब टूट गया। इसके अलावा, बाइक चालक और पैदल यात्री बदबूदार स्थिति से गुजरने के लिए मजबूर हो गए। अच्छी बात यह रही कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन कई वाहनों को नुकसान पहुंचा है। नानिंग म्यूनिसिपल इमरजेंसी मैनेजमेंट ब्यूरो ने पूप वोल्केनो नामक घटना की पुष्टि की है, जो सेप्टिक टैंक के पाइप के फटने के परिणामस्वरूप हुई। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने घटना पर प्रतिक्रिया देकर लिखा, मैं इस वीडियो में बदबू महसूस कर सकता हूं, और कुछ ने मजाक में कहा, बेहद खराब स्थिति में फंस गया हूं। यह घटना एक गंभीर समस्या को उजागर करती है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और सफाई पर चिंता बढ़ी है।

अमेरिका में 'हेलेन' के कारण 44 लोगों की मौत

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र और फ्लोरिडा में 'हेलेन' तूफान के कारण आई बाढ़ से करीब 44 लोगों की मौत हुई है। 'हेलेन' तूफान ने क्षेत्र में व्यापक तबाही मचा दी है। हेलेन से कई पेड़ उखड़ गए और कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। तूफान के कारण एक मकान पर पेड़ गिरने के कारण वहां रह रही एक महिला, उसके एक महीने के जुड़वां बच्चे तथा एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई है। घटनास्थल पर राहत-बचाव अभियान के दौरान तीन अग्निशमन कर्मियों की भी मौत हो गई। रिपोर्ट अनुसार, 'हेलेन' तूफान के कारण फ्लोरिडा, जॉर्जिया, उत्तरी कैरोलाइना, दक्षिण कैरोलाइना और वर्जीनिया में करीब 44 लोग मारे गए हैं। तूफान 'हेलेन' के कारण दक्षिणी जॉर्जिया के कुछ अस्पतालों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। फ्लोरिडा के बिग बेंड गांव में 'हेलेन' तूफान ने दस्तक दी थी। उस दौरान तूफान की अधिकतम रफ्तार 225 किलोमीटर प्रति घंटा थी। 'मूडीज एनालिटिक्स' ने बताया कि तूफान के कारण 15 से 26 अरब अमेरिकी डॉलर की संपत्ति के नुकसान की आशंका है।

डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अमेरिका के एरिज़ोना के टक्सन के पास बॉर्डर पैट्रोल एजेंट के साथ सीमा की दीवार का दौरा करती हुईं।

रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में ट्रम्प टॉवर में मुलाकात की।

सूडान के एल फशर में आरएसएफ के हमले में आठ की मौत, 95 घायल

खार्तूम,(ईएमएस)। पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में करीब आठ लोगों की मौत हो गई और 95 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम खातिर ने बताया कि आरएसएफ की गोलाबारी का लक्ष्य सूक अल-मवाशी बाजार था, जहां लोगों की भीड़ रहती है। आरएसएफ ने अभी तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बता दें 10 मई से एल फशर में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भीषण झड़पें हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक एल फशर में करीब 15 लाख लोग रहते हैं, जिनमें से आठ लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं। ज्ञात हो कि 22 सितंबर को एसएएफ और आरएसएफ के बीच सशस्त्र संघर्ष में तीन बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई थी और 17 घायल हो गए थे। यह झड़पें पश्चिमी उत्तर दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक गैर-सरकारी सूडानी डॉक्टर्स नेटवर्क ने एक बयान में चेतावनी दी थी गई कि घनी आबादी वाले शहर में 10 मई से जारी संघर्षों से गंभीर मानवीय आपदा पैदा हो सकती हैं। उन्होंने गोलाबारी तत्काल बंद करने और शहर से नाकाबंदी हटाने की मांग की थी। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 15 अप्रैल 2023 से सूडान एसएएफ और आरएसएफ के बीच हिंसक संघर्ष में उलझा हुआ है। इस संघर्ष की वजह से करीब 20 हजार लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों घायल हुए हैं। इसके अलावा लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

नेतन्याहू ने अमेरिका यात्रा बीच में छोड़ी और लौटे देश

येरुशलम,(ईएमएस)। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका की अपनी यात्रा बीच में ही छोड़कर वापस अपने देश लौट आए हैं। इजराइली पीएमओ ने यह घोषणा बेरूत में हिजबुल्ला के मुख्यालय पर बड़े पैमाने पर इजराइली हवाई हमलों के तुरंत बाद की है। संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करने के लिए न्यूयार्क पहुंचे नेतन्याहू को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक यहूदी शबात यानी विश्राम दिवस खत्म हो जाने के बाद शनिवार रात तक अमेरिका में ही रहना था। इजराइल के नेता सामान्य रूप से बहुत महत्वपूर्ण मामलों को छोड़कर शुक्रवार से शनिवार के बीच यात्रा नहीं करते हैं।

बाइडेन की नाक के नीचे भारत-रुस की सीक्रेट बैठक......अमेरिका टेंशन में

वाशिंगटन (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र में दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्ष पहुंचे हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र की बैठक में हिस्सा लेने के लिए रूस, चीन, अमेरिका, भारत और यूरोप के एक से बढ़कर एक देश और उनके प्रतिनिधि पहुंच रहे हैं। इस बीच कुछ ऐसी मुलाकात हो रही है, जिसे लेकर अमेरिका का बीपी हाई हो गया है। उसमें एक मुलाकात जहां ब्रिक्स देशों की थी। वहीं दूसरी मुलाकात चीन और पाकिस्तान के लिए खलबली पैदा करने वाली थी। ये मुलाकात भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के विदेश मंत्री सर्गोई लावरेव के बीच हुई। रूस यूक्रेन युद्ध के बीच जब हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस का दौरा किया और फिर बाद में व्लादिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। फिर उनका अगला दौरा अमेरिका में निर्धारित हुआ। अमेरिका में जो बाइडेन के साथ उनकी युद्ध को लेकर बात हुई। अब जयशंकर और लावरोव मिले हैं।

मुलाकात में लावरोव और जयशंकर आमने सामने थे। ब्रिक्स के विस्तार को लेकर जब हर तरफ चर्चा हो रही है। फिर दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों को लेकर बातचीत शुरू हो गई। बातचीत के दौरान यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली का जिक्र हुआ। साथ ही ब्रिक्स को लेकर होने वाली बैठक का भी जिक्र हुआ। एशिया पेसेफिक रिजन को जोड़ने के लिए पश्चिमी देश किस तरह नाटो का इस्तेमाल कर रहे हैं, इस पर बार रूस जोर देता आया है। रूस ने बताया कि दोनों देशों के बीच आपसी साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। दोनों ने कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को लेकर भी चर्चा की। इसके पहले 25 सितंबर को यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को बताया कि उन्होंने रूस के साथ कीव के लंबे युद्ध को समाप्त करने के लिए दूसरे अंतर्राष्ट्रीय शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत को पहले ही आमंत्रित किया है। ज़ेलेंस्की ने इस बात पर ज़ोर दिया कि एकता हमेशा शांति के लिए काम करती है और युद्ध को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए सभी देशों से सामूहिक तैयारी का आह्वान किया।

मंदी की मार से जूझता अमेरिका, बड़ी संख्या में दिवालिया हो रहीं कंपनियां, बंद हो रहे रिटेल स्टोर्स

न्यूयॉर्क,(ईएमएस): अमेरिका में आर्थिक मंदी का गहरा असर रिटेल सेक्टर और कंपनियों पर पड़ा है। कमजोर ग्रोथ रेट और बढ़ती लागत के चलते, 2024 के पहले आठ महीनों में 452 कंपनियां दिवालिया घोषित हो चुकी हैं। इससे पहले 2020 में, कोरोना महामारी के दौरान, इसी अवधि में 466 कंपनियां दिवालिया घोषित की गई थीं। आर्थिक संकट की स्थिति ने न केवल कंपनियों को झकझोर कर रख दिया बल्कि रिटेल सेक्टर को भी बड़ा सदमा दिया है, जिससे स्टोर्स तेजी से बंद हो रहे हैं। जानकारी अनुसार मंदी का रिटेल स्टोर्स पर गहरा असर देखने को मिला है। वर्ष 2024 में अब तक 4,548 रिटेल स्टोर्स का शटर डाउन हो चुका है, जो पिछले कुछ वर्षों में सबसे बड़ा आंकड़ा है। वहीं, नए स्टोर्स की संख्या 4,426 ही है, जो बंद हुए स्टोर्स के आंकड़ों से काफी कम है। साल 2020 के बाद यह पहली बार हुआ कि बंद होने वाले स्टोर्स की संख्या नए खोले गए स्टोर्स से अधिक हो गई है। इस गिरावट का मुख्य कारण महंगाई, बेरोजगारी और मकान व फर्नीचर से संबंधित सामान बेचने वाले विक्रेताओं को हो रहा भारी नुकसान बताया जा रहा है।

बंद हो रहे स्टोर्स

अनेक प्रमुख रिटेल कंपनियों ने भी अपने स्टोर्स बंद करने का फैसला लिया है।

रबी फसलों की पैदावार दोगुनी करने के लिए अपनाएं 11 टिप्स

कम लागत में मिलेगा अच्छा मुनाफा

भारत में खेती-किसानी करना एक लंबी और बेहद पुरानी परंपरा है, इसके बारे में संक्षिप्त में अगर कहा जाए, तो यह भारतीय संस्कृति का एक अटूट हिस्सा है, लेकिन इस परंपरा को बरकरार रखने के लिए किसानों के पास सही और उम्दा किस्म की जानकारी होना बेहद जरुरी है. जिसका वर्तमान समय में काफी अभाव दिखता है. रबी की फसल में ज्यादा उत्पादन प्राप्त करने के लिए टिप्स कुछ इस प्रकार हैं:

खेती की गहरी जुताई करना

ज्यादा उत्पादन प्राप्त करने के लिए सबसे पहले खेत की जुताई करना बेहत जरुरी होता है और इसकी जुताई के लिए ट्रैक्टर, रोटावेटर, कल्टीवेटर आदि उपकरणों का इस्तेमाल खेत में करें. इससे कम मेंहनत और कम समय में खेत की तैयारी की जा सकती है. इसके अलावा एक फायदा यह है कि बारिश के मौसम में पानी खेत के अंदर तक पहुंचता है.

बुवाई समय पर करें

रबी फसलों की बुवाई कुछ दिनों के बाद शुरु हो जाएगी, इसलिए अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए समय पर बुवाई करना बेहद जरुरी होता है. अगर सही समय पर बुवाई नहीं की जाती है तो उसका प्रभाव उत्पादन पर पड़ता है.

बुवाई से पहले बीजों का उपचार करें

बुवाई से पहले बीजों का उपचार करना जरुरी होता है, क्योंकि अगर बीजों में किसी प्रकार का रोग है तो उसकी वजह से पौधे को उगने में काफी ज्यादा दिक्कत होती है, लेकिन बीज का उपचार करने के बाद फसल अच्छी होती है और रोगों का डर बहुत कम रहता है.

अच्छी किस्म के बीज बोएं

बुवाई से पहले ये जरुर ध्यान रखें कि अच्छी किस्म के बीज हों ताकि ज्यादा से ज्यादा उत्पादन प्राप्त कर सकें. इसके अलावा विश्वसनीय दुकानदार से ही बीज खरीदें ताकि आपके साथ धोखा न हो सके. अच्छी किस्म के बोने वाले बीजों की अगर बात की जाए, तो सामान्य बीजों की तुलना में 20 से 25 प्रतिशत अधिक उत्पादन प्राप्त होता है.

दलहनी तिलहनी फसलों में जिप्सम का प्रयोग कर सकते हैं

दलहनी और तिलहनी फसलों में जिप्सम का प्रयोग कर अच्छी फसल प्राप्त की जा सकती है. बुवाई से पहले खेत में 250 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से डालना चाहिए. जिप्सम होने वाले फायदे की बात की जाए, तो इससे दाने चमकीले होते हैं और 10 से 15 प्रतिशत अधिक उपज प्राप्त होती है. इसके अलावा जिप्सम का प्रयोग फसलों को पाले से बचाने के लिए भी किया जाता है.

बीजों के बीज में उचित दूरी रखें

फसल बोने के समय बीजों के बीच में उचित दूरी और उन्हें कतार में बोना बेहद जरुरी होता है, क्योंकि किसी भी बीज को उगने के लिए एक निश्चित जगह और पोषण की जरुरत होती है. पौधों से पौधों की दूरी उचित रहने से यह फायदा होगा कि फसल की अच्छी पैदावार होगी और अधिक उत्पादन प्राप्त होगा.

फसल चक्र का ध्यान रखें

खेत की उर्वरक शक्ति को बरकराक रखने के लिए फसल चक्र का ध्यान रखें यानी कि बदल-बदल कर फसलें बोनी चाहिए. फसलों को बदल-बदल कर बोने से फसल में कीटों का प्रकोप कम रहता है. रबी के सीजन में - गेहूं, जौं, चना, सरसों, मटर, बरसीन, रिजका - हरे चारे की खेती, मसूर, आलू, राई, तंबाकू, लाही, जई जैसे फसल चक्र अपनाया जा सकता है.

इंटर क्रोपिंग करें

खेती में ज्यादा उत्पादन प्राप्त करने के लिए कई प्रकार की तकनीक अपनाई जाती हैं जिसमें से इंटर क्रोपिंग भी एक तरीका है. इस तकनीक के तहत एक ही खेत में दो या दो से अधिक फसलें बोई जाती हैं. इंटर क्रोपिंग का सबसे बड़ा फायदा ये है कि इसमें फसल खराब होने का जोखिम कम होता है यानी कि अगर गेहूं और चना की खेती एक साथ की गई है तो एक फसल के खराब होने पर दूसरी फसल उसकी भरपाई कर देगी. इस प्रकार इंटर क्रोपिंग अधिक उत्पादन प्राप्त करन के लिए काफी फायदेमंद है.

सही समय पर फसलों की सिंचाई करें

फसल को सही समय पर पानी मिलना बेहद जरुरी होता है, क्योंकि खेत में अगर नमी नहीं होगी तो पौधों की ग्रोथ पर इसका सीधा असर देखने को मिलेगा. जैसे गेहूं की फसल में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए 4 से 6 सिंचाइयां की जाती हैं.

फव्वारा और ड्रिप सिंचाई सिस्टम का उपयोग करें

सिंचाई करने के लिए फव्वारा और ड्रिप सिंचाई सिस्टम का उपयोग करें ताकि फसल को जितने पानी की जरूरत है उसे उतना ही मिले. इससे एक ओर कम पानी में अधिक सिंचाई संभव हो सकेगी, वहीं बूंद-बूंद जल का उपयोग भी हो सकेगा.

मित्र का कीटों का बचाव करें

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, खेत में कई प्रकार के मित्र कीट होते हैं यानी कि फसल को नुकसान न पहुंचाकर फायदा करने वाले कीट होते हैं. जैसे प्रेइंग मेंटिस, इंद्रगोपभृंग, ड्रैगन फ्लाई, किशोरी मक्खी, झिंगुर, ग्राउंड विटिल, रोल विटिल, मिडो ग्रासहापर, वाटर बग, मिरिड बग ये सभी मित्र कीट हैं, जो फसलों व सब्जियों में पाए जाते हैं. ये हानिकारक कीटों के लार्वा, शिशु एवं प्रौढ़ को प्राकृतिक रूप से खाकर नियंत्रित करते हैं.

गेहूं की HI-8663 किस्म देगी 90 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार, जानें इसकी खासियत

खरीफ का सीजन देश में लगभग समाप्ति की ओर है. बाजरा, ज्वार और दूसरी फसलों के खेत धीरे-धीरे खाली होने लगे हैं किसान रबी की फसलों की बुवाई के लिए खेतों को तैयार कर रहे हैं और इस मौसम में मध्यप्रदेश में गेहूं बड़ी मात्रा में उगाया जाता है. इसी क्रम में गेहूं की आज एक ऐसी किस्म के बारे में बात करने जा रहे हैं, जिसका उत्पादन 95.32 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है.

ये है गेहूं की खास किस्म

जानकारी के अनुसार, गेहूं की किस्मों के बीच इस समय सबसे ज्यादा उत्पादन देने वाली वैरायटी में HI-8663 का नाम सबसे आगे चल रहा है. इसकी उत्पादकता की बात की जाए, तो 95.32 किंवटल प्रति हेक्टेयर बताया जा रहा है. HI-8663 एक जीनोटाइप विशेषता, उच्च गुणवत्ता और अधिक उत्पादकता वाला गेहूं का बीज है.

HI-8663 में है ये खास बात

HI-8663 में कई प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते हैं इसलिए बाजार में इसकी काफी ज्यादा डिमांड है. इस गेहूं से रोटी के अलावा सूजी और पास्ता भी बनाया जाता है और इसमें प्रोटान की मात्रा काफी ज्यादा पाई जाती है.

गेहूं की बुवाई के लिए उपयुक्त समय

आमतौर पर नवंबर का महीना गेहूं की बुवाई के लिए उपयुक्त माना जाता है, लेकिन इस किस्म को दिसम्बर के महीने में भी बोया जा सकता है. इसके अलावा यह अन्य किस्मों से जल्दी तैयार हो जाती है और गर्मी को भी आसानी से सहन कर सकती है. इस किस्म को मध्यप्रदेश में उगाया जा रहा है.

गेहूं की ये 3 किस्में हैं सबसे नई, 120 दिन में देंगी 82.1 क्विंटल पैदावार

रबी सीजन की फसलों की बुवाई उत्तर भारत में अक्टूबर और नवंबर माह के दौरान होती है, जिसकी शुरुआत बस होने वाली है. अगर रबी सीजन की मुख्य फसल की बात करें, तो इस दौरान देशभर के अधिकतर किसान गेहूं की खेती करते हैं, जिसके लिए उन्हें उन्नत किस्मों की आवश्यकता होती है.

बता दें कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल का मानना है कि गेहूं की ये 3 किस्में सबसे नई हैं, जिसने उत्पादन भी बंपर मिलता है.

करण नरेन्द्र

यह नवीनतम किस्मों में से एक है, जिसे डीबीडब्ल्यू 222 (DBW-222) भी कहा जाता है. गेहूं की यह किस्म बाजार में साल 2019 में आई थी. इसकी बुवाई 25 अक्टूबर से 25 नवंबर के बीच कर सकते हैं. इस गेहूं की रोटी की गुणवत्ता अच्छी मानी जाती है. इसकी खासियत यह है कि जहां दूसरी किस्मों के लिए 5 से 6 बार सिंचाई की जरूरत पड़ती है, वहीं इसमें 4 सिंचाई की ही जरूरत पड़ती है. वहीं, ये किस्म से फसल 143 दिनों में तैयार हो जाती है, जिससे प्रति हेक्टेयर 65.1 से 82.1 क्विंटल तक पैदावार मिल जाती है.

करन वंदना

इस किस्म को डीबीडब्ल्यू-187 (DBW-187) कह सकते हैं. इसमें पीला रतुआ और ब्लास्ट जैसी बीमारियां लगने की संभावना कम होती है. यह किस्म गंगा तटीय क्षेत्रों के लिए अच्छी मानी जाती है. इस किस्म से फसल लगभग 120 दिनों में पककर तैयार हो जाती है, जिससे प्रति हेक्टेयर लगभग 75 क्विंटल गेहूं की पैदावार मिल जाती है.

करण श्रिया

गेहूं की यह किस्म भी नवीनतम किस्मों में से एक है, जो जून 2021 में आई थी. इस किस्म की बुवाई उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अधिक होती है, जो कि करीब 127 दिनों में पककर तैयार हो जाती है और इसमें मात्र एक सिंचाई की जरूरत पड़ती है. यह किस्म प्रति हेक्टेयर 55 क्विंटल अधिकतम पैदावार दे देती है.

पालक की खेती के नए तरीकों से पाएं 15 दिनों में लाखों की पैदावार, जानें पूरी विधि

सर्दियों के मौसम में लोगों की सबसे लोकप्रिय सब्जी पालक होती है. देश में भी हरी पत्तेदार सब्जियों की खेती सबसे बड़े पैमाने पर की जाती है. आपको बता दें कि भारत में सितंबर से लेकर नवंबर के महीने तक पालक, मेंथी, धनिया जैसी पत्तेदार सब्जियों की खेती के लिए मौसम बेहद अनुकूल होता है.

पालक पर एक नजर

हरी सब्जियों में सबसे अधिक विटामिन पाया जाता है. जो कि सबसे ज्यादा पालक में होता है. इस सब्जी में विटामिन-ए, विटामिन-सी, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस जैसे कई खनिज तत्व मौजूद होते हैं. जिसके चलते देश-विदेश में पालक की सब्जी, सलाद, भाजी, पराठे, पकौड़े और जूस आदि कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं. देखा जाए तो बाजार में भी पालक के अच्छे दाम होते हैं. पालक की एक गड्डी 15 से 20 रुपए के हिसाब से बिकती है.

पालक की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु

पालक की खेती किसानों के लिए बेहद फायदेमंद है. इसकी सबसे अच्छी खासियत यह है कि आप इसे कम समय में भी अच्छे से तैयार कर सकते हैं. इसकी खेती के लिए मौसम सामान्य सर्द सबसे अच्छा माना जाता है. आमतौर पर किसान इसे ठंड के मौसम में सबसे अधिक उगाते हैं. क्योंकि इस मौसम में इसकी उपज अच्छी होती है. पालक की अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए किसान अपने खेत में पालक की ऑल ग्रीन, पूसा पालक, पूसा हरित और पूसा ज्योति किस्मों की बुवाई करें.

पालक के लिए मिट्टी

वैसे तो पालक को कई तरह की मिट्टी में उगाया जाता है. कई लोग इसे घर की छत व बालकनी में क्यारियां, कंटेनर बनाकर भी पालक को उगाते हैं. लेकिन पालक की खेती के लिए नमकीन या लवणीय मिट्टी अच्छी मानी जाती है. पालक किसानों के लिए इसलिए भी मुनाफे की खेती है, क्योंकि जन मिट्टी में किसी भी फसल से अच्छी उपज प्राप्त नहीं होती है. वहां पालक की सबसे अच्छी उपज मिलती है. दोमट मिट्टी भी पालक की खेती के लिए अच्छी मानी जाती है. इस मिट्टी में किसान कम मेंहनत में इसकी अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकते हैं.

पालक के लिए खाद और बीज

पालक की अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए किसान इस बात का भी ध्यान रखें कि वह अपने खेत में अच्छी मात्रा में जैविक खाद या वर्मी कंपोस्ट का इस्तेमाल करें. पालक की खेती में नाइट्रोजन का इस्तेमाल जरूर करें. क्योंकि इससे फसल में अच्छे परिणाम देखने को मिलते हैं और वहीं जैविक तरीके से पालक की खेती करने वाले किसान अपने खेत में जीवामृत का इस्तेमाल करें.

बीज की मात्रा

अगर आप एक हेक्टेयर खेत में पालक की खेती करना शुरू करते हैं, तो आपके लिए 30 से 32 किलोग्राम बीजों की आवश्यकता पड़ेगी, जिससे आप 150 से 200 क्विंटल तक अच्छी फसल प्राप्त कर सकते हैं. पालक की सबसे अच्छी खासियत यह है कि किसान अपने खेत में एक बार बुवाई के बाद 5 से 6 कटाईयां करके अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकता है और फिर एक बार की कटाई के बाद किसान दोबारा 15 दिनों में पालक की फसल प्राप्त कर सकता है.

पालक की सिंचाई का सही समय

किसान अपने खेत में सर्दियों के मौसम में लगभग 10 से 15 दिन के अंतराल इसकी सिंचाई जरूर करें. ध्यान रहे कि फसल की कटाई करने के दो-तीन दिन पहले भी भी हल्की सिंचाई करनी चाहिए. ताकि आपको उत्पादन अच्छा प्राप्त हो सके. पालक की फसल का किसानों को बेहद खास ध्यान रखना होता है. क्योंकि यह फसल सीधे तौर पर जमीन से जुड़ी होती है, इसलिए इसमें कवक रोग व कीटों का लगना लाजमी है. अक्सर यह भी देखा गया है कि पालक की फसल में खरपतवारों के साथ-साथ कैटरपिलर और इल्लियों का प्रकोप सबसे अधिक होता है. सबसे अधिक पालक में इल्लियां नुकसान पहुंचाती हैं. यह पत्तियों के बीच में पाई जाती है और धीरे-धीरे पूरी फसल को बर्बाद कर देती है.

चाइना ओपनः अल्काराज दूसरे दौर में, मेदवेदेव ने गाएल मोंफिल्स को हराया

चीन की राजधानी बीजिंग में 2024 चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में चीन की झांग शुआई के खिलाफ महिला एकल के दूसरे दौर के मैच के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका की एम्मा नवारो ने रिटर्न मारा।

बीजिंग (ईएमएस)। चार बार के प्रमुख चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने 21 वर्षीय जियोवानी एमपेटशी पेरीकार्ड को 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई, जबकि तीसरे वरीय दानिल मेदवेदेव ने चाइना ओपन के पुरुष वर्ग के पहले दौर में अनुभवी गाएल मोंफिल्स को 6-3, 6-4 से हराया। इस साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन विजेता अल्काराज के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण मैच था, क्योंकि उन्हें एटीपी टूर पर सबसे बड़ी सर्विस करने वाले खिलाड़ियों में से एक पेरीकार्ड का सामना करना पड़ा क्योंकि उनके पास अपने नवीनतम अभियान से अभ्यस्त होने के लिए बहुत कम समय था।
हालांकि, शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने पेरीकार्ड की मारक क्षमता के साथ जल्दी से तालमेल बिठाया और पहले दौर की जीत में शानदार प्रदर्शन किया। अल्काराज ने प्रत्येक सेट के शुरुआती खेल में फ्रांसीसी खिलाड़ी की सर्विस को तोड़कर अपने 21 वर्षीय साथी खिलाड़ी को हराया।
अल्काराज ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तब यह आसान नहीं था। वह वास्तव में एक शक्तिशाली खिलाड़ी है। बड़ी सर्विस, बेसलाइन से बड़े शॉट। इसकारण मुझे वास्तव में ध्यान केंद्रित करना था। यही योजना थी। बहुत अधिक गलतियाँ न करने और बेसलाइन से आक्रामक तरीके से खेलने की कोशिश करें।
अल्काराज ने ल्योन चैंपियन पेरीकार्ड के साथ अपने पहले लेक्सस एटीपी हेड2हेड मुकाबले में अर्जित दोनों ब्रेक पॉइंट को भुनाया। हालांकि, इंफोसिस एटीपी स्टैट्स के अनुसार, फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अपनी पहली डिलीवरी के पीछे 83 प्रतिशत (20/24)अंक जीतकर मैच समाप्त किया, लेकिन प्रत्येक सेट की शुरुआत में चूक के कारण उनकी जीत की उम्मीद कमजारे पड़ गई।
सप्ताह की शुरुआत में निट्टो एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने वाले स्पेन के इस खिलाड़ी का दूसरे दौर में टैलोन ग्रीक्सपूर से मुकाबला होगा। पहले दौर के एक अन्य मैच में रूसी स्टार मेदवेदेव ने अनुभवी गाएल मोंफिल्स को 6-3, 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह पक्की की।

दो मैच जीतने के बाद कंगारुओं की शर्मनाक हार, 126 पर सिमटी पूरी टीम

लॉर्ड्स,(ईएमएस)। लॉर्ड्स मैदान की रिकॉर्ड बुक खंगाले तो यहां खेले गए नौ वनडे मैचों में जो भी टीम पहले बल्लेबाजी करती है उसे मैच जीतने में सफल मिली है। वहीं शुक्रवार को इंग्लैंड को भी इसी तरह ऑस्ट्रेलिया पर बड़ी जीत हासिल हुई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच वनडे मैचों की सीरीज के चौथे मैच में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 186 रनों से हरा दिया। इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए हैरी ब्रूक के 87 और लिविंगस्टोन के 62 रनों धुंआधार पारी की बदौलत 312 रन बनाए जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 126 रन पर ही सिमट गई।
इंग्लैंड ने ओपनर फिलिप सॉल्ट (22) का विकेट 10वें ओवर में गंवाया। जबकि विल जैक 10 ही रन ही बना सके लेकिन इसके बाद बेन डकेट और कप्तान हैरी ब्रूक ने स्कोर 150 के पार कराया। डकेट ने 62 गेंदों पर छह चौके और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाए। जबकि ब्रूक 58 गेंदों पर 11 चौके और एक छक्के की मदद से 87 रन बनाए। जेमी स्मिथ ने 28 गेंदों पर 39 रन बनाए। इसके बाद मध्यक्रम में लियाम लिविंगस्टोन और बीथल स्कोर को 5वें विकेट के नुकसान पर टीम का स्कोर 312 पर पहुंचाया। लियाम ने 27 गेंदों पर तीन चौके और 7 छक्कों की मदद से 62 रन ठाके। इंग्लैंड के लिए जंपा ने 66 रन देकर 2 विकेट झटके।
लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की शुरूआत अच्छी थी। कप्तान मिशेल मार्श और ट्रेविस हेड ने पहले विकेट के लिए 68 रन बनाए। ट्रेविस 23 गेंदों पर चार चौके और दो छक्कों की मदद से 34 रन बनाए लेकिन इसके बाद स्टीव स्मिथ महज 5 तो जोश इंग्लिस 8, मार्नेस लबुछेन 4 रन बनाकर आऊट हो गए। कप्तान मार्श ने 34 गेंदों पर 28 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया का मध्यक्रम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। एलेक्स कैरी 13, ग्लेन मैक्सवेल 2, सन एबॉट 10, मिचेल स्टार्क 3, एडम जंपा 0 तो हेजलवुड 0 कुछ खास नहीं कर पाए और टीम 126 रन ही बना पाई। इंग्लैंड की ओर से मैथ्यू पॉट्स 38 रन देकर 4, जोफ्रा आर्चर 33 रन देकर 2 तो ब्रायडन 36 रन देकर 3 विकेट लेने में सफल रहे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफीः ऑस्ट्रेलिया टीम को सता रहा अश्विन और जडेजा का डर

मैक्सवेल बोले- ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना होगा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उनके बल्लेबाज भारत की स्पिन जोड़ी, अश्विन और जडेजा से कैसे निपटते हैं। भारत ने पिछले दोनों दौरों में ऑस्ट्रेलिया को उनकी धरती पर हराकर ऐतिहासिक जीत हासिल की थी और अब टीम इंडिया तीसरी बार यह उपलब्धि हासिल करने की तैयारी में है। मैक्सवेल ने कहा कि अक्सर अश्विन और जडेजा की जोड़ी ही खेल का नतीजा तय करती है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से इन दोनों गेंदबाजों का सामना करने के बाद ऐसा लगता है कि उनके खिलाफ हमारा प्रदर्शन मैच का परिणाम तय करता है। हालांकि मैक्सवेल खुद ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट की योजना का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उन्होंने यह साफ कहा कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को भारत के अनुभवी स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अश्विन और जडेजा की जोड़ी ने मिलकर अब तक 330 पारियों में 821 विकेट लिए हैं और 50 बार पांच विकेट लेने का कारनामा कर दिखाया है। मैक्सवेल के मुताबिक यदि ऑस्ट्रेलिया इन दोनों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर पाती है, तो टीम जीत की अच्छी स्थिति में होगी। मैक्सवेल ने गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी तारीफ की, जिन्हें वह 2013 में आईपीएल के दौरान पहली बार नेट्स में गेंदबाजी करते हुए देख चुके हैं। मैक्सवेल ने कहा कि अब बुमराह को इस तरह शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए देखना अद्भुत है। वह तीनों प्रारूपों में शायद सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। अश्विन और जडेजा की कुशल स्पिन और बुमराह की तेज गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत की संभावनाओं को काफी हद तक प्रभावित करेगा।

विश्व कप में कर रहे थे अंपायरिंग, बीवी ने छिपा ली बेटी की मौत की खबर

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान के दिग्गज अंपायर अलीम डार ने अंपायरिंग से संन्यास लेने का ऐलान किया है। आईसीसी के पूर्व एलीट अंपायर और तीन बार वर्ल्ड क्रिकेट अंपायर ऑफ द ईयर रह चुके इस धुरंधर ने पाकिस्तान के घरेलू सीजन के बाद 2025 में संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। हाल ही में उन्होंने अपने जीवन का एक दर्द भरा किस्सा शेयर किया था। 2003 विश्व कप के दौरान उनकी सात माह की प्यारी सी बेटी को उन्होंने खो दिया लेकिन अंपायरिंग पर असर ना हो इसलिए बीवी ने ये बात उनसे छुपाई थी। वह 2003 से 2023 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अंपायरों के एलीट पैनल में शामिल थे। वह अभी पाकिस्तान के एलीट पैनल में हैं और आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल में पाकिस्तान के चार अंपायरों में शामिल हैं। डार ने कहा कि हर शानदार सफर आखिर में खत्म होता ही है और अब समय आ गया है कि मैं पूरी तरह से अपने सामाजिक और परोपकार का काम पर ध्यान लगाऊं। डार ने 1986-1098 तक 17 प्रथम श्रेणी मैच और 18 लिस्ट ए मैच खेलने के बाद 1999 में पाकिस्तान के घरेलू टूर्नामेंट कायदे आजम ट्रॉफी में फर्स्ट क्लास अंपायरिंग में डेब्यू किया था। वह 145 टेस्ट, 231 वनडे और 72 टी20 और पांच टी20 विश्व कप में अंपायरिंग कर चुके हैं। हाल ही में 56 साल के अलीम डार ने एक पाकिस्तानी चैनल को अपने जीवन का सबसे तकलीफ देने वाला किस्सा शेयर किया था। उन्होंने बताया कि साल 2003 विश्व कप में जब वह अंपायरिंग कर रहे थे। 7 महीने की बेटी को खो दिया था। उनकी पत्नी और परिवार के लोगों ने बेटी की मौत की खबर उन तक नहीं पहुंचने दी। डार ने शो में कहा कि आईसीसी पैनल अंपायर के रूप में यह मेरे करियर की शुरुआत थी। विश्व कप का यह मेरे करियर के लिहाज से काफी ज्यादा अहम था। मेरे घर वालों को इस बात का अंदाजा था कि अपनी बेटी की मौत की खबर मिलने के बाद डार टूर्नामेंट छोड़कर घर लौट आएंगे। इसी वजह से इस बात को मुझसे छुपाया गया।

कामिंदु का मुरीद हुआ पाकिस्तानी क्रिकेटर

गॉल (ईएमएस)। श्रीलंकाई बल्लेबाज कामिंदु मेंडिस विश्व कप में चर्चा बटोर रहे हैं। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में फिर से शानदार बल्लेबाजी कर 182 रन बनाकर टीम का स्कोर 602 रन तक पहुंचा दिया। इसके साथ ही कामिंदु ने कई बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। कामिदु के नाम अब 13 पारियों में 5 टेस्ट शतक हैं। मेंडिस के उज्ज्वल भविष्य की भविष्यवाणी करते हुए, पूर्व पाकिस्तानी बल्लेबाज बासित अली ने कहा कि इस खिलाड़ी को भविष्य में फैब फोर में होना चाहिए। फैब फोर न्यूजीलैंड के दिवंगत क्रिकेटर मार्टिन क्रो द्वारा बनाया गया एक शब्द है। फैब फोर सूची में विराट कोहली, स्टीव स्मिथ, केन विलियमसन और जो रूट को फिलहाल रखा गया है। बहरहाल, बासित ने दावा किया कि मेंडिस की गेंद को देर से खेलने की शैली श्रीलंकाई दिग्गज कुमार संगकारा से काफी मिलती-जुलती है।
बासित ने कहा कि मैंने उन्हें इंग्लैंड सीरीज में खेलते देखा था, अब इस सीरीज में भी मेंडिस को खेलते देख रहा हूं। आने वाले दिनों में उन्हें फैब फोर में होना चाहिए। वह अभी सिर्फ 25 साल का है और ये उसके लिए शुरुआती दिन हैं। वह संगकारा की तरह ही गेंद को बहुत देर से खेलता है। मुझे खिलाड़ी पसंद आया। उसमें काफी संभावनाएं हैं। मेंडिस ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरी हैं। उन्होंने 186*रन की पारी के दौरान सर डॉन ब्रैडमैन की बराबरी भी कर ली। दोनों ने 8 टेस्ट में 1000 रन पूरे कर लिए हैं।
बहरहाल, मेंडिस की शानदार बल्लेबाजी की मदद से श्रीलंका ने मौजूदा गॉल टेस्ट की पहली पारी में 602/5 का स्कोर बनाया। गॉल टेस्ट में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले दो दिनों में घरेलू टीम के बल्लेबाजों दिनेश चंडीमल और कुसल मेंडिस ने भी शतक लगाए। कामिंदु 182, एंजेलो मैथ्यूज 88 रन बनाने में सफल रहे। श्रीलंका ने 602/5 पर अपनी पारी घोषित की। ग्लेन फिलिप्स कीवी गेंदबाजों में से सर्वश्रेष्ठ रहे, जिन्होंने तीन विकेट लिए। फिलहाल न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही है। उसने टॉम लैथम और डेवोन कॉनवे के विकेट खो दिए हैं। वह दिन के अंत में 2 विकेट खोकर 22 रन बना चुके हैं।

चौथे वनडे में इंग्लैंड के लियाम ने की ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज की धुलाई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को आईसीसी टी20 विश्व कप में जिस तरह से टीम इंडिया के रोहित शर्मा ने धोया था उसी तरह अब उनकी पिटाई इंग्लैंड के बल्लेबाज ने कर दी। पांच मैचों की वनडे सीरीज में दो मैच जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया को चौथे वनडे में बुरी हार झेलनी पड़ी है। चौथे मुकाबले में इंग्लैंड टीम ने बारिश के चलते 39 ओवर में पांच विकेट पर 312 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 126 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। 186 रन के बड़े अंतर से मैच जीतकर इंग्लैंड ने सीरीज 2-2 की बराबर कर ली। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के स्टार गेंदबाज मिचेल स्टार्क को लियाम लिविंगस्टन ने बुरी तरह धोया। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही पांच मैचों की वनडे सीरीज पहले दो मैच में एकतरफा नजर आ रही थी लेकिन अब हालात बदल गए। लगातार दो हार के बाद मेजबान टीम इंग्लैंड ने दो मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में 2-2 से बराबर कर ली है। सीरीज के चौथे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों की जमकर धुलाई हुई। कप्तान हैरी ब्रुक ने 87 रन बनाए तो लियाम लिविंगस्टन ने 62 रन की तूफानी पारी खेली। बेन डकेट ने भी अर्धशतक लगाया। पारी का आखिरी ओवर करने आए ऑस्ट्रेलिया के स्टार गेंदबाज मिचेल स्टार्क के ओवर में लियाम लिविंगस्टन ने चार छक्के और एक चौका लगाया। इंग्लिश बैटर ने कुल 28 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के वनडे इतिहास में यह अब तक का सबसे महंगा ओवर रहा। इससे पहले सिमोन डेविस, क्रेग मैकडॉरमोट, जावियर जोहार्टी और एडम जाम्पा ने एक ओवर में 26 रन दिए थे।

पाकिस्तानी क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया में मचा रहा धूम, भारत में भी जमा चुका है धाक

- बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत-ऑस्ट्रेलिया में भिडंत, कंगारुओं को ख्वाजा से उम्मीद

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत और ऑस्ट्रेलिया टीमें दो महीने बाद पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने वाली हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दोनों टीमें आपस में भिड़ेंगी। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम को पाकिस्तानी मूल के ओपनर बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा से काफी उम्मीदें हैं। ख्वाजा भारत के खिलाफ अच्छी बैटिंग के लिए जाने जाते हैं। पिछली बार भारत दौरे पर उन्होंने अहमदबाद टेस्ट मैच में धमाकेदार पारी खेली थी। ख्वाजा ने एक छोर से भारत के दिग्गज गेंदबाजों को काफी परेशान किया था। उन्होंने टीम इंडिया के स्पिनर्स का बखूबी सामना किया था। ख्वाजा वर्तमान में पाकिस्तान टेस्ट टीम के अहम सदस्य हैं।
37 वर्षीय बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने 2018 में अपनी गर्लफ्रेंड रचेल मेक्कलेनन से निकाह किया था। उस्मान ख्वाजा से शादी से पहले रचेल ने इस्लाम धर्म अपना लिया था। रचेल कैथोलिक क्रिस्चियन हैं। दोनों ने साल 2016 में सगाई की थी। उनकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी आयशा और छोटी बेटी का नाम आइला है।
उस्मान ख्वाजा जब चार साल के थे तब उनके माता-पिता पाकिस्तान से ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में बस गए थे। दोनों की पहली मुलाकात सिडनी में हुई थी। उस्मान और रचेल को पहली नजर में एक दूसरे से प्यार हो गया। इसके बाद दोनों ने शादी कर ली। ख्वाजा क्रिकेटर के साथ-साथ पायलट भी हैं और उनके पास कमर्शियल पायलट का लाइसेंस भी है।
उस्मान ख्वाजा 73 टेस्ट मैचों में 5451 रन बना चुके हैं जिसमें 15 शतक और 26 अर्धशतक है। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 195 रन रहा है। 40 वनडे में ख्वाजा के नाम 1554 रन है जिसमें दो शतक और 12 अर्धशतक है। 9 टी20 इंटरनेशनल मैचों में ख्वाजा 241 रन बना चुके हैं। 203 फर्स्ट क्लास मैचों में ख्वाजा के नाम 14145 रन दर्ज हैं।

सेलहर्स्ट पार्क, लंदन, ब्रिटेन में गुरुवार को सॉकर फुटबॉल में क्रिस्टल पैलेस बनाम चेल्सी महिला सुपर लीग में चेल्सी की एश्ले लॉरेंस क्रिस्टल पैलेस की इंडिया-पैगी रिले के साथ एक्शन में।

कार दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हुए बल्लेबाज मुशीर, गर्दन और हाथ-पैरों में चोटें

शेष सत्र से बाहर रहने की संभावना

लखनऊ (ईएमएस)। मुंबई के बल्लेबाज मुशीर खान की एसयूवी कार आजमगढ़ से लखनऊ जाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई, इस हादसे में मुशीर को गर्दन और हाथ-पैरों में चोटें आईं। 19 वर्षीय मुशीर का लखनऊ के मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनके शेष सत्र से बाहर रहने की संभावना है। भारतीय बल्लेबाज सरफराज के भाई मुशीर के साथ कार में उनके पिता और कोच नौशान खान भी थे और दुर्घटना में नौशान खान को भी मामूली चोटें आईं। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के सूत्र ने कहा कि कार तेज गति से अनियंत्रित हो गई और सड़क पर कई बार पलट गई।
डॉक्टर स्कैन रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, ताकि यह पुष्टि हो सके कि उनकी गर्दन में फ्रैक्चर हुआ है या नहीं और यह कितना गंभीर है। सूत्र ने बताया, मुशीर संभवतः इस सत्र से बाहर रहे। लखनऊ से आजमगढ़ जाते समय हुई दुर्घटना में उनकी फॉर्च्यूनर कार कई बार पलट गई थी, जिससे उनकी गर्दन और अंगों में चोट आई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती होने के बाद तीन महीने आराम करना होगा। उसके बाद उन्हें पुनर्वास से गुजरना होगा, जिसका मतलब है कि वे छह से सात महीने बाद ही खेल पाएंगे।
मुशीर, जो अपने पिता के साथ आजमगढ़ में प्रशिक्षण ले रहे थे, 1 अक्टूबर से अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में शेष भारत के खिलाफ होने वाले ईरानी कप मैच के लिए लखनऊ में अपने साथियों के साथ शामिल होने वाले थे। एमसीए के अधिकारी मुशीर के दलीप ट्रॉफी मैचों के समापन के बाद आजमगढ़ में प्रशिक्षण लेने और मुंबई में अपनी घरेलू टीम के साथ नहीं जुड़ने के फैसले से भी नाखुश हैं।
मुशीर ने आखिरी बार दलीप ट्रॉफी में इंडिया बी के लिए खेला था, माह की शुरुआत में बेंगलुरु में इंडिया ए के खिलाफ टूर्नामेंट में पदार्पण किया था। उन्होंने अपने डेब्यू मैच में 181 रन बनाए, लेकिन टूर्नामेंट के बाकी मैचों में वे ऐसा कमाल नहीं कर पाए। 2024 अंडर-19 विश्व कप में भारत के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक मुशीर ने फरवरी में रणजी ट्रॉफी में दमदार वापसी की। करीब दो साल बाद मुंबई के लिए अपने पहले मैच में उन्होंने अपना पहला प्रथम श्रेणी दोहरा शतक लगाया और बाद में विदर्भ के खिलाफ रणजी फाइनल में दूसरी पारी में शतक जड़कर मुंबई को रिकॉर्ड 42वां रणजी खिताब दिलाने में मदद की।
मुशीर ने नौ प्रथम श्रेणी मैचों में 50 से अधिक की औसत से 716 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल है। इस बीच, एमसीए ने अभी तक बल्लेबाज के लिए किसी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है।

राउमावि के खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन

बाड़मेर (ईएमएस)। 68वीं जिला स्तरीय वॉलीबॉल छात्र वर्ग में राउमावि धोलानाडा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में दीनगढ़ टीम को हराकर बाजी मारी। इस जीत के साथ ही खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन हुआ है। प्रतियोगिता के समापन के बाद स्कूल स्टाफ और ग्रामीणों ने विजेता खिलाड़ियों का ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि नगाराम बेनिवाल, सरपंच प्रतिनिधि सवाईराम सऊ, आरपी जगराम नेहरा, अमराराम बेनिवाल, प्रधानाचार्य सवाईराम सुथार, और व्याख्याताओं प्रकाश विश्नोई, नवल किशोर, तथा अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस आयोजन ने न केवल खिलाड़ियों की मेहनत और लगन को सराहा, बल्कि ग्रामीण समुदाय के लिए एकजुटता और सहयोग का प्रतीक भी बना। राउमावि धोलानाडा के खिलाड़ियों की इस सफलता से स्कूल और क्षेत्र में खेल के प्रति उत्साह बढ़ा है, और उनकी आगे की सफलता के लिए सभी ने शुभकामनाएं दीं।

फीफा ने अर्जेंटीना के मार्टिनेज को दो मैचों के लिए निलंबित किया

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)। अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो डिबू मार्टिनेज को निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों का उल्लंघन करने पर फीफा की अनुशासन समिति ने दो मैचों के लिए निलंबित किया है। मार्टिनेज अगले माह वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ अर्जेंटीना के विश्व कप क्वालीफायर में नहीं खेल पाएंगे। मार्टिनेज ने इस माह की शुरुआत में चिली और कोलंबिया के खिलाफ कोपा अमेरिका मैचों के दौरान फीफा की आचार संहिता का उल्लंघन किया था। चिली के खिलाफ जीत के बाद, गोलकीपर को कोपा अमेरिका ट्रॉफी की प्रतिकृति को अपने ग्रोइन क्षेत्र में पकड़े हुए देखा गया, जो 2022 फीफा विश्व कप जीत के बाद उनके द्वारा किए गए जश्न की याद दिलाता है। एस्टन विला स्टार को कोलंबिया से अर्जेंटीना की 2-1 की हार के बाद अपने कार्यों के लिए भी परिणाम भुगतने पड़े, जब उन्होंने अंतिम सीटी के बाद एक कैमरा ऑपरेटर के उपकरण को धक्का दिया था। अर्जेंटीना फुटबॉल महासंघ (एएफए) ने कहा कि फीफा द्वारा प्रतिबंधों की पुष्टि करने से पहले खिलाड़ी और संघ द्वारा बचाव प्रस्तुत किया गया था। एएफए ने कहा, मार्टिनेज को उनके आक्रामक व्यवहार और निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इसमें कहा गया, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि अर्जेंटीना फुटबॉल संघ फीफा अनुशासन समिति द्वारा लिए गए निर्णय से पूरी तरह असहमत है। ला एल्बिसेलेस्टे वर्तमान में आठ मैचों में 18 अंकों के साथ कॉनमेबोल विश्व कप क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद कोलंबिया से दो अंकों की बढ़त बनाए हुए है। कॉनमेबोल की शीर्ष छह टीमें 2026 टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करेंगी, जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए अंतर-संघ प्लेऑफ में प्रवेश करेगी।

जब लॉर्ड्स में दर्शकों ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को कहा ...धोखेबाज

लॉर्ड्स (ईएमएस)। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे के दौरान ऑस्ट्रेलियाई विकेट कीपर जोश इंग्लिस को निंदा का शिकार होना पड़ा। इंग्लैंड जब बल्लेबाजी कर रही थी, तब 17वें ओवर में मिचेल स्टार्क की एक गेंद पर इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक के बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर इंग्लिस की ओर चली गई। इंग्लिस ने अपने बाएं और छलांग लगाकर गेंद को पकड़ लिया। कैमरे में साफ दिख रहा था कि गेंद हाथ में आने से पहले जमीन पर लगी थी, लेकिन इंग्लिस ने फिर भी अपील की। जब यह लॉर्ड्स में बैठे दर्शकों ने देखा, तब उन्होंने इंग्लिस की जमकर हूटिंग की। हालांकि अंपायर जोएल विल्सन ने इंग्लिस के कैच पकड़ने के बाद ब्रूक को आऊट करार दे दिया था। लेकिन बाद में मामला थर्ड अंपायर के पास चला गया। तीसरे अंपायर कुमार धर्मसेना ने निर्णय को पलट दिया क्योंकि रीप्ले में साफ दिख रहा था कि गेंद इंग्लिस के दस्तानों में उछल गई थी। जब स्क्रीन पर यह दिखाया गया, तब दर्शक बेकाबू हो गए। उन्होंने वहीं पुराने ऑस्ट्रेलियाई, हमेशा धोखा दे रहे हैं के नारे लगाए। यह घटना 14 महीने बाद हुई जब ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने उसी स्थान पर दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान जॉनी बेयरस्टो को विवादास्पद तरीके से स्टंप किया था, इस दौरान लॉर्ड्स पवेलियन के लॉन्ग रूम में गर्म प्रतिक्रियाएं और भद्दे दृश्य देखने को मिले थे। इसके पहले बारिश के कारण टॉस में 90 मिनट की देरी हुई। इसके चलते मुकाबले को प्रति पक्ष 39 ओवर का कर दिया गया।

कोहली को खेलते देखने की चाह...58 किलोमीटर साइकिल चला पहुंचा स्टेडिम

कानपुर (ईएमएस)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली देश के सबसे लोकप्रिय खेल सितारे हैं। भारत के पूर्व कप्तान की दीवानगी के कारण एक 15 वर्षीय लड़का उन्हें देखने के लिए अपने घर से 58 किलोमीटर दूर साइकिल पर आ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है, वीडियो में कार्तिकेय नाम के एक लड़के ने खुलासा किया कि शुक्रवार को सुबह 4 बजे उन्नाव से अपनी साइकिल यात्रा शुरू की। वह सुबह 11 बजे ग्रीन पार्क स्टेडियम पहुंचा। 10वीं के छात्र ने कोहली को खेलते देखने के लिए साइकिल से इतनी लंबी दूरी तय की।
कानपुर में मैच के दौरान दर्शकों में गजब उत्साह दिख रहा है। टॉस से पहले ग्राउंड स्टाफ के एक सदस्य ने कोहली के पैर भी छू लिए। कोहली चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच में बल्ले से चमकने में नाकाम रहे थे। वह 6 और 17 ही बना पाए थे। कोहली के इस प्रदर्शन पर बाद में पूर्व विकेट कीपर पार्थिव पटेल ने भी बात की थी। पटेल ने कहा था कि मुझे नहीं लगता कि वह (विराट कोहली) उस तरह का दबाव महसूस कर रहे हैं। और जैसा कि आपने सही कहा, मुझे नहीं लगता कि स्मिथ या जो रूट या विलियमसन सोच भी सकते हैं कि वह किस प्रकार का दबाव महसूस कर सकते है। दबाव उम्मीद की बात है, यह बहुत बड़ा है।

जब केबीसी में आया कोहली से जुड़ा सवाल...प्रतियोगी ने जीते 20 हजार

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर टेलीविजन क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली के क्रिकेट करियर के संबंधी एक सवाल पूछा गया। बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन शो के होस्ट हैं। उन्होंने प्रतियोगी से पूछा इसमें से किसने 2024 टी20 विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की? उपरोक्त प्रश्न के विकल्प थेः आर अश्विन, कुलदीप यादव, विराट कोहली और हार्दिक पंड्या। प्रश्न का सही उत्तर था विराट कोहली। फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 59 गेंदों में 76 रन की पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने के बाद कोहली ने घोषणा की कि यह इस प्रारूप में उनका आखिरी मैंच था। कोहली के साथ रवींद्र जड़ेजा और कप्तान रोहित शर्मा ने भी संन्यास ले लिया था। यह सवाल 20 हजार रुपए के लिए था। प्रतियोगी ने इसका सही जवाब दिया। केबीसी में अक्सर क्रिकेट से जुड़े सवाल आते रहते हैं। बीते दिनों शो में आईपीएल के बारे में भी सवाल आए थे।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने क्यों कहा...भारत के पास ऋषभ पंत भी

सूरत (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने ऋषभ पंत की कप्तानी की तारीफ कर कहा कि उनकी कप्तानी करने की एक अलग ही शैली है। पंत ने टी20 विश्व कप 2024 के दौरान टीम में वापसी की है। पंत ने 8 मैच में 127.61 की स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 128 गेंदों पर 85.16 के स्ट्राइक रेट से 109 रन की पारी खेलकर प्रंशसकों का दिल जीत लिया। पंत ने शतकीय पारी में 13 चौके और 4 छक्के भी मरे थे। वह अपनी फार्म में हैं। इस लेकर मनोज ने कहा कि पंत की कप्तानी की शैली अलग है लेकिन फिर भी गिल के राष्ट्रीय टीम के अगले कप्तान बनने की अधिक संभावना है। तिवारी ने कहा कि जो व्यक्ति एक नेता के रूप में सामने आ रहा है, उसे ही टीम का नेतृत्व करना चाहिए। हाल ही में, देखा कि शुभमन गिल को कई श्रृंखलाओं में कप्तानी मिली थी। इससे पता चलता है कि बीसीसीआई उनका समर्थन कर रहा है, लेकिन भारत के पास ऋषभ पंत भी हैं। आईपीएल 2024 में पंत ने 13 मैचों में 446 रन बनाए थे। बहरहाल, पंत अभी बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर के मैदान पर दूसरा टेस्ट खेलने में बिजी है।

एनएसई और बीएसई ने ट्रांजेक्शन फीस में किया बदलावः 1 अक्टूबर से कैश, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रांजैक्शन के ट्रेड में लागू होंगी नई दरें

मुंबईः नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने कैश और फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेड के लिए लगने वाली ट्रांजैक्शन फीस में बदलाव किया है। एनएसई में कैश मार्केट के लिए अब ट्रांजैक्शन फीस 2.97 रुपए/लाख ट्रेडेड वैल्यू होगी। वहीं इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में फ्यूचर्स में ट्रांजैक्शन फीस 1.73 रुपए/लाख ट्रेडेड वैल्यू होगी। जबकि ऑप्शंस में 35.03 रुपए/लाख प्रीमियम वैल्यू होगी। करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में एनएसई ने फ्यूचर्स के लिए ट्रांजैक्शन फीस 0.35 रुपए/लाख ट्रेडेट वैल्यू रखी है। जबकि करेंसी ऑप्शंस और इंटरेस्ट रेट ऑप्शंस में यह फीस 31.1 रुपए/लाख प्रीमियम वैल्यू होगी।

इसी तरह बीएसई ने भी अपनी ट्रांजैक्शन फीस में बदलाव किया है। करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट्स (क्रॉस करेंसी फ्यूचर्स के साथ) पर एक करोड़ की टर्नओवर वैल्यू पर 45 रुपए फीस लगेगी। बीएसई के ऑप्शंस पर एक करोड़ की प्रीमियम टर्नओवर वैल्यू पर 100 रुपए की फीस लगेगी। ये बदलाव 1 अक्टूबर से लागू होंगे। एनएसई और बीएसई ने ट्रांजैक्शन फीस में यह बदलाव मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की ओर से जुलाई में आए मैंडेट के बाद किए हैं। उस मैंडेट में सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजेज को मार्केट इंफ्रास्ट्रक्टर इंस्टीट्यूशंस के सभी सदस्यों के लिए यूनिफॉर्म फ्लैट फी स्ट्रक्चर रखना जरूरी किया था। इसके जरिए सेबी वॉल्यूम और एक्टिविटी के आधार पर अलग-अलग स्लैबों में अलग-अलग फीस के स्ट्रक्चर को बदलना चाहती है।

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही तेजीःसोना 1,547 रुपए बढ़कर 75,640 रुपए पर पहुंचा

नई दिल्लीः इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 21 सितंबर को सोना 74,093 रुपए पर था, जो अब (28 सितंबर) को 75,640 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,547 रुपए बढ़ी है। वहीं, चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को ये 88,917 रुपए पर थी, जो अब 91,448 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस हफ्ते इसकी कीमत 2,531 रुपए बढ़ी है। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,550 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,400 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 70,950 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,400 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,400 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,450 रुपए है।

इस साल सोने में अब तक 12 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी

आईबीजेए के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 12,288 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 75,640 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 91,448 रुपए पर पहुंच गए हैं।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार, आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

भारत और भूटान ने बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और भूटान ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कुछ सीमा पार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के लिए चर्चा की। इनमें अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना का मुद्दा भी शामिल रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल और भूटान के उद्योग, वाणिज्य एवं रोजगार मंत्रालय (एमओआईसीई) के सचिव दाशो ताशी वांगमो के बीच थिम्पू में हाल ही में हुई बैठक में इन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने बैठक की सह-अध्यक्षता करते हुए सीमापार और संपर्क के बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया। इसमें जयगांव-फुंटशोलिंग में एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना और कोकराझार-गेलेफू और बानरहाट-समात्से के बीच रेल संपर्क शामिल है। बयान के अनुसार दोनों सचिवों ने भूटान से भारत में कबाड़ के आयात के लिए एलसीएस (भूमि सीमा शुल्क स्टेशन) जयगांव की अधिसूचना, भारत-भूटान सीमा पर सीमा हाट की स्थापना, व्यापारियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और भूटान से भारत में बोल्डर के आयात पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा भूटान से भारत में आयात के लिए लकड़ी की तीन अतिरिक्त किस्मों को शामिल करने पर भी चर्चा हुई। साथ ही मार्च 2024 में हस्ताक्षरित भूटान खाद्य एवं औषधि प्राधिकरण (बीएफडीए) द्वारा प्रयोग किए जाने वाले आधिकारिक नियंत्रण को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा मान्यता देने के लिए समझौते के शीघ्र परिचालन पर विचार-विमर्श किया गया।

स्टर्लिंग विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी के प्रवर्तकों ने हिस्सेदारी बेची

स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी के प्रवर्तकों शापूरजी पालोनजी और खुर्शीद यजदी दारूवाला ने खुले बाजार में लेनदेन के जरिए कंपनी में 7.14 फीसदी हिस्सेदारी 1,040 करोड़ रुपये में बेच दी। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार शापूरजी पालोनजी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ने स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी (एसडब्ल्यूसोलर) में 1.35 करोड़ शेयर बेचे, जो 5.78% हिस्सेदारी के बराबर हैं। इसके अलावा खुर्शीद यजदी दारूवाला ने सौर ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) समाधान प्रदाता कंपनी में 31.50 लाख शेयर बेचे। शेयरों का निपटान 623.28-630.01 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में किया गया, जिससे संयुक्त सौदे का मूल्य 1,039.88 करोड़ रुपये हो गया। सौदे के बाद एसडब्ल्यूसोलर में शापूरजी पालोनजी एंड कंपनी की हिस्सेदारी 12.73% से घटकर 6.95% हो गई है, जबकि दारूवाला की हिस्सेदारी 1.48 प्रतिशत से घटकर 0.13% हो गई है।

ब्रिटेन का भी मिला साथ, तो यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता पक्की!

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत काफी समय से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्यता मांग कर रहा है, लेकिन चीन द्वारा लगाई गई कुछ रोक की वजह से मांग पूरी होने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि हाल में भारत के समर्थन में कई बड़े देशों का रुख सकारात्मक हुआ है। अमेरिका और फ्रांस के बाद अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी भारत की यूएनएससी में स्थायी सदस्यता का समर्थन किया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में अपने संबोधन के दौरान यह विचार व्यक्त किया।

स्टार्मर ने कहा कि यूएनएससी को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और कार्रवाई करने के लिए तैयार निकाय के रूप में बदलने की जरूरत है। उन्होंने भारत, जापान, ब्राजील, और जर्मनी को स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थन किया, साथ ही अफ्रीका को भी स्थायी प्रतिनिधित्व दिए जाने की वकालत की। इसके अलावा उन्होंने निर्वाचित सदस्यों के लिए अधिक सीटें बढ़ाने की भी आवश्यकता बताई। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने भी भारत की स्थायी सदस्यता के समर्थन में बयान दिए थे।

मैक्रॉन ने यूएनएससी में सुधार और इसे अधिक समावेशी बनाने पर जोर दिया था। उन्होंने भारत, ब्राजील, जापान, और जर्मनी के साथ दो अफ्रीकी देशों को भी स्थायी सदस्यता देने की वकालत की। भारत का तर्क है कि 1945 में स्थापित 15 सदस्यीय यूएनएससी मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता और इस मंच में सुधार की आवश्यकता है। भारत के अलावा जापान, ब्राजील, और जर्मनी भी लंबे समय से सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की मांग कर रहे हैं, जिसे जी4 देशों का समूह कहा जाता है। भारत का कहना है कि उसे इस महत्वपूर्ण मंच पर स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए, क्योंकि वह दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और आर्थिक शक्तियों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के योगदान और विकासशील देशों के मुद्दों पर उसकी मजबूत स्थिति इसे इस सदस्यता का मजबूत दावेदार बनाती है।

लॉफिंग ज़ोन

पत्नीः आप बहुत देर से घर के बाहर खड़े हो , पर अंदर क्यों नहीं आ रहे थे ?

पतिः और तुम इतनी रात तक जाग कर क्या कर रही हो।

पत्नीः मैं पांच घंटे से आपके इंतजार में जाग रही थी।

पतिः और मैं पांच घंटे से इसी इंतजार में बाहर खड़ा था कि तुम सो जाओ तो मैं अंदर आऊं।

□ □ □

ग्राहक, 'यह सुप तो बहुत ही पतला है?'

बैरा, 'मैनेजर साहब की इच्छा है की प्लेट पर बने बेल बूटे भी आप देख सकें।'

□ □ □

सुमित्रा (बेटे गौरव से), 'बेटा आज तुम सोते-सोते इतनी जोर से गाना क्यों गा रहे थे?'

गौरव, 'मम्मी। सपने में नहाते हुए मुझे जोर से ठंड लग रही थी। गाना नहीं गाता तो औंर क्या करता।'

□ □ □

लड़का - तुम गाना बहुत अच्छा गाती हो।

लडकी - नहीं , में तो सिर्फ बाथरूम सिंगर हूँ।

लड़का - तो बुलाओ ना कभी , महफिल जमाते हैं।

आज का इतिहास

1971 सोवियत संघ ने चांद के रहस्यों की खोज के लिए लूना-19 का प्रक्षेपण किया.

1976 सीरियाई सैनिकों ने फलीस्तीनी छापामारों की पूर्वी बेरूत के महत्वपूर्ण ठिकानों से खदेड़ दिया.

1977 गंगाजल के बंटवारे के बारे में भारत और बांग्लादेश के बीच समझौता हुआ.

1988 संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की गई.

1991 वियतनाम युद्ध के बाद अमरीका और वियतनाम के विदेश मंत्रियों की पहली बैठक हुई.

1997 भारतीय उपग्रह आईआरएस 1 का श्रीहरिकोटा से सफल परीक्षण.

2001 श्रीनगर से लगभग 55 किमी.दूर सोपोर में एक होटल में आग लग जाने से 11 गैर कश्मीरी सहित 14 लोग जल मरे जबकि 16 अन्य घायल हो गए.

2005 जम्मू-कश्मीर में एक बस के खाई में गिरने से 44 यात्री मरे.

दैनिक पंचांग

29 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.13 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृश्चिक	09.27 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	11.43 बजे से
बुध	कन्य में	मकर	13.48 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	15.35 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.08 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	18.38 बजे से
राहु	मीन में	वृष	20.18 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	22.16 बजे से
		कर्क	00.30 बजे से
		सिंह	02.46 बजे से
		कन्या	04.58 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2024 वर्ष का 273 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वादशी 16.48 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा अहोरात्र।
योग साध्य 00.27 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 16.48 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 02° 31'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872117
जूलियन दिन 2460582.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 25
विशेष प्रदोष व्रत, विश्व हृदय दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 6702

बाएँ से दाएँ
1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण-4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे
2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला-4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -6701 का हल

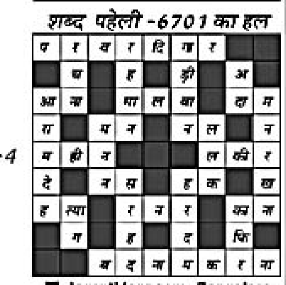

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6243

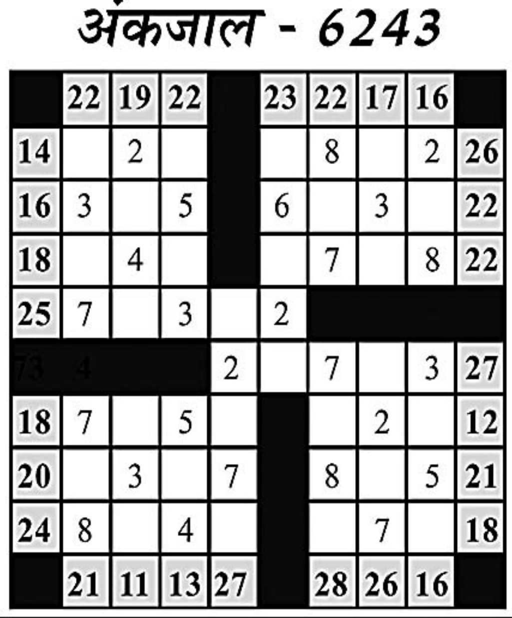

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6242 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5187

5	3			1		
	33	2	**32**		**28**	
1		7		4		3
6	**33**		**42**		**31**	6
			6		5	1
7	**27**	3	**35**	5	**40**	
	5			6		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5186 का हल

6	3	5	7	4	1	2
1	**28**	3	**35**	5	**34**	7
4	5	1	3	7	2	6
7	**34**	6	**26**	2	**33**	3
3	6	2	4	1	7	5
5	**30**	4	**33**	6	**32**	1
2	1	7	6	3	5	4

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली -4547

20		30		20		8	=	62
	■		■		■		■	
17		8		10		1	=	20
	■		■		■		■	
40		2		3		10	=	6
	■		■		■		■	
25		5		3		25	=	12
=	■	=	■	=	■	=	■	=
23		24		30		43	=	36 / 60

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली -4546

10	+	20	-	30	+	40	=	40
+	■	+	■	+	■	-	■	+
40	+	75	-	40	-	25	=	50
+	■	-	■	-	■	+	■	-
52	-	51	+	48	-	36	=	13
÷	■	+	■	+	■	-	■	-
2	x	50	-	54	-	10	=	36
=	■	=	■	=	■	=	■	=
51	+	94	-	76	-	41	=	41 / 23

शब्दजाल - 6234

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	प	गो
न	का	क	म	इं	डे	ने	ग	ति	मा	ला
अ	दा	र	ला	मा	ग	अं	द	ह	प	का
जी	ग	ल	का	जा	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	व	अ	ला	र	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'कार' लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्रकार, गोलाकार, अनाकार, जानकार, एकाधिकार, नकार, अंधकार, अलंकार, असहकार, कमलाकार

शब्दजाल - 6233 का हल

अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	य	रा
वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	इ	चु
मे	ष	बा	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	क	इं
नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क	डि
आ	मी	ल	म	चा	न	क्रे	न	भ	च	या
ल	न	र	रा	क	ली	ती	ण	प	र	द
सिं	निं	ग	ट्रे	न	र	स	बा	व	स	क
ह	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क	रा
म	तु	ला	रा	ग	स	या	औ	र	आ	क
गॉ	ल	प	लि	जी	कुं	भ	म	प	द	क
ड	क	र्क	या	क	र्त	व्य	ब	त	म	श

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एनसीसी केडेटो द्वारा आयुष्मान भारत स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता सेमिनार आयोजित

ओरमांझी(मोहसीन आलम):आरटीसी महाविद्यालय के प्रांगण में शनिवार क्रो एनसीसी केडेटो द्वारा आयुष्मान भारत, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता सेमिनार, वार्तालाप,जोरदार भाषण और प्रयोग विधि द्वारा जानकारी दिया गया जिसमें आयुष्मान भारत योजना के बारे में और स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी दिया गया मौके पर उपस्थित कॉलेज के ए.एन.ओ मेजर रंजीत कुमार सिंह,कॉलेज के शिक्षक प्रेमनाथ मुंडा,विजय महतो,गफ्फार अंसारी,इमरान अंसारी,इकबाल अंसारी तथा एनसीसी के सीनियर खुशबू कुमारी, शिवानी कुमारी लीलामणि कुमारी और सभी कैडेट उपस्थित हुए.

ओरमांझी में खिजरी विधायक ने ग्यारह विकास योजनाओं का रखा आधारशीला, आने वाले दिनों में एक भी कच्चा मकान नहीं रहने देंगे:राजेश कच्छप

ओरमांझी :ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गाँवो में शनिवार क्रो खिजरी विधायक कच्छप ने झारखण्ड सरकार के विधायक मद से ग्यारह महत्वाकांक्षी विकास योजनाओं का शिलान्यास विधिवत फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया,इस दौरान चंदरा पंचायत के मधुकमा चौक में मंडा खुटा निर्माण,सदमा लोहराजरा में कुम्भकरण के बाबूलाल के घर तक पीसीसी पथ,कामता मोड़ से कुल्ही रानी चुंबा जाने वाला रास्ता में पीसीसी पथ,ग्राम गुंजा मंडा खुटा,सांडी में सड़क किनारे गार्डवाल निर्माण,चापाबर मेला बगीचा में चबूतरा निर्माण,गगारी के जगदीश महतो के घर से मुख्य पथ रंजीत के घर तक पीसीसी पथ निर्माण,बिजाग में सामुदायिक स्वास्थ्य भवन का शिलान्यास,पिपरा बंडा में सरना स्थल तक जाने वाला पथ में गार्डवाल निर्माण,पालु में मुस्लिम टोला से मोहन मुंडा तक पीसीसी पथ निर्माण,गणेशपुर ब्रतुआ खेल मैदान में चबूतरा निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।मौके पर मुख्य रूप से कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष तुलसी खरवार,झामुमो प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर महतो,उप प्रमुख रिजवान अंसारी,जिला परिषद सदस्य कमिश्नर मुंडा,विधायक प्रतिनिधि प्रेम नाथ मुंडा,सुरेश प्रसाद साहू,विधायक प्रतिनिधि खाद्यआपूर्ति विभाग के सफीउल्लाह अंसारी, तोहिद आलम,हरिमोहन महतो,हुमायूं उर्फ नईम अंसारी,रवि साहू,चंदरा मुखिया सीमा देवी पूर्व मुखिया रामेश्वर उरांव,रशीद अंसारी,सरपंच रीना मुंडा, मुखिया दशमी मिंज, सरपंच जूलीता देवी सोनिया सुमति,उमा देवी,नरेश यादव,मुबारक अंसारी,अनीता देवी,मकबूल अंसारी, सुरेंद्र उरांव, बाबूलाल महली सहित कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता और सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

डीएवी आनंद स्वामी के जाँबाज़ खिलाडियों का ज़ोरदार सम्मान समारोह

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : डीएवी स्पोर्ट्स 2024 स्टेट लेबल की सभी प्रतियोगिताएं समाप्त हो चुकी हैं और नेशनल लेबल स्पोर्ट्स की तैयारी चल रही है। स्टेट लेबल के विजयी खिलाडी अक्टूबर महीने में होने वाले डीएवी नेशनल लेबल के खेलों में भाग लेकर झारखण्ड का नेतृत्व करेंगे। आज डीएवी आनंद स्वामी में विजयी खिलाडियों को सम्मानित किया गया, जिनमें अंडर 14 कराटे के बालक और बालिका वर्ग के विजेता रोप स्किपिंग अंडर 14 के विजेता, एरोबिक्स बालिका वर्ग की टीम तथा बॉक्सिंग अंडर 14 के विजेता खिलाडियों को विशेष रूप से सम्मानित करते हुए नेशनल लेबल में जीत की शुभकामनायें विद्यालय की मुख्य अध्यापिका श्रीमती रोशी वाधवानी के द्वारा दिया गया। खिलाडियों को सम्मानित करते हुए उन्होंने कहा कि स्टेट लेबल में झारखण्ड के सौ डीएवी स्कूल शामिल हुए थे, जिसमें हमारे विद्यार्थियों का ज़ोरदार प्रदर्शन रहा, अब इनका मुकाबला पूरे भारत के डीएवी स्कूल्स से होगा, वहाँ भी हमारे खिलाड़ी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता के परचम लहराएंगे। विद्यार्थियों की शानदार सफलता के मुख्य आधार विद्यालय के खेल शिक्षक सुशील कुमार एवं शिक्षिका नेहा लकड़ा रही जिन्होंने कोच की भूमिका निभाते हुए खिलाडियों का मार्गदर्शन किया। नेशनल लेबल में जाने वाले प्रमुख विद्यार्थी इशांत गुप्ता, अर्पित राज, प्रीति पाण्डेय, वेद, कुमार गुप्ता, दिव्यांश वर्मा, अनन्या, सौम्या, जान्हवी,इशिका, माया आलिया, अनिका हैं।

हाथियों के झुंड का आतंक थम नहीं रहा है ग्रामीण परेशान,दो बजे रात विधायक ग्रामीणों से मिलने पहुंचे

ओरमांझी:ओरमांझी प्रखंड में पिछले 6 दिनों से हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है.शनिवार कि रात हाथियों के झुंड तापे से रामगढ़ की ओर खिड़दने के लिए काफी प्रयास किया गया,रात 8 बजे हाथियों के झुंड को मसाल जलाकर हाथी भगाव दस्ता के द्वारा चुटूपालु की ओर खदेडा गया है,रांची रामगढ़ मुख्य मार्ग पर गुजरने के लिए हाथियों को देखने के लिए सैकड़ो लोग जुड़ गए थे, हाथियों को रोड पर करने के लिए यातायात कुछ देर के लिए बाधित किया गया था,वन विभाग के कर्मचारी इस पर पूरी मशक्कत के साथ हाथियों को भगाने का प्रयास कर रहे हैं. शुक्रवार की रात विधायक राजेश कच्छप 2 बजे रात तक गगारी गांव में डटे थे,जहाँ हाथियों का झुंड आकर रुकी हुई थी,ग्रामीण काफी दहशत व भय में थे,जिस विधायक ढाढ़स बंधे हुए थे, वही विधायक ने कहा कि जितने मकान हाथियों ने छाती किया है सभी को सरकार की ओर से मुआवजा दिलाने का भरपूर कोशिश करूंगा, हाथियों ने पिछले 6 दिनों में दर्जनों मकानों को क्षतिग्रस्त कर चुके हैं, जबकि खेत में लगे धानों को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़े, हाथियों को भगाने के लिए पटाखे व मसाला की व्यवस्था की गई है, वन विभाग के कर्मचारी जान जोखिम में रखकर हाथियों को भगाने का काम कर रहे हैं,हाथी भगाव दस्ता के साथ वन विभाग के कर्मचारी, ओरमांझी थाना प्रभारी अनिल कुमार तिवारी वनरक्षक शिवनारायण महतो सहित सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे.

मानगो नगर निगम की ओर से गांधी मैदान में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

जमशेदपुर । स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मानगो नगर निगम क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में आज गांधी मैदान मांगों में शहरी स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से एक साथ स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर डीडीसी मनीष कुमार ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । इस अवसर पर मानगो नगर निगम के अपर नगर आयुक्त रंजीत लोहरा डिप्टी म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के सुरेश यादव उपनगर आयुक्त आकिब जावेद अरविंद अग्रवाल गोपी कृष्ण सिटी मैनेजर जितेंद्र कुमार मांगू नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर मुख्तार आलम खान, सेनेटरी इंस्पेक्टर कुमार अंशुमन ,राजेश कुमार ,राजकमल उपस्थित थे। इस स्वास्थ्य शिविर में डॉ स्मिता, डॉ डॉक्टर हिदायतुल्लाह, डॉ अमीर सुल्तान ,योग स्वास्थ प्रबंधक सुमन कुमार मंडल ,शहरी डाटा मैनेजर दीपक कुमार ,एएनएम बनानी महतो ,छवि महतो , लैब टेक्निशन अविनाश कुमार के द्वारा स्वास्थ सेवाएं दी गई। इस शिविर में 182 लोगो की जांच की गई।

एनडीए सीट शेयरिंगः आजसू-जदयू के साथ लड़ेगी विधानसभा चुनाव

रांची : चुनाव आयोग के झारखंड दौरे और विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट के बीच बीजेपी की ओर से बड़ी बात सामने आई है। राज्य में बीजेपी किस मोड में चुनाव लड़ेगी, इसका खुलासा चुनाव सह प्रभारी और असम के सीएम हेमंता विश्वा शरमा ने कर दी है।

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि बीजेपी का झारखंड विधानसभा चुनाव में आजसू और जदयू के साथ गठबंधन होगा। सीट शेयरिंग 99 फीसदी हो चुका है। एक-दो सीटों को लेकर चर्चा करना बाकि है। पितृपक्ष समाप्त होते ही गठबंधन का ऐलान कर दिया जाएगा।

भाजपा के 14 उम्मीदवारों के नाम पर सहमति

बीते दिनों भाजपा की रायशुमारी के बाद पार्टी ने 14 उम्मीदवारों के नाम पर सहमति बनाई है। भाजपा

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी राजधनवार विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। वे अभी इसी सीट से विधायक हैं। वहीं सीता सोरेन को जामताड़ा से प्रत्याशी बनाया जाएगा। मरांडी के नाम पर सहमति बन चुकी है। मूल रूप से ओडिशा की होने के कारण सीता सोरेन आदिवासी सीट से चुनाव नहीं लड़ सकतीं। इसलिए भाजपा ने उन्हें सामान्य सीट जामताड़ा से चुनाव मैदान में उतारने का मन बनाया है। अभी तक की जानकारी के मुताबिक राजधनवार से बाबूलाल का नाम सबसे ऊपर है, लेकिन जामताड़ा में सीता के समर्थन अन्य लोगों की तुलना में कुछ कम है। इसी बीच पार्टी ने तय किया है कि प्रदेश अध्यक्ष होने के कारण बाबूलाल अपनी पसंद की सीट से चुनाव लड़ेंगे। हालांकि इससे पहले मरांडी के दुमका से चुनाव लड़ने पर चर्चा हुई थी, लेकिन ऐसे में लुईस मरांडी और सुनील सोरेन में से किसी का टिकट कट जाता।

इनका नाम लगभग तय

राजधनवार : बाबूलाल मरांडी
दुमका : लुईस मरांडी
शिकारीपाड़ा : परितोष सोरेन
जामताड़ा : सीता सोरेन
जामा : सुनील सोरेन
खूंटी : नीलकंठ सिंह मुंडा
सरायकेला : चंपाई सोरेन
जगन्नाथपुर : गीता कोड़ा
सिसई : अरुण उरांव
घाटशिला : बाबूलाल सोरेन
गुमला : मिसिर कुजूर
राजमहल : अनंत ओझा
गोड्डा : अमित मंडल
भवनाथपुर : भानु प्रताप शाही

सीएम के पत्र का देंगे जवाब

असम में रह रहे झारखंड के आदिवासियों को आदिवासी का दर्जा देने को लेकर सीएम हेमंत सोरेन की ओर से हिमंता को भेजे गए पत्र से संबंधित सवाल का जवाब देते हुए असम के सीएम हेमंता विश्वा शरमा ने कहा कि मैं उनके पत्र का जवाब दूंगा। उन्होंने कहा कि इस पत्र का उत्तर वे खुद जानते हैं।
कहा कि आज हेमंत सोरेन से आप पूछिए कि कल्पना सोरेन राज्य के किसी भी आदिवासी सीट से चुनाव क्यों नहीं लड़ सकती है। उत्तर उनके घर में ही है। उनके घर में ही उनको उत्तर मिल रहा है। फिर भी उन्होंने लिखित जवाब मांगा है, यह मैं दूंगा। थोड़ा समय मिल जाए।

राज्य से घुसपैठिए निकालने के लिए एनआरसी जरूरी

पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड से घुसपैठियों को निकालने के लिए एनआरसी आवश्यक है। उन्होंने यह कहा कि सरकार बनने के बाद इस पर बात होगी। मौके दिए जाएंगे। फिर जो अपनी नागरिकता का प्रमाण नहीं दे पाएंगे, उन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत उनके देश वापस भेजा जाएगा। अचानक से वोटर लिस्ट में शामिल हुए लोगों की भी कुंडली एनआरसी के माध्यम से निकाली जाएगी।

चौपारण के जीटी रोड पर चलते हुए कंटेनर में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबू

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग) प्रखंड के सांझ बस्ती में जीटी रोड पर अचानक चलते कंटेनर मे आग लग गई देखते ही देखते कंटेनर से तेज आज की लपटे उठने लगी। यह घटना शनिवार सुबह 10:30 बजे घटित हुई। हरियाणा नंबर का यह कंटेनर HR 55AA 0578 में उत्तर प्रदेश के नोएडा से गद्दा लोड कर उड़ीसा की ओर जा रहा था I कंटेनर में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। गाड़ी में तीन की संख्या में लोग सवार थे। खैरियत यह रही कि तीनों कंटेनर सवारों को सुरक्षित बचा लिया गया।तीनों सुरक्षित हैं। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद चौपारण पुलिस की टीम और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर आग में धूं-धूं कर जलते कंटेनर के आग पर काबू पाया।

स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : राँची विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजन आर यू के विश्वविद्यालय भूगर्भ शास्त्र विभाग में एन एस एस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई।क

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न विभागो के छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में सम्मिलित प्रतिभागियों ने अपनी कला एवं प्रतिभा का परिचय दिया।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडली में डॉ चक्रधर प्रसाद महतो, डॉ भारती द्विवेदी, डॉ चंचल लकड़ा, डॉ शिल्पी आभा खलखो, डॉ कुमारी उर्वशी, अनुभव चक्रवर्ती आदि शामिल रहें।

चित्र कला प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी

चित्रकला — प्राची मेहता, दीपाली तिर्की, अदिति तिर्की, स्वाति कुमारी (अंग्रेजी विभाग), सोमनाथ, असद अक्तर अली (आई.एल.एस), गोसिया सुरैया, खुशबू कुमारी (मनोविज्ञान), उदय कर्माकर (संस्कृत), दिव्यानी साहू (आई.एम.एस), प्रीति सिंह, अलबेला केरकेट्टा (वनस्पति विज्ञान), सोनाली कर्माकर, आकांक्षा रानी प्रधान, विनीता कुमारी, कमल टोप्पो, स्वप्नेश्वरी हेम्ब्रम, विवेक सुरीन, प्रीति बोइपाई, बिनित कुजूर, एनोस कुजूर, आकाश कुमार (भूगर्भ शास्त्र)

रंगोली प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी

रंगोली — निधि श्रीवास्तव, बिरदिया कुमारी, प्रिया कुमारी, आकांक्षा कुमारी (मनोविज्ञान), इत्ती अशोक, स्वीटी बोस, श्वेता केरकेट्टा, वैदेही वर्मा (अंग्रेजी विभाग)

कार्यक्रम को सफल बनाने में एन एस एस के टीम लीडर्स क्रमशः रिकेष, पुरुषोत्तम, शौर्य, रुक्मिणी, विधी, अंकित आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

टाटा स्टील टेक्निकल इंस्टीट्यूट में प्लेसमेंट की शानदार शुरुआत 5 छात्रों को 4 लाख (वार्षिक) पैकेज में लॉक किया गया

जमशेदपुर । टाटा स्टील टेक्निकल इंस्टीट्यूट, बर्मामाइंस में 2023 की कक्षा के लिए "मेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग और स्मार्ट फैक्ट्री" और "इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग" में अपने तीन साल के डिप्लोमा कार्यक्रम की प्लेसमेंट प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह इंस्टिट्यूट एनटीटीएफ और टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा सम्मिलित रूप से वर्ष 2014 से संचालित किया जा रहा है। हर साल 35-40 विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कंपनियां भाग लेती हैं और कैंपसिंग के द्वारा छात्रों को आकर्षक पैकेज प्रदान किया जाता है। इस वर्ष संस्थान की दोनों ब्रांच से 5 छात्रों का चयन "श्नाइडर इलेक्ट्रिक" द्वारा 4 लाख वार्षिक पैकेज में लॉक किया गया।
श्नाइडर इलेक्ट्रिक घरों, इमारतों, डेटा केंद्रों, बुनियादी ढांचे और उद्योगों में ऊर्जा प्रबंधन और स्वचालन के डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व कर रहा है। 100 से अधिक देशों में वैश्विक उपस्थिति के साथ, श्नाइडर पावर मैनेजमेंट – मध्यम वोल्टेज, कम वोल्टेज और सुरक्षित पावर, और ऑटोमेशन सिस्टम में निर्विवाद अग्रणी कंपनी है। यह ऊर्जा, स्वचालन और सॉफ्टवेयर के संयोजन के साथ एकीकृत दक्षता का समाधान करता है।
छात्रों मे मेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग और स्मार्ट फैक्ट्री ब्रांच से स्वराज सिंह, जूही आनंद, शालिनी कुमारी और खुशबू कुमारी ऐवम इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ब्रांच से रागिनी शर्मा चयनित हुए।
टाटा स्टील टेक्निकल इंस्टीट्यूट सभी प्रशिक्षुओं के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

धनबाद में हुआ सड़क हादसाः खड़े ट्रक में ऑल्टो ने मारी टक्कर, पति-पत्नी समेत 4 घायल

धनबादः धनबाद जिले के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत काशीटांड चरणी होटल के समीप NH 2 पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में लगभग चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल लोगों को इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। जहां उसका पति-पत्नी और एक बच्चे की स्थिति गंभीर है। वहीं एक बच्ची को हल्की चोट आई है।

खड़े ट्रक में पीछे से मारी टक्कर

घटना के संबंध में बताया जाता है कि बड़ा जमुना कल्याणपुर से गोविंदपुर की ओर जा रही ऑल्टो कार ने खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर

मार दी। जिसके बाद लगभग चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।
प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि ऑल्टो कार में पति, पत्नी और दो बच्चे सवार थे। हादसा NH-2 के चरनी होटल काशी टांड के समीप खड़ी वाहन में जोरदार टक्कर मार दी है। बताया जा रहा है कि पति प्रदीप चंद्र डे और पत्नी संपा डे और 3 साल के बेटे गंभीर रूप से घायल है और एक साल की बच्ची की हल्की चोट आई है। सभी आनन फानन में SNMMCH अस्पताल लाया गया है जहां सभी का इलाज जारी है।

टाटा स्टील यूआईएसएल ने 66वें राष्ट्रीय सम्मेलन और 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कांस्य पुरस्कार जीता

जमशेदपुर । टाटा स्टील यूआईएसएल को 66वें राष्ट्रीय सम्मेलन और 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने शोध पत्र, 'ड्रोन फॉर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड टाउन ओएंडएम' के लिए प्रतिष्ठित कांस्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है । इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियर्स (IIIE), जमशेदपुर चैप्टर द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम 27 और 28 सितंबर, 2024 को द वेव इंटरनेशनल में "इनोवेशन एंड एआई इनेबल्ड सस्टेनेबल ग्रोथः इमर्जिंग रोल्स ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियर्स" थीम के तहत हुआ ।
श्रीमती सपना जायसवाल और श्री कौस्तव बनर्जी ने शोध पत्र के माध्यम से बताया कि कैसे ड्रोन तकनीक शहरी बुनियादी ढांचे के संचालन और रखरखाव में क्रांति ला सकती है । उनके अग्रणी कार्य ने बुनियादी ढांचे की कुशलतापूर्वक निगरानी, रखरखाव और प्रबंधन करने के लिए ड्रोन की क्षमता पर प्रकाश डाला, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए सतत शहरी विकास सुनिश्चित हुआ । कांस्य पुरस्कार के अलावा, सम्मेलन में टाटा स्टील यूआईएसएल द्वारा कई अन्य अभिनव शोध प्रस्तुतियाँ भी प्रस्तुत की गईं, जिनमें शामिल हैंः सिटीजीआईएस - डेटा विजुअलाइज़ेशन के साथ शहरी

बुनियादी ढांचे के प्रबंधन को बदलना । यह प्रस्तुति शहरी बुनियादी ढांचे के प्रबंधन को अनुकूलित करने के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) और उन्नत डेटा विजुअलाइज़ेशन तकनीकों के उपयोग पर केंद्रित थी, जो शहर के योजनाकारों और इंजीनियरों को कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि प्रदान करती है । साथ ही एक अन्य औद्योगिक उप-उत्पादों के माध्यम से सतत निर्माण विषय पर भी शोध पत्र प्रस्तुत किया गया । इस अध्ययन ने निर्माण में औद्योगिक उप-उत्पादों के पुनः उपयोग की क्षमता पर जोर दिया, टिकाऊ भवन प्रथाओं की पेशकश की और पर्यावरणीय पदचिह्नों को कम करने में योगदान दिया। इस कार्यक्रम में नवीनतम तकनीकी प्रगति पर चर्चा करने और सतत औद्योगिक विकास के लिए अभिनव समाधानों की खोज करने के लिए दुनिया भर के प्रमुख पेशेवर, शोधकर्ता और औद्योगिक इंजीनियर एक साथ आए।

अड़की के सोसोकुटी डैम आंचलिक पत्रकार संघ का एक दिवसीय सम्मेलन सम्पन्न

तमाड़. - झारखंड आंचलिक पत्रकार संघ के सदस्यों की ताकत से आज यह संघ बहुत ही मजबूती के साथ खड़ा है। संघ के सदस्यों की एकता ही संगठन की मजबूती है यह बात झारखंड आंचलिक पत्रकार संघ के अध्यक्ष दिलीप ठाकुर ने कहीं। दिलीप ठाकुर ने शनिवार को झारखंड आंचलिक पत्रकार संघ के सोसोकुटी डैम में एक दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।आगे उन्होंने कहा कि संघ को चलाने के लिए आर्थिक स्थिति से मजबूत होने की जरूरत है ।जिसे संघ के सदस्य ही पूरा कर सकते हैं। दुख के घड़ी में भी संघ के सभी सदस्य अपनी भूमि भूमिका अच्छी तरह निभाते आ रहे हैं ।इस वर्ष हमारे संघ ने तीन होनहार पत्रकारों को खो दिया है। जिसमें इटकी के सुबोध सिन्हा, नगड़ी के प्रदीप महतो और ओरमांझी के जय प्रकाश गुप्ता शामिल हैं। सभी को सच्ची श्रद्धांजलि। संघ के महासचिव दीपक जयसवाल ने कहा कि झारखंड आंचलिक पत्रकार संघ ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों के हित में काम कर रहा है। हमारे संघ को कहीं से भी कोई आर्थिक योगदान नहीं प्राप्त हो रहा है लेकिन अपनी मजबूती और कुछ मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने की बात उन्होंने कही । आगे उन्होंने कहा की झारखंड

राज्य के सभी अंचलो के पत्रकारों के लिए सरकारी सुबिधाए लेने के लिये संघ चरणबद्ध आंदोलन करेगी। माननीय मुख्यमंत्री से उन्होंने अपील किया की जिस तरह राज्य मे सभी वर्गों के लिए योजयनाये की घोषणा हुई है। उसी तरह अंचल के पत्रकारों के लिए बेहतर योजना की घोषणा किया जाय। संघ के संरक्षक केशव भगत ने कहा कि आज इस हरी वादियों में शहर से दूर जिस तत्परता के साथ इस बैठक में सदस्यों की उपस्थिति रही वह काबिले तारीफ है हमें विश्वास है कि यह संघ दिन दूनी रात चौगुनी आगे बढ़ेगा। सम्मेलन को धर्मेंद्र गिरी, धीरेंद्र प्रसाद सहित अन्य सदस्यों ने भी संबोधित किया।इसके बाद 5 सदस्य समिति का गठन किया गया ।जो मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी समस्याओं को रखेगा। सम्मेलन में 25 वर्ष से ऊपर कार्य कर रहे पत्रकारों को सम्मानित किया गया। महिलाओं के बीच कुर्सी रेस किया गया। जिसमें तीन महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन में धर्मेंद्र गिरी, केशव भगत, सुनील गुप्ता, श्रीमंत चटर्जी, तौफीक आलम, संजय कुमार, अजीत साव, मनोज प्रसाद, रोहित लाल, संजय श्रीवास्तव, रणविजय सिंह, पंकज आर्या,टिंकू गुप्ता, शिशुपाल पातर, देवनंदन सिंह मुंडा,शुभम हलधर, अजय गुप्ता, नंद किशोर साय, अरुण चौरसिया, संजय सिंह, आनंद राम महतो, राम मनोहर मिश्रा, प्रदीप प्रमाणिक, रघुनाथ महतो, अनु साहु, राजेश वर्मा, ओम प्रकाश सिंह, कुलदीप तिवारी, प्रदीप मिश्रा, निशांत भगत सहित काफी संख्या में सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के आयोजक आर्या को भी संघ की ओर से सम्मानित किया गया।

यशवंत सिन्हा का जमशेदपुर आगमन को लेकर अटल विचार मंच द्वारा व्यापक तैयारी

जमशेदपुर । भारत सरकार के पूर्व वित्त एवं विदेश मंत्री सह भारत के राष्ट्रपति पद के पूर्व उम्मीदवार एवं अटल विचार मंच के संस्थापक यशवंत सिन्हा जी का जमशेदपुर नगर आगमन हो रहा है । रांची से बाय रोड जमशेदपुर पहुंचेंगे। दोपहर मे करीब 12:30 बजे पारडीह स्थित गोल चक्कर परिसर में संगठन के पदाधिकारियो द्वारा उनका अभिनंदन किया जाएगा । तत्पश्चात शहर में लगभग 20 से 25 जगह पर चौक चौराहा में उनका नागरिक अभिनंदन किया जाएगा । तत्पश्चात बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम परिसर में अपहरण 2:00 बजे भारत के राजनीति मे वर्तमान परिदृश्य एवं युवाओं के नशा के ऊपर बढ़ते कदम* पर विचार गोष्ठी सह परिचर्चा कार्यक्रम को संबोधित करेंगे तो उक्तः कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी चंद्रगुप्त सिंह , 6विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल सारंगी ,विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रिटायरमेंट डीएसपी वरिष्ठ समाजसेव कमल किशोर, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ नागरिक संघ के केंद्रीय अध्यक्ष शिवपूजन सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अरका जैन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉक्टर एस. एस. रज़्ज़ी ,विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित शैलेंद्र सिंह झारखंड राज्य गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रथीनद्रनाथ दास , जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, ब्रह्माश्री विकास मंच के एवं युवा समाज सेवी विकास सिंह , विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित ए.के श्रीवास्तव सिंभूम चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष,विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड आंदोलनकारी युवा समाजसेवी तरुण दे सहित थे.

चतरा जिले में चौकीदार नियुक्ति लिखित परीक्षा कुल 07 केन्द्रों पर शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त हुई सम्पन्न, परीक्षा में 3019 परीक्षार्थी शामिल हुए

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः झारखंड राज्य में शनिवार को चौकीदार नियुक्ति की लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। इसी क्रम में चतरा जिले में 28 सितम्बर को 9 बजे से 10:30 बजे तक चौकीदार नियुक्ति लिखित परीक्षा जिला प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त वातावरण में सम्पन्न कराया गया ।
28 सितम्बर शनिवार को कुल जिला मुख्यालय के कुल 07 केन्द्रों यथा एसएस प्लस 2 हाई स्कूल चतरा, एसएस प्लस 2 गर्ल हाई स्कूल चतरा, रामेश्वरलाल खंडेलवाल, सरस्वती विद्यामंदिर चतरा, नजेराथ विद्या निकेतन हाई स्कूल चतरा, इंदुमती टाइब्रेवाल सरस्वती विद्यामंदिर हाई स्कूल चतरा, आरडीएस इंटर कॉलेज चतरा, डीएवी पब्लिक स्कूल चतरा कुल सातों केंद्रों पर 3349 परीक्षार्थी को शामिल होना था जिसमे 3019 परीक्षार्थी शामिल हुए, 330 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए।
जिले के वरीय अधिकारियों द्वारा प्रश्न पत्र के केन्द्रों तक ले जाने प्रश्न पत्र खोलने, प्रतिनियुक्त स्टैटिक मजिस्ट्रेट, प्रतिनियुक्त ऑब्जर्वर, प्रतिनियुक्त स्टैटिक पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल, गश्ती सह उड़नदस्ता दण्डाधिकारी, गश्ती पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल, संबंधित केन्द्राधीक्षक के कार्यो की मॉनिटरिंग की जा रही थी। सभी परीक्षा केन्द्रों में सीसीटीवी अधिष्ठापित की गई थी। चौकीदार नियुक्ति लिखित परीक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशानुसार का अक्षरशः अनुपालन कराते हुए परीक्षा सम्पन्न कराया गया।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।